ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एक ही साल में सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया : विजयेन्द्र @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 29 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-180

अब पूर्व सांसद नवनीत राणा ने लिखा राष्ट्रपति को पत्र

ओवैसी की सांसदी खत्म हो, राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज हो

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारत की संसद में फिलिस्तीन का जयकारा लगाने वाले सांसद असदुद्दीन ओवैसी को संसद से बर्खास्त करने की मांग तेज होने लगी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 102 कहता है कि यदि कोई सांसद किसी दूसरे देश के प्रति अपनी वफादारी जताता है तो राष्ट्रपति उसकी संसद सदस्यता खारिज कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध वकील हरिशंकर जैन और विभोर आनंद द्वारा यह मसला उठाए जाने के बाद महाराष्ट्र के अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत राणा ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर असदुद्दीन ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द करने और उनके खिलाफ राष्ट्र विरोध का मुकदमा चलाने की मांग की है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में नवनीत राणा ने मांग की है कि जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के कारण भारतीय संसद की मर्यादा भंग हुई है, इसलिए एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की सदस्यता रद्द की जाए। उन्होंने जय फिलिस्तीन का नारा लगाने के कृत्य को स्पष्ट रूप से राष्ट्रद्रोह बताया। नवनीत राणा ने गुरुवार 27 जून 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाए। फिलिस्तीन वह देश है, जिसका भारतीय नागरिक या भारतीय संविधान से कोई लेना-देना है। असदुद्दीन ओवैसी ने भरी संसद में फिलिस्तीन के नारे लगा कर भारत के बजाय दूसरे देश फिलिस्तीन के प्रति अपनी निष्ठा और लगाव को आधिकारिक तौर पर स्पष्ट कर दिया है। यह संविधान का सीधा-सीधा

- वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन भी राष्ट्रपति को लिख चुके हैं पत्र
- वकील विभोर आनंद की शिकायत लोकसभा सचिवालय में दर्ज

उल्लंघन है। नवनीत राणा ने इसे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी बताया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि ओवैसी का यह बयान राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। लिहाजा, ओवैसी की संसद सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाए।

पूर्व सांसद नवनीत राणा ने भी अपने पत्र में संविधान के अनुच्छेद 102 का हवाला दिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनुरोध किया है कि वे संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के तहत कार्रवाई करते हुए ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द कर दें।

संविधान के अनुच्छेद 102 में वह स्थितियां बताई गई हैं, जिनके अंतर्गत किसी संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अनुच्छेद 102 के भाग-घ में वर्णित है कि ऐसे संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है जो भारत का नागरिक नहीं है या उसने किसी दूसरे राष्ट्र की नागरिकता ले ली है। इसके अलावा उसे इस आधार पर भी अयोग्य घोषित किया जा सकता है यदि वह दूसरे राष्ट्र के प्रति श्रद्धा रखता है। संविधान का अनुच्छेद 103 राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वह अनुच्छेद 102 के तहत किसी संसद सदस्य को अयोग्य ठहरा सकता है। इसमें कहा गया है कि यदि अनुच्छेद 102 के तहत अयोग्यता का मामला उठता है तो इस मामले को राष्ट्रपति के समक्ष भेजा जाना चाहिए और राष्ट्रपति का निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा। इसी अनुच्छेद में कहा गया है कि अयोग्य घोषित करने के लिए राष्ट्रपति चुनाव आयोग की सलाह लेगा और यथानुरूप निर्णय लेगा।

हैदराबाद से सांसद चुने गए असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार 26 जून 2024 को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तीन के नारे लगाए। उन्होंने अपनी शपथ उर्दू में ली। उर्दू में शपथ लेने वाले असदुद्दीन ओवैसी ने अंत में जय फिलिस्तीन का नारा ▶10पर

आपातकाल के निंदा प्रस्ताव पर जले-भुने राहुल ने कराया हंगामा

पेपर लीक के बहाने मचाया शोर दोनों सदनों में काम नहीं हुआ

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। नए विपक्ष का इरादा पहले से ही स्पष्ट है। उन्हें संसद की कार्यवाही नहीं चलने देनी है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा से सत्र की सामान्य कार्यवाही शुरू होने की परंपरा को ध्वस्त कर विपक्ष ने संसद में आते ही नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बजाय पेपर लीक पर चर्चा की मांग करने लगा। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष से कहा कि पेपर लीक मामले की सरकार पहले ही सीबीआई जांच का आदेश दे चुकी है और इस मामले में समग्र रूप से कार्रवाई

शुरू की जा चुकी है। लिहाजा, अभिभाषण पर चर्चा प्रारंभ होनी चाहिए। लेकिन विपक्ष ने उनकी एक नहीं सुनी। दरअसल पूरा विपक्ष 99 सीटों वाले राहुल गांधी के इशारे पर अपना कोई निर्णय नहीं ले पा रहा है। और राहुल गांधी आपातकाल पर लोकसभा में आए निंदा प्रस्ताव पर पहले से जले भुने बैठे हैं, इसलिए राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा नहीं होने देना चाहते। राष्ट्रपति ने भी अपने अभिभाषण में आपातकाल को देश के संविधान का काला अध्याय करार दिया है।

संसद के दोनों सदनों में आज से राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। ▶10पर

- **हंगामे के कारण सोमवार सुबह तक लोकसभा स्थगित हुई**
- **लोकसभा में राहुल, राज्यसभा में शोर मचा रहे थे खड़गे**
- **हंगामें से राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित करनी पड़ी**
- **विपक्ष की ऐसी हरकतों से दुखी और स्तब्ध हूं : धनखड़**

भारत के नए विदेश सचिव होंगे विक्रम मिस्री

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री को अगला विदेश सचिव नियुक्त किया है। विक्रम मिस्री की नियुक्ति 15 जुलाई को होगी। इसके अलावा मनिका जैन को रोमानिया में भारत की राजदूत नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा हैं। क्वात्रा का कार्यकाल इस साल 30 अप्रैल को ही खत्म हो गया था लेकिन केंद्र सरकार ने उनका कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया था। विनय मोहन क्वात्रा ने 30 अप्रैल 2022 को विदेश सचिव का कार्यभार संभाला था। सरकार की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि ▶10पर

राज्यसभा में सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस को जमकर धोया

उपलब्धियों में नेहरू से कहीं आगे खड़े हैं मोदी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में शुरू हुई चर्चा बाद में विपक्ष के हंगामे में बदल गई। यह सुनियोजित तरीके से किया गया। हंगामे का नेतृत्व खुद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे। वरिष्ठ और बुजुर्ग नेता खड़गे ने अपनी और उच्च सदन की मर्यादा का तनिक भी ख्याल नहीं रखा और बड़े ही फूहड़ तरीके से शोर मचाते हुए सभापति के आसन के सामने वेल में आ खड़े हुए। इस हंगामे के बीच राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सदन में जो बात रख दी, उसने विपक्ष के तन-बदन में सनसनी फैला दी।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तीसरी बार में भी कांग्रेस तीन डिजिट यानी 100 का आकंड़ा नहीं छू सका। लगातार फेल होने वाला बच्चा जब ग्रेस मार्क्स से भी पास हो जाए तो खुशी होती है। कुछ ऐसी ही स्थिति कांग्रेस पार्टी की हुई है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुदड़ी के लाल है जबकि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल जवाहरात के लाल थे। पीएम मोदी स्टेशन पर चाय बेचकर यहां तक पहुंचे

पिछले 40 साल में कांग्रेस को 240 सीटें नहीं मिलीं

जबकि जवाहर लाल के पिता बड़े वकील थे। उनका जीवन राजसी ठाठ में गुजरा था।

राज्यसभा की कार्यवाही जब शुरू हुई तो विपक्ष नीट परीक्षा पर चर्चा की मांग कर रहा था जिसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में खूब हंगामा देखने को मिला। लेकिन विपक्ष चर्चा के लिए तैयार नहीं हुआ तो सदन 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 12 बजे जब ▶10पर

पाकिस्तान में बैठे आतंकियों की करोड़ों की सम्पत्ति जब्त

बारामुला, 28 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने पाकिस्तान में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों को संचालित कर रहे पांच आतंकियों की करोड़ों की सम्पत्ति जब्त कर ली। यह कार्रवाई एक स्थानीय अदालत की ओर से पारित कुर्की आदेश के आधार पर की गई।

जिन दहशतगर्दों की सम्पत्ति जब्त की गई उनमें बशीर अहमद गनी निवासी तिलगाम, मेहराजउद्दीन लोन निवासी खरगाम, गुलाम मोहम्मद याटू निवासी तिलगाम, अब्दुल रहमान भट निवासी वानीगाम पाईन तथा अब्दुल राशिद लोन निवासी सतरेसीरन शामिल हैं। यह सभी कई वर्ष पहले सीमा पार कर पाकिस्तान चले गए थे। अब वहीं से बैठकर कश्मीर घाटी में ▶10पर

डोडा में आधा दर्जन आतंकी सक्रिय, तीन का हो चुका सफाया

⇨ **सभी आतंकियों पर पांच-पांच लाख का इनाम**

डोडा/उधमपुर, 28 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के गंदोह इलाके में छह से सात आतंकी सक्रिय हैं। बुधवार को सुरक्षाबलों ने तीन को मार गिराया, जबकि अन्य की तलाश गुरुवार को भी जारी रही। घने जंगलों के बीच सुरक्षाबल इन दहशतगर्दों की खोज में लगे हैं। इस बीच डोडा, गंदोह, भलेस व कठुआ के बनी इलाकों में दोपहर 12 बजे इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई है।

गंदोह स्थित सिनू के जंगलों में हुई मुठभेड़ स्थल के आसपास पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन के साथ-साथ सुरक्षा क्लीयरेंस अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार देर रात जम्मू संभाग के ▶10पर

शादनगर में ग्लास फैक्ट्री में विस्फोट, 5 की मौत, 15 घायल

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले में शुक्रवार को एक ग्लास फैक्टरी में जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं 15 अन्य लोग इस हादसे में घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, शादनगर इलाके में मौजूद फैक्ट्री के ब्लास्ट हुआ। पुलिस अधिकारियों ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया और उनमें से एक की हालत गंभीर बताई गई है। उन्होंने बताया कि यह घटना हैदराबाद से करीब 55 ▶10पर

नीट पेपर लीक कांड

सीबीआई के रडार पर सॉल्वर गिरोह के 33 सदस्य

वाराणसी, 28 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर सीबीआई अलर्ट मोड में है। वाराणसी के सारनाथ थाने में 2021 में मामला दर्ज किया गया था। इन्हीं आरोपियों से पूछताछ कर सीबीआई गिरोह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। अन्य आरोपियों की धर-पकड़ के लिए भी कोशिश की जा रही है।

नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के रडार पर पूर्वांचल, बिहार, झारखंड, त्रिपुरा और कर्नाटक के सॉल्वर गिरोह के 33 सदस्य हैं। सभी 2021 में नीट में फर्जीवाड़े के प्रयास के आरोप में सारनाथ थाने में दर्ज मुकदमे के ▶10पर

नीट खत्म कर पुरानी व्यवस्था लागू करें: ममता बनर्जी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नीट के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता बनर्जी ने नीट को समाप्त करने की मांग की है। बंगाल सीएम ने लिखा है कि नीट को समाप्त कर पुरानी व्यवस्था लागू की जाए। उल्लेखनीय है कि पुरानी व्यवस्था के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा नीट परीक्षा का आयोजन कराया जाता था।

पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक होने, परीक्षा कराने वाले अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेने, छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने आदि के गंभीर आरोप लग रहे हैं। इन आरोपों पर तुरंत ध्यान देने और पूरी निष्पक्षता से जांच कराने की ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,980/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,400/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

विपक्ष ने ध्वस्त कर दी संसद में संवाद और सहयोग की मर्यादा

सरकार ने स्पष्ट कर दी अपनी मजबूती, जितनी पहले थी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नए नवेले विपक्षी नेता राहुल गांधी जब ओम बिरला को अध्यक्ष के आसन तक ले गए थे, तब यह उम्मीद जगी थी कि सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच संवाद और सहयोग का एक नया रास्ता नई लोकसभा में खुल सकता है। लेकिन राहुल गांधी और विपक्ष के सदन में अभिव्यक्त हो रहे रवैये से यह उम्मीद तार तार हो गई। पूरा देश जब आपातकाल की बरसी पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार के संविधान विरोधी आचरण की निंदा कर रहा था तो इस पर जलने-भुनने के बजाय उस पर आत्मावलोकन करने, प्रायश्चित करने और देश से माफी मांग कर राजनीति का नया अध्याय प्रारंभ करना ही तो परिपक्वता की मांग है। लेकिन परिपक्वता से राहुल गांधी का दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं दिखता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 25 जून 1975 को देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा

संविधान की रक्षा का नारा देने वाले, अब बचाव की मुद्रा में

गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल की निंदा का प्रस्ताव पारित किया तो कांग्रेसियों के तन बदन में आग लगना क्या जरूरी था। देशभर के लोगों में यही सवाल उठ रहा है।

आम चुनावों के बाद भारत में 18वीं लोकसभा गठित हो गई। जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे नेता हो गए। लोकसभा में अब सामने अधीर रंजन चौधरी नहीं, बल्कि राहुल गांधी नेता विपक्ष के रूप में हैं। भाजपा को भले ही अपने बलबूते पूरा बहुमत नहीं मिला, लेकिन सहयोगी दलों के साथ एनडीए गठबंधन को बहुमत से 21 सीटें ज्यादा मिलीं। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन भी 234 सांसदों के साथ सरकार को घेरने का ताल ठोक रहा है।

18वीं लोकसभा के प्रारंभ में ही आपातकाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाकर एनडीए ने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा कर दिया, जिसके ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रवर्तिनी शशिप्रभा श्रीजी एक महान आत्म साधिका थी: मलयप्रभ सागरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी और पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में प्रवर्तिनी शशिप्रभा श्री जी की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। शशिप्रभा जी का देवलोकगमन 80 वर्ष की आयु में बुधवार को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर के पास विहार करते हुए सड़क दुर्घटना में हो गया था। पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने साध्वी जी के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा प्रतिदिन तपस्या में रहती थी। उन्होंने आहार के प्रति आसक्ति को तोड़ दिया था और प्रतिक्षण समता में रहते हुए शरीर के प्रति ममत्व को खत्म कर दिया था। पूज्य साध्वी

जी स्वर्णांजना श्री जी ने कहा कि जब भी दीक्षा के पश्चात उनके साथ रहना हुआ वो पल यादगार बन गए। इसके पूर्व दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, गिरधारी लाल मेहता, पारसमल पगारिया, सांकलचंद भन्साली, श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली के साथ गुरुवर्या के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण करते हुए पूरे दादावाड़ी ट्रस्ट परिवार की ओर से दिवंगत साध्वी वर्या को श्रद्धासुमन अर्पित किए। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि यह सिर्फ खरतरगच्छ के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण जिनशासन के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुवर्या के जीवन से संबंधित अनेक संस्मरण सुनाए। राजेन्द्र गुलेच्छा ने गुरुवर्या को समर्पित भावभरा गीत सुनाया। जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि गुरुवर्या शशिप्रभा जी की दीक्षा आज से 67 वर्ष पूर्व 13 वर्ष की अल्पायु में ब्यावर नगर में प्रवर्तिनी सज्जन श्रीजी के हाथों हुई थी। ट्रस्टी सांकलचंद भन्साली ने अपने परिवार के प्रति गुरुवर्या जी के उपकारों को याद करते हुए संस्मरण सुनाए।

इनकी रही उपस्थिति

अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् की महामंत्री रेखा चोपड़ा ने गुरुवर्या जी के प्रति महिला परिषद् की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी के साथ खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी महाराजा के 51वें स्वर्णिम संयम दिवस के उपलक्ष्य में आराधना भवन में गुणानुवाद सभा का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोतीलाल ललवानी, अशोक चोपड़ा, रमेश गुलेच्छा, अनिल भडकतिया, पंकज बाफना, विकास खटोड़ के साथ श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल के सदस्य और दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी तथा संघ के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु एक्सपो एंड ट्रैड शो का आयोजन 6 जुलाई से

माइक्रो लैब्स लिमिटेड एक्सपो के मुख्य प्रायोजक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ और श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बेंगलूरु एक्सपो एंड ट्रैड शो का आयोजन जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में 6 और 7 जुलाई को किया जा रहा है। युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस एक्सपो के मुख्य प्रायोजक माइक्रो लैब्स लिमिटेड होंगे। सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी समूह संस्थान के साथ गिफ्ट प्रायोजक मयन डायमंड्स कंपनी हैं। शहर के बीचों बीच महावीर धर्मशाला में आयोजित होने वाले इस एक्सपो में सौ से अधिक स्टॉल्स लगाए जा रहे हैं। मंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि इस शो में अनेकों प्रकार की वेरायटी के साथ कपड़ा, ज्वैलरी, इलैक्ट्रॉनिक, ऑटोमोबाइल्स, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री उत्तम ब्राण्ड में उपलब्धता के साथ टेस्टी खाने का भी लुत्फ उठा सकेंगे। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया ने बताया कि अधिकांश स्टॉल्स की बुकिंग हो चुकी है। संयोजक अरिहंत छाजेड़ ने कहा कि कार्यक्रम के लिए दिलीप कुमार सुराणा को आमंत्रित किया गया, जहां संघ के अरविन्द कोठारी, दिनेश लोढ़ा भी उपस्थित थे। संयोजक कुनाल मरलेचा और सुनील भण्डारी के साथ टेक्निकल टीम के महावीर गुगलिया, विशाल कोठारी, भरत कोठारी एक्सपो की तैयारियों में जुटे हैं। संघ के विकास खटोड़, नमित कोठारी, नरेश बोहरा के साथ कार्यकारिणी सदस्य एक्सपो की अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं।

माताजी की भक्ति एवं बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थित पूनम विकास सुराना के निवास स्थान पर श्री सुसवाणी माता महिला मंडल की 35वीं मासिक माताजी की भक्ति एवं बैठक आयोजित की गई।

जिसमें मंडल सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। गणेश वंदना से प्रारंभ भक्ति में माताजी के अनेक लोकप्रिय भक्ति गीतों की प्रस्तुती के पश्चात प्रारंभ हुई बैठक में संस्थापिक अध्यक्ष संगीता विजय सुराना ने सभी का स्वागत करते हुए नवरात्री के मौके पर माताजी के मूल स्थान मोरखाना राजस्थान संघ यात्रा का प्रस्ताव रखा, जिस पर सभी तैयार हो गए। कोषाध्यक्ष द्वारा लेखाजोखा प्रस्तुत करने के बाद सचिव हेमलता, प्रकाशचंद सुराना ने सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए वंदनार्पण किया। इस अवसर पर आशा सुराना, रश्मि सुराना, गुणवन्ती सुराना, सुशीला दुग्गड, शकुन्तला सुराना, सरोजा सुराना, हेमलता बी सुराना, अरुणा सुराना, पुष्पा सुराना, मधु सुराना, इन्दिरा सुराना सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दो दिवसीय योग-ध्यान साधना का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय योग-ध्यान साधना हेतु सदस्य कनकपूरा रोड में स्थित पिरामिड वैली में होलिस्टिक हार्मोनी-माइंड-बॉडी-सोल के शांत वातावरण में पहुंचे। इसका नेतृत्व महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने किया।

सभी सदस्य एक असाधारण प्रायोजन प्रयोग के अवसर हेतु उत्साहित थे। प्रशिक्षक कमल कुमार ने सभी सदस्यों को योग निद्रा ध्यान करवाया। साथ ही बताया कि योग से बड़े से बड़े असाध्य रोग भी दूर होते है। तनाव मुक्त जीवन से हम खुश और जिंदादिल रहते है। जब सत्य और शांति का आभास होने लगेगा तब खुद को जान पायेंगे। संगीतमय योग साधना और साथ-साथ ज्ञान चर्चा ने पिरामिड वैली में सभी को एक सूत्र में बांधे रखा। बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत करते

हुए कहा कि यह आयोजन सभी सदस्यों के बीच संबंध, नेटवर्किंग और उनके व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। सभी के लिए जुड़ने, अनुभव साझा करने और स्थायी संबंध बनाने का एक अनूठा मंच मिला है जो जीवन में सदा याद रहेगा। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने कार्य भार संभाला। संयोजिका रक्षा छाजेड़ ने शारीरिक स्वास्थ्य और आहार संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण दिया। सह-संयोजिका शिखा तातेड़ ने ट्रैकिंग का महत्व बताते हुए कहा कि प्रकृति को अपनाने और शारीरिक फिटनेस बढ़ाने के लिए एक स्फूर्तिदायक ट्रैक को सभी आवश्य करें एवं स्वस्थता का अनुभव करें। संतोष आच्छा, ट्विंकल मुथा, अल्का जैन, संतोष चोरड़िया ने बस व्यवस्था, दीपू मांडोत, सविता सियाल ने भोजन व्यवस्था, संगीता मुथा, सुमन रांका ने तकनीकी कार्यभार संभाला। जीतो चैप्टर के इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, महिला विंग संयोजक कमल पुनमीया, मेंटर अर्चना सुराणा, निशा सामर, सरिता खिंवेसरा, रत्नीबाई मेहता ने सभी सदस्यों को शुभकामना दी। पिंकी मेहता, नीता गादिया, जयश्री द्वारा सभी को मनोरंजन के रूप में ट्विस्टाक्षरी खेल खेलाया गया एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। लगभग 160 सदस्यों की उपस्थिति रही। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, कोषाध्यक्ष मधु कटारिया, कार्यसमिति सदस्य साधना धोका, सुमन सिंघवी, नीता गादिया, मीना बड़ेरा, संगीता बेताला, सुष्मिता सेठिया, तनुजा मेहता उपस्थित थे।

केम्पेगौड़ा की 515 वीं जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पटेगार पाल्या स्थित बालेनकेरे में राजस्थानी प्रवासियों ने गुरुवार को नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 515वीं जयंती मनाई। प्रवासियों ने केम्पेगौड़ा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अन्नदान का वितरण किया। नेमाराम सैणचा ने बताया कि केंम्पेगौड़ा ने बेंगलूरु को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए कई बाजारों का निर्माण किया था।

उन्होंने कहा कि केंम्पेगौड़ा ने बेंगलूरु शहर की स्थापना की। यहां पर समाज के हर वर्ग के विकास पर ध्यान देने के साथ सभी समुदायों की पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहित किया था। इस अवसर पर देवाराम भायल, नेमाराम सैणचा, गोपाल शर्मा, देवीसिंह राजपुरोहित, ललीत बर्फा, प्रकाश प्रजापत, कानाराम भायल, चिमनाराम सोलंकी और रतनसिंह राजपुरोहित आदि मौजूद थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु निर्माता नादप्रभु केंपेगौड़ा की 515वीं जयंती उत्सव के उपलक्ष में हंपी नगर स्थित श्री लक्ष्मी रंगनाथ विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत एवं शिक्षकगण।

महिला की करंट लगने से मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी तालुका के एक गांव में 21 वर्षीय महिला की कथित तौर पर करंट लगने से मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान प्रतीक्षा शेट्टी के रूप में हुई है। घटना गुरुवार शाम को धर्मस्थल पुलिस सीमा के शिबाजे गांव में हुई।

पुलिस के अनुसार, महिला पार्सल लेने के लिए अपने घर से बाहर निकली थी, तभी उसे करंट लग गया। प्रतीक्षा के पिता, जो उसके साथ थे, ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान वह घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह शिबाजे गांव के बरगुला गांव की निवासी थी। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया। इस सप्ताह करंट लगने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले मंगलवार को मेंगलूरु शहर के पांडेश्वर में दो ऑटोरिक्शा चालक करंट की चपेट में आ गए थे और उनकी मौत हो गई थी।

अगर कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होता है तो

अगला मुख्यमंत्री वीरशैव लिंगायत समुदाय से होना चाहिए : शिवाचार्य स्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शैला के श्री चन्ना सिद्धराम पंडितराध्या शिवाचार्य स्वामी ने शुक्रवार को कहा कि अगर कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होता है तो नया मुख्यमंत्री वीरशैव लिंगायत समुदाय से होना चाहिए। श्री शैला जगद्गुरु बेलगावी जिले में चिक्कोडी के पास यदुर में आयोजित एक धार्मिक समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा वीरशैव लिंगायतों ने पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट दिया था।

यह स्वाभाविक है कि समुदाय के नेता मुख्यमंत्री बनें। एमबी पाटिल, ईश्वर खंड्रे, एस.एस. मल्लिकार्जुन या श्यामनूर शिवशंकरप्पा जैसे नेताओं को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने कहा अगर कांग्रेस नेताओं ने पिछले साल कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता के बंटवारे को लेकर सहमति बनाई थी तो सभी नेताओं को उस सहमति का पालन करना चाहिए। मैंने काशी और उज्जैन के जगद्गुरुओं के साथ अपने विचार साझा

किए हैं। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री के कई पदों के सृजन की चल रही मांग, जिसे मौजूदा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के राजनीतिक प्रभाव को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ने गुरुवार को एक नया मोड़ ले लिया, जब विश्व वोक्कालिगा महासंघ मठ के संत चंद्रशेखर स्वामी ने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से शिवकुमार को अपना पद सौंपने का अनुरोध किया। संत ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों की मौजूदगी में यह अनुरोध किया, जब वे बेंगलूरु के संस्थापक केम्पे गौड़ा की 515वीं जयंती में भाग ले रहे थे, जिसका आयोजन नादप्रभु केम्पे गौड़ा हेरिटेज एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी, बीबीएमपी और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया था। विभिन्न नेताओं ने मुख्यमंत्री पद संभाला है और सत्ता का अनुभव किया है। अभी तक केवल शिवकुमार को ही यह पद नहीं मिला है। इसलिए, मैं सिद्धरामैया से अनुरोध करता हूं, जो पहले से ही इस पद पर हैं, कि वे शिवकुमार के लिए पद छोड़ दें और उन्हें आशीर्वाद दें। यह तभी हो सकता है जब सिद्धरामैया अपना मन बना लें। मैं उनसे शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने का अनुरोध करता हूं। बाद में, संत ने कहा कि शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के हकदार हैं क्योंकि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा अगर सिद्धरामैया धर्मवंत हैं (जो धर्म का पालन करते हैं) तो उन्हें अब अपना पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे वोक्कालिगा समुदाय के लिए पद की मांग नहीं कर रहे थे और वे केवल पार्टी को सत्ता में लाने में शिवकुमार की भूमिका के बारे में बोल रहे थे। सिद्धरामैया और शिवकुमार दोनों ने कार्यक्रम में संत की टिप्पणियों का जवाब देने से परहेज किया क्योंकि वे पहले ही सभा को अपना संबोधन पूरा कर चुके थे। हालांकि, बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने सीधा जवाब देने से परहेज किया और केवल इतना कहा कि कांग्रेस हाईकमान ऐसे मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगा।

सिद्धरामैया सीएम पद से दें इस्तीफा : वाल्मीकि निगम घोटाले की जांच सीबीआई करे: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और कई राज्यों तक फैले वाल्मीकि निगम घोटाले की जांच सीबीआई से करानी चाहिए। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा यह मुख्यमंत्री के विभाग के भीतर हुआ सबसे बड़ा घोटाला है। 100 फीसदी पैसा ट्रांसफर कर लूटने का घोटाला। हमने उनसे जिम्मेदारी लेने को कहा क्योंकि इस घोटाले में सीएम की नैतिकता सवालों के घेरे में है। लेकिन उन्होंने आपत्ति जताई कि यह ध्यान भटकाने वाला काम होगा। उन्होंने कहा

कि इसी सिलसिले में हमने आंदोलन किया है और सीएम से इस्तीफे की मांग की है। हमें सरकार की जांच पर संदेह है। यह एक बहु-राज्य घोटाला है। आरोपी भी आंध्र और तेलंगाना के हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। हालांकि, उन्होंने सवाल किया कि कर्नाटक सरकार ने इसे आधिकारिक तौर पर जांच के लिए सीबीआई को क्यों नहीं सौंपा है। उन्होंने नागेंद्र के रिश्तेदार और सिरागुप्पा के उम्मीदवार मुरली की भूमिका की जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि निगमों के काम में नागराज की भूमिका है और लूटपाट की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नागराज के ससुर को योग्य नहीं होने के बावजूद हॉस्टल फूड सप्लाई का ठेका मिला। उन्होंने संदेह जताया कि सरकार नागेंद्र को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि सरकार नागेंद्र के बचाव में आई है क्योंकि उन्हें डर है कि अगर उन्होंने उसे छुआ तो वह उजागर कर देंगे कि उन्होंने किसे पैसे दिए हैं। 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और जब्त किया गया पैसा केवल 14.07 करोड़ था। कहां गया बैलेंस? किसके खाते में गया है पैसा? उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं? बाकी पैसे जब्त क्यों नहीं किए गए। 700 से ज्यादा खातों में पैसा गया। वहां से कहां गया? उन्होंने कहा कि इसके स्रोत का पता लगाने के लिए काम किया जाना चाहिए। उन्होंने व्यापक जानकारी के साथ इस मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने की मांग की क्योंकि इसमें छत्तीसगढ़, आंध्र, तेलंगाना और कर्नाटक सहित चार या पांच राज्य शामिल हैं। इस मौके पर प्रदेश मीडिया सह संयोजक प्रशांत उपस्थित थे।

भाजपा ने राज्य भर में डीसी कार्यालयों पर किया प्रदर्शन

एक ही साल में सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया: विजयेन्द्र

पेट्रोल, डीजल, दूध सभी के दाम बढ़ गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम में भ्रष्टाचार हुआ है और हम इसके खिलाफ लड़ते रहेंगे। संबंधित मंत्री नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि मामला यहीं खत्म नहीं हुआ है। सीएम अधिकारी पर गाज गिराने की कोशिश कर रहे हैं। यहां शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम पूरे राज्य में जिला कलक्टर कार्यालय का घेराव कर रहे हैं। महंगाई से किसानों की परेशानी बढ़ गयी है।

उन्होंने विरोध जताते हुए कहा कि पेट्रोल, डीजल, दूध सभी के दाम बढ़ गए हैं। पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि सिद्धरामैया कब तक सीएम रहेंगे। अगर हम महंगाई की बात करेंगे तो मंत्री बकवास करेंगे। जनता कांग्रेस शासन से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस

पर भरोसा कम है। नागेंद्र के दोस्तों की धमकी के मामले में आरोपी सत्यनारायण वर्मा द्वारा कोर्ट में दिये गये बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सत्यनारायण वर्मा ने बहुत ही गंभीर आरोप लगाया है। लेकिन आज तक नागेंद्र को बुलाकर एसआईटी जांच कराने की हिम्मत नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने भी सरकार को फटकार लगाई। उन्होंने बताया कि रायता मोर्चा शनिवार को दूध की कीमत में बढ़ोतरी के लिए संघर्ष कर रहा है। संघर्ष के दिन हमारे सामने हैं। विजयेंद्र ने चेतावनी दी कि वह सरकार पर जमकर हमला करेंगे। एक ही साल में सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया है।

गुरुवार को स्वामी जी ने डीके शिवकुमार के लिए सीएम पद को लेकर बयान दिया था। वहीं लोगों ने सवाल उठाया है कि क्या सरकार जिंदा है। लोकसभा चुनाव से पहले सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार को एक साथ देखा गया था, उन्होंने नाश्ता किया और एक दूसरे के कंधों पर हाथ रखा। उन्होंने कहा कि अब वे एक दूसरे से छुटकारा पाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंतजार करें और देखें कि आने वाले दिनों में क्या होगा। हम सहमत हैं कि नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, अधिकारी ने आत्महत्या कर ली। पूर्व मंत्री को नोटिस देने के बाद एसआईटी जांच नहीं कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारे कार्यकर्ता जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

तीन डीसीएम पोस्ट को लेकर चर्चा हास्यास्पद

इसके अलावा तीन डीसीएम पोस्ट को लेकर भी चर्चा चल रही है जो हास्यास्पद है। मंत्री के जरिए सीएम और डीसीएम पद पर सवाल उठाए गए हैं कि डीके शिवकुमार को कमजोर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि चन्नपट्टना से कांग्रेस का उम्मीदवार कौन है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्होंने कौन सा उम्मीदवार खड़ा किया है, भाजपा जद (एस) मिलकर चुनाव लड़ेगी और जीतेगी। हम जानते हैं कि बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में क्या परिणाम आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे चन्नपटना, शिग्गांव और संदुर जीतने जा रहे हैं। हम जल्द ही कोर कमेटी की बैठक बुला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें उम्मीदवारों के चयन और सरकार के खिलाफ लड़ाई को लेकर चर्चा होगी।

चित्रदुर्ग कलक्ट्रेट घेराव की कोशिश

इससे पहले चित्रदुर्ग कलक्ट्रेट घेराव कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न कंपनियों को पैसा हस्तांतरित किया गया, वहां से पैसा निकाला गया और चुनाव के लिए पैसे का इस्तेमाल किया गया। इस प्रकार पैसे का दुरुपयोग किया गया। येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कई निगमों का विकास किया है। इसी तरह, वाल्मीकि विकास निगम की स्थापना की, सैकड़ों करोड़ रुपये दिए और समुदाय के गरीब बच्चों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस के राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने हमारे राज्य को लोकसभा चुनाव के लिए एटीएम बना दिया है। उन्होंने विकास निगम का पैसा चुराया है। सीएम के संज्ञान के बिना ऐसा होना असंभव है। इस मौके पर मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, निगम अध्यक्ष बसना गौड़ा दद्दल ने मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शन के मद्देनजर राज्य पुलिस विभाग ने भाजपा कार्यकर्ताओं को डीसी कार्यालयों में प्रवेश करने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए थे और परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया थे। भाजपा कार्यकर्ता राजधानी बेंगलूरु सहित सभी जिलों में डीसी कार्यालयों की ओर मार्च कर रहे थे। चिकमंगलूरु में, पुलिस ने उन भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जिन्होंने बैरिकेड्स फांदकर कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश की।

यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ संबंधित अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इस संबंध में उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा यह खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है कि हावेरी जिले के बडागी के पास एक भयानक सड़क दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार दुर्घटना में घायल हुए लोगों को उचित इलाज मुहैया कराए। जैसा की हावेरी के पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि दुर्घटना का कारण लॉरी चालक की गलत पार्किंग है, इसलिए वाहन चालकों को यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुखद बात है कि इस जीवन की उपेक्षा हो रही है। यह दुर्घटना उस समय घटी जब सभी माता सवदत्ती श्रीरेणुका यल्लामा के दर्शन कर घर लौट रहे थे।

उन्होंने सभी मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सिद्धरामैया ने दिल्ली में कर्नाटक के केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के साथ बैठक की

बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार शाम को अपने राज्य के सभी केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने दक्षिणी राज्य के विकास के लिए सभी को एकजुट होकर काम करने की जरूरत पर जोर दिया।

राष्ट्रीय राजधानी के एक होटल में कर्नाटक के केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने संसद के अंदर और बाहर राज्य से संबंधित मुद्दों पर आवाज उठाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा मेकेदातु परियोजना को केंद्र से मंजूरी की जरूरत है। अपर भद्रा परियोजना के संबंध में भी प्रयास जारी रखने की जरूरत है। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा अपने बजट में इसकी घोषणा किए हुए एक साल

हो गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी अपील की कि वे कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाली राज्यसभा सांसद हैं, जो बैठक में मौजूद थीं, ताकि अनुदान जारी किया जा सके। हमने रायचूर को एम्स देने का अनुरोध प्रस्तुत किया है। इसे पूरा किया जाना चाहिए। इससे क्षेत्र में मानव विकास सूचकांक में सुधार होगा। सिद्धरामैया ने कहा हमने 18,172 करोड़ रुपये की सूखा राहत मांगी है। हमें पूरी राशि नहीं मिली है। शेष राहत पाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने राज्य के केंद्रीय मंत्रियों को यह भी बताया कि राज्य सरकार ने बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के रूप में विचार करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिससे निर्यात में तेजी आएगी और बदले में आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलेगा। सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक रेलवे कनेक्टिविटी में पिछड़ रहा है। उन्होंने रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना से रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर राज्य को अधिक अनुदान देने की अपील की। उन्होंने कहा मैं इन सभी मांगों, योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी देने की अपील करता हूं। हम अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए यह मैत्रीपूर्ण बैठक कर रहे हैं। राज्य का विकास ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। राजनीति, आलोचना और भावनात्मक आरोपों की कोई जरूरत नहीं है। मेरा अनुरोध है आइए राज्य के विकास के लिए सौहार्दपूर्ण तरीके से प्रयास करें।

चन्नपटना उपचुनाव में परिवार से कोई नहीं उतरेगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चन्नपटना विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में डी.के. शिवकुमार या उनके परिवार से किसी के चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने इस संभावना से इनकार कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा मेरे परिवार से किसी के चुनाव लड़ने का सवाल ही नहीं उठता।

मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। हालांकि शिवकुमार ने इस सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना रुख बदल लिया। लेकिन, इससे उनके परिवार से किसी और के चुनाव लड़ने की अटकलें लगने लगीं। चन्नपटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव की शुरुआत जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी के मांड्या संसदीय सीट से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद हुई है। मई 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कुमारस्वामी चन्नपटना सीट से विजयी हुए थे। कुमारस्वामी अब केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री हैं।

सिद्धरामैया वाल्मीकि विकास निगम के 187 करोड़ के घोटाले में खुद शामिल: आर अशोक

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया वाल्मीकि विकास निगम के 187 करोड़ के घोटाले में खुद शामिल हैं और उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के खिलाफ भाजपा द्वारा किये गये प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए कहा कि मंत्री बी नागेंद्र वाल्मीकि विकास निगम में 20 फीसदी हिस्सा खा गये। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 80 फीसदी खा गए। इसलिए मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। हम सदन में भी इसकी मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि वह तब तक लड़ेंगे जब तक सीएम इस्तीफा नहीं दे देते। कांग्रेस सरकार ने मुफ्त के नाम पर कीमतें बढ़ा दी हैं। अगर आप पूछेंगे कि दूध के दाम क्यों बढ़े हैं तो वे कहेंगे कि हमने ज्यादा दूध दिया है। लेकिन किसानों को ज्यादा पैसा नहीं दिया जाता। राज्य में कोई विकास नहीं हो रहा है। केवल सोनिया गांधी और राहुल गांधी ही विकास कर रहे हैं। किसानों के दूध सब्सिडी का 800 करोड़ बकाया है। सूखा राहत और प्रोत्साहन के बिना किसानों ने आत्महत्या कर ली है। इस सरकार के पास पीने का पानी तक

उपलब्ध कराने की क्षमता नहीं है, लोग दूषित पानी पीने से मर गए हैं। डेंगू फैल रहा है और सरकार के पास इसके इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जनता को अगले स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को सिखाना चाहिए। तेल की कीमतें बढ़ने से सभी कीमतें बढ़ गई हैं। यदि दूध का उत्पादन बढ़ता है तो इसका उपयोग अन्य तरीकों से किया जा सकता है। इसके अलावा दूध के दाम बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने शिकायत की कि वे अवैज्ञानिक गारंटी लागू करके और उन्हें वित्त पोषित किए बिना कर लगाकर लोगों का खून चूस रहे हैं। ओक्कालिगा स्वामीजी ने डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने को कहा है। हालांकि स्वामीजी ने परोक्ष रूप से कहा कि सिद्धरामैया धर्मात्मा नहीं हैं, लेकिन डीके शिवकुमार चुप रहे। अगर सिद्धरामैया में गरिमा है तो उन्हें मंच पर ही इस्तीफा दे देना

सड़क दुर्घटना में 13 लोगों की मौत, कई अन्य घायल

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में शुक्रवार को एक टेम्पो ट्रैवलर के खड़े ट्रक से टकरा जाने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जिसमें आठ महिलाएं और दो बच्चे शामिल थे। यह हादसा बेंगलूरु-पुणे राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुंडेनहल्ली क्रॉस के पास हुआ। मृतकों की पहचान परशुराम (45), भाग्य (40), नागेश (50), विशालाक्षी (50), सुभद्रा बाई (65), पुण्या (50), मंजुला बाई (57), आदर्श (23), मानसा (24), रूपा (40) और मंजुला (50) के रूप में हुई है। इस हादसे में चार और छह साल के दो बच्चों की भी मौत हो गई। चार अन्य लोगों की हालत गंभीर है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि मृतक शिवमोग्गा जिले के भद्रावती शहर के पास एम्मेहट्टी गांव के रहने वाले थे। मृतकों में से एक आदर्श ने एक टेम्पो ट्रैवलर वाहन खरीदा था, और उसके परिवार, रिश्तेदार और दोस्त महाराष्ट्र के तिवारी लक्ष्मी मंदिर गए थे और नए वाहन के लिए एक विशेष पूजा समारोह किया था। बाद में उन्होंने तुलजा भवानी मंदिर और फिर कर्नाटक के बेलगावी जिले के सौंदत्ती येल्लम्मा में प्रसिद्ध रेणुका येल्लम्मा मंदिर का दौरा किया। यह घटना उस समय हुई जब वे बेलगावी से अपने मूल स्थान पर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में संदेह है कि चालक धुंध के कारण सड़क के किनारे खड़े ट्रक को नहीं देख पाया

और उससे टकरा गया। पुलिस को यह भी संदेह है कि चालक को झपकी आ गई होगी। हावेरी के एसपी अंशु कुमार ने कहा कि टेम्पो ट्रैवलर वाहन में 15 से अधिक लोग सवार थे और यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे अपने घर लौट रहे थे। हावेरी के एसपी ने कहा शवों को हावेरी जिला अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है। यह घटना ब्यादगी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर हुई।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम सिद्धरामैया आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करेंगे मुलाकात

मेकेदातु परियोजना को अनुमति देने का फिर से करेंगे अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वह शनिवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनसे मेकेदातु परियोजना को अनुमति देने का फिर अनुरोध करेंगे। उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कावेरी नदी जल विवाद का निपटारा ट्रिब्यूनल में हो चुका है। फैसले के मुताबिक कर्नाटक एक सामान्य वर्ष में तमिलनाडु को 179 टीएमसी पानी देने पर सहमत हो गया है। हमने अतिरिक्त पानी को संग्रहित करने के लिए अपने पैसे से अपनी जमीन पर मेकेदातु बांध बनाने की योजना बनाई है। राजनीतिक कारणों से तमिलनाडु इस विवाद को सुप्रीम कोर्ट में ले गया है। हालाँकि, किसी भी अदालत में कोई रोक लगाने वाला आदेश नहीं है। उन्होंने बताया कि मेकेदातु परियोजना के लिए केंद्रीय जलविद्युत मंत्रालय और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को अनुमति देनी होगी। पिछले साल 19 दिसंबर को जब उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी तब मेकेदातु परियोजना का प्रस्ताव रखा गया था। हम शनिवार की यात्रा में इसका फिर से उल्लेख करेंगे। हम यह नहीं कहते कि तमिलनाडु के साथ बैठक बुलाओ। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार तमिलनाडु सरकार को मनाए या अनुमति देने का फैसला ले। डीएमके कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गठबंधन में सहयोगी है। इसलिए भाजपा के लिए यह कहना बेमानी है कि कांग्रेस सरकार को डीएमके से चर्चा करनी चाहिए। गोवा में भाजपा की सरकार है। ऐसे में क्या महादयी परियोजना के लिए अनुमति देंगे। महादयी पेयजल योजना का निपटारा 2018 में हुआ। जैसा कि बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए पत्र में उल्लेख किया गया है, अदालत में एक मामला है। वह गलत जानकारी है। विवाद पर न्यायिक निर्णय भी अधिसूचित किया जाता है। उसके आधार पर, हमने महादायी परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है और निविदाएं आमंत्रित की हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में घोषणा की थी कि वह भद्रा प्रोजेक्ट के लिए 5300 करोड़ रुपये देंगे। पैसा जारी नहीं हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य की ओर से तकनीकी समस्या है। अभी तक हमें यह नहीं बताया गया है कि क्या समस्या है। असल में कोई समस्या ही नहीं है। हमने पैसा जारी करने के लिए पत्र लिखा है। उम्मीद है कि पैसा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से कृष्णा के न्यायिक फैसले की अधिसूचना के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पत्र लिखकर कहा है कि कर्नाटक में वित्त घाटा 2.1 प्रतिशत से बढ़कर 3 प्रतिशत हो गया है, इसके पीछे राजनीति छिपी हुई है। नियम है कि वित्तीय जिम्मेदारी 3 फीसदी होनी चाहिए। राज्य में फंड का घाटा 2.6 प्रतिशत है और कानून मर्यादा में है। उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे के प्रबंधन में कानून का पालन कर रही है। यह सच है कि हमारा राजस्व व्यय बढ़ा है। इससे राजस्व घाटा बढ़ गया है। इसे अगले साल ठीक कर लिया जाएगा। कुल ऋण सकल घरेलू उत्पाद के 25 प्रतिशत के भीतर होना चाहिए। हमारी वित्तीय स्थिति कानूनी सीमा के भीतर है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री के पत्र का विस्तृत जवाब दिया जायेगा। केंद्र सरकार ने ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया है जिससे तेल और गैस की कीमत बढ़ गई है। हमारी सरकार ने दूध के दाम नहीं बढ़ाये हैं। दूध का भण्डारण बढ़ा है। इसके लिए हम दूध की मात्रा बढ़ा रहे हैं और ग्राहकों से लागत वसूल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में जब तीन रुपये दाम बढ़ाये गये थे, तब भी इसका लाभ पूरे किसानों को दिया गया था। भाजपा बेवजह महंगाई का आरोप लगा रही है। पिछले पांच-छह वर्षों से राजस्व विभाग में कोई गाइडलाइन मूल्य संशोधन नहीं हुआ था। उन्होंने दावा किया कि हमने इसके लिए इसे बढ़ाया है।

महंगाई के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार

राज्य में महंगाई चरम पर है। राज्य में मुद्रास्फीति राष्ट्रीय औसत से कम है। उन्होंने शिकायत की कि 80 फीसदी महंगाई के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। सूखा राहत के लिए कोर्ट में अपील कर कानूनी संघर्ष के जरिये वित्तीय सहायता प्राप्त की गयी। उन्होंने पूछा, यदि हां, तो केंद्रीय मंत्री की क्या जिम्मेदारी है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा वाल्मीकि विकास निगम की जांच एसआईटी कर रही है। चूंकि यह एक बैंक घोटाला है, इसलिए इसकी सीबीआई जांच भी चल रही है। हमने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसकी जांच की जा रही है। जब भाजपा सत्ता में थी तो एक भी मामला सीबीआई को नहीं सौंपा गया।

मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच संपर्क सुधारने का मामला

कर्नाटक ने शिरडी घाट में सुरंग के निर्माण के लिए केंद्र से मांगी अनुमति

नितिन गडकरी से मिला एक प्रतिनिधिमंडल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और उनसे एक दर्जन से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया, जिसमें राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए न्यू मेंगलूरु पोर्ट और बेंगलूरु के बीच संपर्क सुधारने के लिए एनएच 75 (पुराने एनएच 48) के शिरडी घाट (मारनहल्ली से अडाहोल खंड पर 237 से 263 किमी तक) में एक सुरंग का निर्माण शामिल है।

सुरंग का निर्माण एक लंबे समय से लंबित परियोजना है। केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान यह प्रस्ताव रखा गया था। यह परियोजना न केवल मार्ग पर दुर्घटनाओं को कम करने का एक स्थायी समाधान होगी, बल्कि यात्रियों के समय की भी बचत करेगी। पिछले साल पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा था कि सरकार ने 3.8 किलोमीटर की दूरी पर तीन सुरंगें बनाने की योजना बनाई है, और शिरडी घाट के 30 किलोमीटर के हिस्से पर मरनहल्ली और अडाहोल के बीच 10 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बनाने की योजना बनाई है। ऐसी सुरंगें कश्मीर और कुछ अन्य राज्यों के वन क्षेत्रों में देखी जा सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जारकीहोली, मंत्री के.जे. जॉर्ज और जी. परमेश्वर प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

गडकरी को सौंपे गए अन्य प्रस्ताव में मैसूरु में एनएच 275 पर मणिपाल अस्पताल जंक्शन (कोलंबिया एशिया अस्पताल) पर फ्लाईओवर का निर्माण, मैसूरु रिंग रोड पर यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए एनएच 275के पर नौ ग्रेड सेपरेटर का निर्माण, पुराने एनएच 4 (पुणे-बेंगलूरु खंड) पर बेलगावी में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण समेत अन्य मांग शामिल थे। इसके अलावा बेलगावी जिले में गोकक जलप्रपात पर केबल कार, बेलगावी जिले में कित्तूर को बैलहोंगल से जोड़ने वाली सड़क का सुधार, कलबुर्गी और रायचूर में बाईपास का निर्माण, एनएच 373 के बेलूर-चिकमगलूरु खंड को 4 लेन तक चौड़ा करना, चल्लाकेरे शहर की सीमा में एनएच 150ए का एक बार का सुधार, केरल-कर्नाटक सीमा को गुंडलूपेट, नंजनगुड और मैसूरु (106.60 किमी की लंबाई) के माध्यम से कोल्लेगल से जोड़ने वाले एनएच-766 (पुराने एनएच-212) के खंड को 4 या 6 लेन तक चौड़ा करने की मंजूरी देने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने तीन राज्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में उन्नत करने की भी मांग की।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने सड़क दुर्घटना पर जताया दुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय खाद्य, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार को कर्नाटक सड़क दुर्घटना पर दुख जताया, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा सरकार को हावेरी जिले के गुंडेनहल्ली में सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करनी चाहिए। भगवान उनके परिवारों को शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार को घायलों के इलाज की व्यवस्था करनी चाहिए। हावेरी एसपी के अनुसार, सड़क पर ट्रक को गलत तरीके से पार्क करने के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा चालकों को नियमों का पालन करना चाहिए। इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही से जान जा सकती है। संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में सख्त कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना की। बोम्मई ने कहा राज्य सरकार को मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से मुआवजा देना चाहिए और घायलों को उचित उपचार देना चाहिए।

सभी 136 कांग्रेस विधायकों ने सिद्धरामैया को मुख्यमंत्री बनाया: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। डीके शिवकुमार को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाने की कुछ हलकों से उठ रही आवाजों के बीच, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के सभी 136 विधायकों ने सिद्धरामैया को अपना नेता चुना है और वह अच्छा काम कर रहे हैं। हेब्बालकर ने कहा कि सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार कांग्रेस की दो आंखें हैं और मुख्यमंत्री बदलने का कोई भी फैसला पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली के बयानों पर भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया, जिन्होंने कहा था कि वह विषकन्या हैं और उनके बेटे मृणाल उनके कर्मों के कारण लोकसभा चुनाव हार गए। हेब्बालकर ने कहा कि सिद्धरामैया कांग्रेस के जन नेता हैं, जबकि शिवकुमार ने कोविड-19 महामारी के दौरान पूरे राज्य का दौरा किया और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा तथा केपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर कांग्रेस को संगठित किया। इससे पहले, कुछ संतों ने अपनी राय व्यक्त की थी कि शिवकुमार को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। बेलगावी संसदीय क्षेत्र से अपने बेटे मृणाल के लोकसभा चुनाव में हारने के बारे में, हेब्बालकर ने कहा कि चुनावों में जीत या हार आम बात है। उन्होंने कहा युद्ध में हम एक बार हारने के बाद हथियार नहीं छोड़ सकते और आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमें हार के कारणों का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। हेब्बालकर ने कहा चन्नाराज हट्टीहोली के बेलगावी नागरिक प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से सबसे अधिक अंतर से एमएलसी चुने जाने और बाद में, बेलगावी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में फिर से चुने जाने के बाद, मैंने रमेश जारकीहोली के बयानों पर प्रतिक्रिया नहीं दी थी। यह जनता है जो उन्हें जवाब देती है। जारकीहोली द्वारा उन पर लोकसभा चुनाव के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से एक-एक लाख रुपये वसूलने का आरोप लगाने के एक अन्य सवाल पर, उन्होंने कहा, उन्हें इसका सबूत देने दें और मैं जवाब दूंगी।

नीट मामले में सीबीआई जांच का आदेश देकर सरकार ने लिया सही फैसला : देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नीट मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामे के बीच, जेडीएस के वरिष्ठ नेता एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को विपक्ष से सदन को सुचारू रूप से चलने देने की अपील की और कहा कि जब तक मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती, सरकार जिम्मेदारी तय नहीं कर सकती। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और सदन के वेल में प्रवेश कर गए। चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए गौड़ा ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा के आयोजन में कथित अनियमितताओं के कारण लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा मैं किसी का पक्ष नहीं लेना चाहता। सरकार ने सही फैसला (सीबीआई जांच का आदेश देने का) लिया है। उन्होंने कहा कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और सरकार इसके पूरा होने तक जिम्मेदारी तय नहीं कर सकती। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने की अपील की। हालांकि, प्रदर्शनकारी सदस्य शांत नहीं हुए। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करने वाले भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गौड़ा जैसे वरिष्ठ सदस्य द्वारा व्यवस्था बनाए रखने की अपील के बावजूद विपक्ष अपना विरोध और नारेबाजी जारी रखे हुए है।

राजस्व में गिरावट के बीच

विश्वविद्यालय को गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु विश्वविद्यालय (यूओएम) को अपने गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या को उचित ठहराने के लिए कहा गया है, जिनकी संख्या 1,340 तक पहुंच गई है, क्योंकि सरकार द्वारा हासन, मांड्या और चामराजनगर में विश्वविद्यालय स्थापित करने के साथ ही इसका अधिकार क्षेत्र केवल मैसूरु जिले तक सीमित है। यहां शुक्रवार को अकादमिक परिषद की बैठक में रजिस्ट्रार वी.आर. शैलजा ने एमएलसी सी.एन. मंजे गौड़ा को जवाब देते हुए कहा कि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति ने विश्वविद्यालय को अपने गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या सीमित करने के लिए कहा है। तदनुसार कदम उठाए जाएंगे। अनुबंध के आधार पर लिए गए गैर-शिक्षण कर्मचारियों का मामला तब चर्चा में आया जब गौड़ा ने जानना चाहा कि विश्वविद्यालय में इतने सारे गैर-शिक्षण कर्मचारी क्यों हैं। उन्होंने कहा मुझे कुछ विभागों में छात्रों की तुलना में अधिक कर्मचारी मिले हैं। यदि राजस्व का बड़ा हिस्सा वेतन भुगतान में चला जाता है, तो विश्वविद्यालय राजस्व घाटे को कैसे दूर कर सकता है। अधिकारियों ने बताया कि गैर-शिक्षण कर्मचारियों को 2010 से 2020 के बीच विभिन्न विभागों में आवश्यकताओं के आधार पर नियुक्त किया गया था। हालांकि, महामारी के बाद से गैर-शिक्षण कर्मचारियों (अनुबंध के आधार पर) की कोई नियुक्ति नहीं की गई है। गैर-शिक्षण कर्मचारियों को वेतन देने पर 2.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो सालाना 25 करोड़ रुपये के बराबर है। कुलपति एन.के. लोकनाथ ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या कम करने का कोई भी निर्णय एकतरफा नहीं लिया जा सकता क्योंकि विश्वविद्यालय के निकायों को इस कदम को मंजूरी देनी होगी। समिति ने हमें संख्या सीमित करने के लिए कहा है और विश्वविद्यालय इस पर विचार करेगा। इस पर गौड़ा ने कहा कि उम्मीद है कि कम से कम अगली बजट बैठक तक इसका समाधान निकाल लिया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि लगभग 70 प्रतिशत रिक्तियों के बावजूद पिछले 18 वर्षों से शिक्षण पदों पर नियुक्तियाँ नहीं की गई हैं।

उपमुख्यमंत्री पद की मांग में कुछ भी गलत नहीं: कर्नाटक मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री पद की मांग में कुछ भी गलत नहीं है। यहां पत्रकारों से वार्ता में मंत्री राजन्ना ने कहा अगर कोई राज्य में उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर रहा है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अंतिम निर्णय हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। अगर हम मांग नहीं करेंगे तो हाईकमान इस पर कैसे ध्यान देगा? उनका निर्णय हम सभी के लिए बाध्यकारी होगा। मंत्री राजन्ना ने चंद्रशेखर स्वामीजी द्वारा उन्हें संत बनने के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा स्वामीजी ने अच्छी सलाह दी है और मैं इस पर विचार करूंगा। मैं उन्हें आगे आकर मुझे 10 एकड़ जमीन देने के लिए बधाई देता हूं। चंद्रशेखर स्वामीजी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुख्यमंत्री पद छोड़ने और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने देने के लिए कहा था। मंत्री राजन्ना ने यह भी कहा है कि वह कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए तैयार हैं, जिस पर वर्तमान में उपमुख्यमंत्री शिवकुमार काबिज हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी कहा है कि सिद्धरामैया लंबे समय तक मुख्यमंत्री के पद पर नहीं टिक सकते। विजयेंद्र ने कहा उपमुख्यमंत्री को कमजोर करने के लिए उपमुख्यमंत्री के और पद सृजित करने का मुद्दा सामने लाया गया। अब सिद्धरामैया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

इंदौर में 30 मुस्लिमों ने स्वेच्छा से हिंदू धर्म में की घर वापसी

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में 30 लोगों ने इस्लाम छोड़ सनातन में घर वापसी कर ली। इन्होने इसी के साथ अपने इस्लामी नाम छोड़ कर हिंदू नाम अपना लिए हैं। इनकी हिंदू धर्म में घर वापसी के लिए विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इन सभी ने कानूनी रूप से भी धर्म छोड़ने का आवेदन दे दिया है।

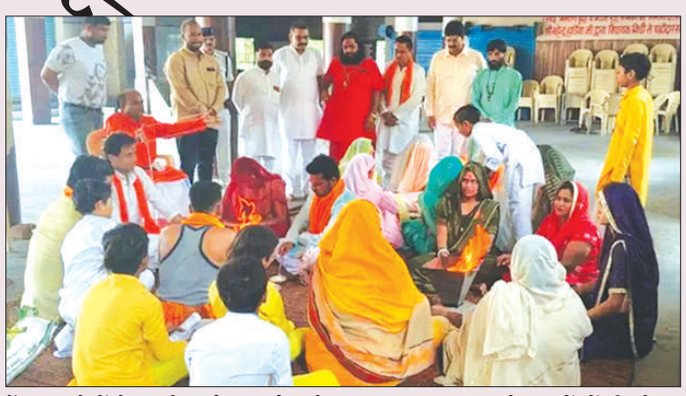

घर वापसी के अनुष्ठान का यह आयोजन इंदौर के खजराना मंदिर में किया गया। यहां यज्ञ भी किया गया। इसमें हिंदू धर्म में प्रवेश करने वाले सभी लोग शामिल हुए। इससे पहले इन्हें गंगाजल-गोमूत्र समेत देश की 10 विभिन्न नदियों से जल से स्नान भी करवाया गया। हिंदू धर्म में घर वापसी करने वालों में कई महिलाएं भी शामिल हैं। इन लोगों ने अपने धर्म परिवर्तन को कानूनी रूप देने के लिए भी इंदौर के कलेक्टर को आवेदन दिया है। इससे आगे पहचान पत्रों में भी इनकी पहचान बदली जा सकेगी। हिंदू धर्म में घर वापसी करने वालों ने नाम भी बदले हैं।

घर वापसी करने वालों में निलोफर शेख से निकिता, अख्शा शेख से आकांक्षा, रज्जाक से रोहित, अबरार से अभिषेक, मुबारिक से मनीष और रुकैय्या से रुकमनी समेत सभी लोगों ने अपने नाम बदले हैं। इनकी घर वापसी विश्व हिंदू परिषद के नेताओं की संरक्षा में हुई है।

इन्होंने कहा है कि सनातन से श्रेष्ठ कुछ नहीं है। विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत प्रमुख संतोष शर्मा ने कहा, यह सभी लोग स्वेच्छा से हिंदू धर्म में घर वापसी कर रहे हैं। इन लोगों ने हमसे कुछ समय पहले हिंदू धर्म में शामिल होने के लिए सम्पर्क साधा था। इसके बाद इनके लिए इंतजाम करवाए गए। संतोष शर्मा ने बताया कि वह पहले भी हिंदू धर्म में प्रवेश लेने वालों की सहायता करते आए हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी उनके सम्पर्क में काफी ऐसे लोग हैं जो हिंदू धर्म में शामिल होना चाहते हैं, उनकी भी घर वापसी जल्द ही करवाई जाएगी।

इससे पहले अप्रैल माह में भी खजराना मंदिर में 8 मुस्लिमों ने हिंदू धर्म में घर वापसी की थी। घर वापसी करने वाले 8 लोगों में 3 महिलाएं भी शामिल थीं। हिंदू धर्म में घर वापसी करने वाले लोगों ने अपने नाम भी बदले थे। इन आठ लोगों में हैदर शेख भी शामिल थे। उन्होंने हरि नारायण नाम अपनाया था। इसके बाद उन्हें फ़ोन पर लगातार धमकियां मिल रहीं थी। कुछ बदमाशों ने हरि नारायण के घर पर हमला भी कर दिया था। उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। हरि नारायण ने इस मामले में थाने में शिकायत दी थी। इस शिकायत में हरि नारायण ने कहा था कि धर्म परिवर्तन करने की वजह से मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने उनको धमकी दी गई और उनके घर पर पत्थर से हमला किया गया।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिली

रांची, 28 जून (एजेंसियां)।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची जेल से रिहा हो गए हैं। भूमि घोटाला मामले में जमानत मिलने के बाद हेमंत जेल से रिहा हुए। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उच्च न्यायालय ने भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद शुक्रवार शाम हेमंत रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से रिहा हो गए। कोर्ट ने सोरेन की जमानत याचिका पर अपना फैसला 13 जून को सुरक्षित रख लिया था।

इससे पहले सोरेन के वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने बताया कि सोरेन को जमानत दे दी गई है। जमानत देते हुए अपने आदेश में अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया, वह दोषी नहीं हैं और जमानत पर रिहा किए जाने दौरान याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई आशंका नहीं है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। सोरेन (48) वर्तमान में बिरसा मुंडा जेल में हैं। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के वकील एस वी राजू ने दलील दी कि अगर सोरेन को जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह इसी तरह का अपराध फिर करेंगे।

सोरेन के खिलाफ जांच रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है। ईडी का आरोप है कि इसे अवैध रूप से कब्जे में लिया गया था। एजेंसी ने सोरेन, प्रसाद और सोरेन के कथित फ्रंटमैन रामकुमार पाहन और हिलारियस कच्छप तथा पूर्व मुख्यमंत्री के कथित सहयोगी विनोद सिंह के खिलाफ 30 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दायर किया था। सोरेन ने रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट

शराब के कारण भारत में हो रही चीन से दोगुनी मौतें

दुनिया में हर वर्ष 26 लाख जानें ले रही शराब

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

शराब हर साल 26 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बन रही है। दुनियाभर में करीब 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं। यह दुनिया की कुल मौतों का 4.7 फीसदी है। यानी हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेदार है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन अल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार यदि ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी इसमें जोड़ दें तो यह संख्या 30 लाख से ज्यादा है। भारत में हालात और बुरे हैं। यहां एक लाख मौतों में शराब से 38.5 फीसदी मौतें हो रही हैं। यह संख्या चीन से दोगुनी से भी अधिक है। चीन में प्रति एक लाख मौतों में शराब से मरने वालों की संख्या 16.1 फीसदी है। शराब के अत्यधिक सेवन से कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। इनमें लीवर से जुड़ी बीमारियों से लेकर कैंसर तक शामिल है। रिपोर्ट में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि 2019 में शराब की वजह से होने वाली 26 लाख मौतों में से 16 लाख मौतें गैर-संचारी रोगों जैसे कैंसर से 4,01000 और दिल की बीमारियों से 4,74,000 मौतें हुईं। इनके अलावा 7,24,000 मौतों के लिए दुर्घटनाएं तथा तीन लाख मौतों की वजह संक्रामक बीमारियां रहीं।

शराब और नशीली दवाओं का सबसे ज्यादा शिकार 20 से 39 साल के युवा बन रहे हैं। शराब के 13 फीसदी शिकार इसी आयु वर्ग के लोग थे। स्वास्थ्य संगठन ने इस बात की भी पुष्टि की है कि 2019 में यूरोप और अफ्रीकी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं। यूरोप में प्रति लाख लोगों पर शराब की वजह से होने वाली मौतों की संख्या 52.9 थी तथा अफ्रीका में 52.2 रही। यदि यूरोप को छोड़ दिया जाए तो कमजोर देशों में शराब के सेवन से जुड़ी मृत्यु दर सबसे अधिक है। जबकि उच्च आय वाले देशों में यह दर सबसे कम रही।

भारत में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 31.2 फीसदी लोग शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फीसदी वह लोग भी हैं जो इसकी लत का बुरी तरह शिकार हैं और आए दिन बड़ी मात्रा में शराब पीते हैं, जबकि 12.3 फीसदी वह हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। भारत में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के करीब 41 फीसदी पुरुष शराब पीते हैं, जबकि महिलाओं में संख्या 20.8 फीसदी है। सेहत संबंधी इन चिंताओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ने अपनी नई रिपोर्ट में शराब और नशीली दवाओं की खपत को कम करने और इन मादक पदार्थों के सेवन से उपजे विकारों के लिए उपचार मुहैया कराने पर बल दिया है। शीर्ष स्वास्थ्य एजेंसी का कहना है कि कई देशों ने शराब की मार्केटिंग पर कुछ हद तक पाबंदियां लागू की है मगर वे काफी कमजोर हैं। दुनिया के अधिकांश देशों में इंटरनेट या सोशल मीडिया के लिए कोई नियम नहीं है।

बम-बम भोले के नारों के साथ अमरनाथ यात्रा शुरू, जम्मू से पहला जत्था रवाना

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 28 जून।

बम-बम भोले के नारों के बीच वार्षिक अमरनाथ यात्रा की आज शुरूआत हो गई। जम्मू बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था शुक्रवार तड़के रवाना कर दिया गया। जम्मू से उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। पहले जत्थे में 231 वाहनों में 4603 यात्रियों को बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया है, वहीं सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। जब कल बाबा की पवित्र गुफा के दर्शनों के लिए यात्रियों को बेस कैंपों से रवाना किया जाएगा। यात्रा में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं।

अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जम्मू सेक्टर के सीआरपीएफ आईजी ने बताया कि सभी तरह की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हम नई तकनीक और गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही, पिछले साल की तुलना में इस बार इस काम में लोगों को भी बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा की सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद प्रबंध किए गए हैं और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। कठुआ जिले में लखनपुर आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों की कड़ी जांच के अलावा शहर के कई अन्य हिस्सों में भी गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इस वर्ष चिकित्सकीय सुविधा पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, क्योंकि पिछले वर्ष स्वास्थ्य कारणों से 100 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण या चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के बगैर किसी को भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि तीर्थयात्रियों का आगे बढ़ना मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा। अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख तीर्थयात्री अब तक पंजीकरण करा चुके हैं। करंट पंजीकरण भी चालू कर दिया गया है। मौसम के अनिश्चित हालात के बावजूद हर आयुवर्ग के तीर्थयात्रियों में काफी उत्साह है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना होने के वक्त श्रद्धालुओं ने कहा कि वे काफी खुश हैं। उन्हें किसी बात का कोई डर नहीं है। सभी सुरक्षा व्यवस्था बेहतर है। हर साल सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जाती है। मोहाली की रूपा गांगुली ने कहा कि मैं पहली बार इस तीर्थयात्रा पर जा रही हूं। मैं बहुत रोमांचित हूं। हमने सुना है कि गुफा और गुफा मार्ग अभी भी बर्फ से ढके हैं। यह बहुत ही रोचक होगा। गुजरात के जतिंदर सोलंकी ने कहा कि मैं पांचवी बार इस तीर्थयात्रा के लिए आया हूं। श्रद्धा और कश्मीर घाटी में शांति के कारण प्रत्येक वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तीर्थयात्रा 19 अगस्त तक जारी रहेगी।

समुद्र के सतह से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा के लिए दो मार्ग हैं। एक मार्ग श्रीनगर से लगभग 100 किलोमीटर दूर पहलगाम से है, और दूसरा श्रीनगर से 110 किलोमीटर दूर बालटाल से है। पहलगाम से गुफा का मार्ग पारम्परिक है और यह 45 किलोमीटर लम्बा है, लेकिन इन दिनों तीर्थयात्री बालटाल से जाने वाले मार्ग को वरीयता देते हैं, क्योंकि यह काफी छोटा है।

अमरनाथ गुफा में पवित्र बर्फ का हिमलिंग मौजूद होता है, जो स्वाभाविक रूप से निर्मित होता है। तीर्थयात्रियों के लिए यह मुख्य आकर्षण होता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ ने अपनी 350 टुकड़ियां तैनात की हैं। इनमें 52 टुकड़ियां जम्मू क्षेत्र में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा संभालेंगी जबकि बाकी टुकड़ियां घाटी में यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात की गई हैं। कुल मिला कर बीएसएफ, कश्मीर पुलिस, सेना और केरिपुब के दो लाख जवानों को तैनात किया गया है।

महाभारत का दुर्योधन अब भी सरकार को देता है जमीन का टैक्स

केरल के गांव में दुर्लभ दुर्योधन मंदिर भूमि दुर्योधन के नाम पर

कोल्लम, 28 जून (एजेंसियां)।

केरल के कोल्लम जिले के एक गांव में महाभारत के खलनायक दुर्योधन का अनोखा मंदिर है। स्थानीय लोग दुर्योधन को अपना रक्षक मानकर पूजा करते हैं और उसे प्यार से दादा कहकर बुलाते हैं। इतना ही नहीं, इस मंदिर द्वारा दुर्योधन के नाम से भारत सरकार को टैक्स भी दिया जाता है।

माना जाता है कि दुर्योधन को समर्पित यह भारत का एकमात्र मंदिर है।

यह मंदिर कोल्लम जिले के पोरुवाझी गांव में स्थित है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, इस मंदिर की जमीन के लिए दुर्योधन के नाम से टैक्स भी भरा जाता है। यह टैक्स मंदिर की आय पर नहीं लगाया जाता है, क्योंकि देश में मंदिर की आय पर कर नहीं लगता है। यह कर मंदिर के नाम पर गांव और उसके आसपास स्थित 15 एकड़ जमीन पर लगाया जाता है। एक स्थानीय अधिकारी के मुताबिक, जब मंदिर

के लिए पट्टयम जारी किया गया तो यह जमीन मंदिर के देवता के नाम पर पंजीकृत थी। सर्वे में जमीन का स्वामित्व दुर्योधन के नाम पर है। जब से केरल में करों की शुरुआत हुई, तब से इस मंदिर की जमीनों का कर दुर्योधन के नाम पर चुकाया जाता है। मंदिर समिति के सचिव के अनुसार, 15 एकड़ जमीन में 8 एकड़ धान का खेत है, बाकी वन भूमि है।

स्थानीय लोगों की मान्यता है कि अपनी यात्रा के दौरान दुर्योधन इस गांव में रुका था। उसे प्यास लगी थी, लेकिन पानी नहीं मिल रहा था। उसी दौरान एक दलित महिला ने उन्हें ताड़ी (देशी मद्य) पिलाई। दुर्योधन ने खुशी-खुशी ताड़ी पी ली। इसके बाद दुर्योधन ने महिला और उसके गाँव को आशीर्वाद दिया। साथ ही दुर्योधन ने गांव वालों को जमीनें भी दान में दी। दुर्योधन के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए ग्रामीणों ने उनका मंदिर बनवा दिया। दुर्योधन के इस मंदिर का नाम पेरिविरुथी मलानाडा है। इस मंदिर की खास बात ये है कि यहां दुर्योधन की मूर्ति नहीं है, बल्कि उसके शस्त्र गदा की पूजा की जाती है। साथ ही यहां ताड़ी एवं अन्य नशीले पदार्थों का भोग लगता है। प्रसाद के रूप में ताड़ी बांटा जाता है। लोगों का कहना है कि इससे देवता प्रसन्न रहते हैं।

कोल्लम और आसपास के लोग दुर्योधन को सौम्य एवं दयालु देवता मानते हैं। उनका मानना है कि दुर्योधन आज भी उनकी रक्षा करता है। इसलिए गाँव के लोग उसे अप्पूपा (दादा) कहकर बुलाते हैं। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, मंदिर और उसके आसपास की जमीन दुर्योधन की है। वहीं, दुर्योधन हर साल भारत सरकार को टैक्स चुकाता है।

तबादले को लेकर बिजली अभियंताओं में बढ़ा आक्रोश

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)।

पावर कॉरपोरेशन द्वारा 300 से ज्यादा अभियंताओं के तबादले पर पावर ऑफिसर एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है। दलित अभियंताओं के साथ भेदभाव का भी आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और सरकार की स्थानांतरण नीति का पालन कराने की मांग की है।

पावर ऑफिसर एसोसिएशन की शुक्रवार को फील्ड हॉस्टल में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के तहत स्थानांतरण होता है। अभी भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी दो सदस्यीय कमेटी स्थानांतरण विचलन पर अनुमोदन देती है, तब स्थानांतरण होता है। लेकिन इस बार इसका खुला उल्लंघन हुआ है। एसोसिएशन ने सभी स्थानांतरण की समीक्षा की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि खास तौर पर दलित वर्ग के अभियंताओं के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया।

बालू का बेहतर विकल्प होगा एम सैंड, शीघ्र घोषित होगी नीति

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदी रेत और मोरम के स्थान पर एम-सैंड (मैन्युफैक्चर्ड सैंड) को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार अतिशीघ्र एम-सैंड नीति लागू करने जा रही है, जिससे प्राकृतिक रेत/मोरम के एक नए विकल्प की उप-लब्धता होगी।

शुक्रवार को खनन विभाग के साथ प्रस्तावित नीति पर विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि पर्यावरण एवं नदियों के इकोसिस्टम को बिना नुकसान पहुंचाए सस्टेनेबल विकास को गति दिया जाए।

इस दृष्टि से एम-सैंड एक बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि नदी तल से प्राप्त होने वाली बालू की सीमित मात्रा और इसकी बढ़ती मांग के दृष्टिगत एम-सैण्ड को नदी तल से प्राप्त होने वाली बालू के विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे रोजगार के भी नए अवसर सृजित होंगे।

नई नीति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एम-सैंड के गुणवत्ता मानकों को बनाये रखना अत्यन्त महत्व-पूर्ण है क्योंकि इसमें जीवन और सम्पत्ति

की सुरक्षा शामिल है। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी एम-सैंड निर्माता अपने उत्पाद के लिये बीआईएस प्रमाणीकरण अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि नोडल विभाग के रूप में खनन विभाग एम-सैंड के शीघ्र उत्पादन हेतु राज्य/जिला स्तर पर अनुज्ञप्तिधारकों और हितधारकों से समन्वय स्थापित कराये। आम जनता को एम-सैंड सुविधाजनक रूप से उपलब्ध हो सके तथा एम-सैंड की कीमत प्राकृतिक मोरम/बालू के सापेक्ष कम हो। इसके लिए प्रयास किया जाना चाहिए। इससे जुड़ी इकाइयों में पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से अनुप-लन कराया जाना चाहिए।

खनन पट्टा धारकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री ने ई-अभिवहन प्रपत्र (ईएमएम-11) जारी करने की व्यवस्था को और सरल बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रपत्र जारी करने की प्रक्रिया जनपद स्तर से ही होनी चाहिए। इसके लिए एक समय सीमा तय होनी चाहिए। निदेशालय से इसकी मॉनीटरिंग की जाए। वर्तमान में खनिज परिवहन से जुड़े वाहनों की ओवरलोडिंग को सफलतापूर्वक रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने जनपदों में टास्क फोर्स को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग रोकने के लिए सबसे बेहतर है जीरो पॉइंट, पर कार्रवाई की जाए। यानी खनन स्थल पर जहां से बालू, मौरम, गिट्टी आदि उपखनिज वाहन में लोड किया जाता हो, कार्रवाई वहीं होनी चाहिए।

जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, परिवहन और खनन विभाग के स्थानीय अधिकारियों की सम्मिलित टीम एक टास्क फोर्स के रूप में प्रभावी कार्रवाई करे। साथ ही, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बालू/मोरम के परिवहन की जांच करते समय व्यवहारिकता के साथ कार्य किया जाए। अनावश्यक रूप से आम जन का उत्पीड़न न हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उपखनिजों के परिवहन करने वाले वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग के लिए व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जाये। यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहन पर ई-अभिवहन प्रपत्र तब ही निर्गत हो जब वह वाहन खनन क्षेत्र के जियो फेंस एरिया में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईंट भट्ठे लगाए जाने के लिए उर्वर भूमि के स्थान पर बंजर भूमि का ही उपयोग किया जाना चाहिए। इसके लिए इस क्षेत्र के उद्यमियों से संवाद करें। उन्हें उर्वर भूमि का उपयोग न करने के लिए जागरूक करें।

बरसात के मौसम में बालू/मोरम की कीमतों को नियंत्रित रखने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने इनके भंडारण व्यवस्था की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2023-24 में जहां 533 भंडारण स्थल थे वहीं इस सत्र में 645 भंडारण स्थल हैं। पिछले वर्ष के सापेक्ष भंडारण की मात्रा में भी वृद्धि हुई है।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वर्ष 2022-23 में 44,547 प्रवर्तन की कार्रवाई की गई थी, जबकि वर्ष 2023-24 में 57,539 कार्रवाई हुई। वहीं चालू वित्तीय वर्ष के मई माह तक 9451 मामलों में प्रवर्तन की कार्रवाई हो चुकी है। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगा है और राजस्व में वृद्धि भी हुई है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी को लिखा पत्र

नौकरियों में ओबीसी का रखा जाए विशेष ख्याल

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। यूपी में ओबीसी समाज की नियुक्ति को लेकर एनडीए में ही सवाल उठने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि ओबीसी अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की साक्षात्कार वाली नियुक्तियों में ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को यह कहकर छांट दिया जाता है कि वह योग्य नहीं हैं और बाद में इन पदों को अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि आप भी सहमत होंगे कि अन्य पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति से आने वाले अभ्यर्थी भी इन परीक्षाओं में न्यूनतम अर्हता की परीक्षा अपनी योग्यता के आधार पर ही पास करते हैं और अपनी योग्यता के आधार पर ही इन साक्षात्कार आधारित परीक्षाओं के लिए अर्ह पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया भले ही कई बार में पूरी हो लेकिन हर हाल में सीटें उन्हीं वर्गों से भरी जाएं जिनके लिए आरक्षित की गई हों न कि योग्य नहीं होने की बात कहकर सीटों को अनारक्षित कर दिया जाए। यह पहली बार है जब अनुप्रिया पटेल ने राज्य की भाजपा सरकार पर इस तरह के सवाल उठाए हैं। वह 2014 से ही केंद्र में मोदी सरकार की सहयोगी रही हैं। वहीं, राज्य में भी एनडीए में शामिल हैं।

यूपी में 'यस-टेक प्रक्रिया' को लागू कर किसानों को लाभ पहुंचाएगी सरकार

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। फूड बास्केट ऑफ इंडिया के तौर पर देश-दुनिया में उत्तर प्रदेश की पहचान को प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने अब प्रदेश के किसानों की फसलों की सुरक्षा को लेकर एक नया कदम उठाने जा रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अब प्रदेश में यील्ड एस्टिमेशन सिस्टम बेस्ड ऑन टेक्नोलॉजी (यस-टेक) को लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है।

इस प्रक्रिया के साथ ही रीस्ट्रक्चर्ड वेदर बेस्ड क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम (आरडब्ल्यूबीसीआईएस) के अंतर्गत फसलों की मॉनिटरिंग व रखरखाव की प्रक्रिया को दुरुस्त करने की दिशा में भी योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की फसलों को मौसमी आपदाओं से बचाने, किसानों को फसलों का बीमा उपलब्ध कराने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर फसलों के निरीक्षण की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने के लिए योगी सरकार द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। अब इसी कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए कृषि विभाग ने प्रदेश में यस टेक को लागू करने के लिए टेक्नोलॉजी इंप्लिमेंटेशन पार्टनर (टीआईपी) की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कृषि विभाग ने प्रदेश के 75 जिलों में रबी व खरीफ सीजन की फसलों से संबंधित आंकड़ों के संकलन को लेकर इस प्रक्रिया की शुरुआत की है। यस-टेक प्रक्रिया के जरिए आरडब्ल्यूबीसीआईएस को लागू करने में मुख्यतः गेहूं व धान की फसलों पर फिलहाल फोकस किया जा रहा। इस दौरान वर्ष 2023-24, 2024-25 व वर्ष 2025-26 के आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। इन आंकड़ों को यस टेक मैनुअल-2023 के आधार पर संकलित किया जाएगा। मॉड्यूल के विकास के बाद अन्य बीमित फसलों को भी इससे जोड़ा जा सकता है। प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 5 सीजन के एसेसमेंट पीरियड के हिसाब से रिपोर्ट को तैयार किया जाएगा जिसमें मिड सीजन रिपोर्ट (एमएसआर) व एंड सीजन रिपोर्ट (ईएसआर) का भी संकलन किया जाएगा। इन सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए टीआईपी द्वारा मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉड्यूल को कार्य में लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ सभी किसानों को मिले इस उद्देश्य से सीएम योगी की मंशा अनुरूप क्रियान्वित की गई योजना के अनुसार सभी जिलों में फसलों को ग्राम पंचायत स्तर पर बीमित करने और किसानों को बीमा कवर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं, पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के जरिए भी किसानों को लाभान्वित किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया में बीमित खरीफ फसल के तौर पर केला, मिर्च व पान तथा रबी फसल के तौर पर टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मटर व आम को वरीयता दी गई है। केले के लिए 30 जून, मिर्च के लिए 31 जुलाई, पान के लिए 30 जून, टमाटर के लिए 30 नवम्बर, शिमला मिर्च के लिए 30 नवम्बर, हरी मटर के लिए 30 नवम्बर तथा आम के लिए फसलवार बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर निर्धारित की गई है।

फिल्म सिटी से 50 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

5-7 लाख लोगों को परोक्ष रूप से होगा लाभ

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण 6 माह के अंदर शुरू हो जाएगा और तीन साल के अंदर यहां फिल्मों की शूटिंग और इससे संबंधित कार्य शुरू हो जाएंगे। यही नहीं,फिल्म सिटी के निर्माण से प्रदेश और आसपास के राज्यों के 50 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, वहीं 5 से 7 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। यही नहीं, स्किल्ड के साथ-साथ यहां अनस्किल्ड लोगों के लिए भी संभावनाएं होंगी। इसके अलावा, प्रदेश के जो लोग मुंबई, हैदराबाद व चेन्नई जैसे राज्यों में फिल्मों में अवसर तलाश रहे हैं, उन्हें यहां अवसर मिल सकेंगे, जबकि फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना से फिल्मों में अपना करियर बनाने का सपना देख रहे युवाओं का यह सपना साकार हो सकेगा।

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के साथ ही यीडा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण मुख्यमंत्री जी का सपना था, जो अब धरातल पर उतरने जा रहा है। इस फिल्म सिटी का निर्माण कार्य 4 से 6 माह के अंदर शुरू हो जाएगा और 3

साल में यहां फिल्म से जुड़ी जितनी भी गतिविधियां होती हैं वो भी शुरू हो जाएंगी। फिल्म सिटी की शुरुआत से यहां प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। जो लोग मुंबई जाकर फिल्मों में काम करने का सपना देखते हैं, उन्हें अब यहीं अवसर मिलेगा। बहुत से लोग हैं जिनमें प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन वो बड़े शहरों के खर्च अफोर्ड नहीं कर सकते हैं। उन्हें भी यहां अवसर मिल सकेगा। कलाकार, टेक्नीशियन, मिक्सर, कैमरामैन, स्टोरी राइटर समेत ऐसी बहुत सारी प्रतिभाएं जो प्लेटफॉर्म न मिल पाने के कारण प्रदेश के अंदर ही दम तोड़ देती हैं, उनको यह फिल्म सिटी एक प्लेटफार्म प्रदान करेगी।

उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिटी बिल्कुल अलग होगी। अभी देश भर में जितनी भी फिल्म सिटी हैं, उनमें जो भी कमियां हैं, उन्हें इस फिल्म सिटी में दूर करने का प्रयास किया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इनमें ट्रैवल टाइम कम होगा, क्योंकि बाकी फिल्म सिटी में ट्रैवलिंग में बहुत टाइम लगता है, चाहे वो मुंबई हो या हैदराबाद। यहां पर एयरपोर्ट है, जो फिल्म सिटी से बिल्कुल सटा हुआ है।

इसलिए यहां मूवमेंट करना बहुत आसान है और टाइम की भी बचत होती है। इसके अलावा यहां एकमोडेशन की भी व्यवस्था रहेगी। साथ ही शूटिंग के जो आउटडोर लोकेशन होते हैं वो भी यहां स्थापित किए जाएंगे। यहां फिल्म इंस्टीट्यूट भी बनेंगे, जहां ट्रेनिंग लेकर युवा फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर तलाश सकेंगे। उन्होंने बताया कि फिल्म सिटी में एक कंप्लीट इकोसिस्टम होगा। यहां पर हिमाचल भी होगा, कुल्लू मनाली भी होगा, कश्मीर भी होगा, रोड, एयरपोर्ट और हेलीपैड भी होगा। शूटिंग के लिए मंदिर भी होगा, मस्जिद और गिरजाघर भी होगा। रहने के लिए विला होंगे, शूटिंग के लिए बैकलॉट्स होंगे,फिल्म इंस्टीट्यूट्स होंगे, जिसमें बच्चे पढ़कर के अभिनय सीखकर के काम कर सकेंगे। साउंड मिक्सिंग और वीएफएक्स जैसी तकनीक का भी उपयोग होगा।

मुंबई की फिल्म सिटी से तुलना पर उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के पास वर्ल्ड क्लास का इंफ्रास्ट्रक्चर है। यहां पर रैपिड रेल है, मेट्रो है, इंडियन रेल भी यहां पर आ रही है, ट्रांजिट रेल भी आ रही है। साथ ही यहां पर होटल्स, विला जैसी सुविधाएं हैं। यहां पर न ट्रैवल टाइम है, न रहने की समस्या है। यहां पर मिक्सिंग भी रहेगा, ओटीटी प्लेटफॉर्म भी रहेगा, स्टूडियो भी रहेंगे। फिल्म सिटी के इम्पैक्ट को लेकर उन्होंने बताया कि इसका पूरे प्रदेश की इकॉनमी पर मल्टीप्लायर इफेक्ट पड़ेगा। जब फिल्म सिटी पूरी तरह से तैयार हो जाएगी तो लगभग 50 हजार लोगों को इसके माध्यम से रोजगार मिल सकेगा। 5 से 7 लाख लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। यह फैसिलिटी बनने से प्रदेश के नौजवानों और बेरोजगारों को काम मिलेगा। इसमें अनस्किल्ड लोग भी होंगे, क्योंकि ये लेबर इंटेंसिव इंडस्ट्री है। बलिया से लेकर बिजनौर तक और बिहार, मध्य प्रदेश और हरियाणा तक लोगों पर इसका असर होगा। जैसे, जेवर एयरपोर्ट का मल्टीप्लायर इफेक्ट है, वैसे ही फिल्म सिटी का भी बड़ा इफेक्ट पड़ेगा। यहां पर इसके जरिए जीडीपी में डेढ़ से दो परसेंट असर आएगा।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी पूरी तरह सुरक्षित होगी। यहां आने में लॉ एंड ऑर्डर जैसी कोई समस्या नहीं आएगी। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह सुधर गया है। यीडा क्षेत्र में भी आप कभी भी कहीं भी जा सकते हैं। कोई भी यहां रात को ट्रैवल कर सकता है। यह पूरा क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है। जो कानून व्यवस्था की कल्पना मुंबई के लिए की जाती है, वैसी ही बेहतर कानून व्यवस्था आज उत्तर प्रदेश की है। यहां साइबर क्राइम से निपटने के लिए, टेक्नोलॉजी से ड्रिवेन इन्वेस्टीगेशन, इंटीग्रेटेड सर्विलांस सिस्टम, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी तमाम चीजें नोएडा में आ चुकी हैं। ये सब चीजें बताती हैं कि कानून व्यवस्था की यहां कोई समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि ये पूरी तरह अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी होगी, जहां भारत के साथ-साथ विदेशी फिल्मों की शूटिंग भी होगी। यहां जो फैसिलिटी उपलब्ध कराई जाएंगी, वो विदेशों की तुलना में यहां आधे से भी कम कीमत में मिल सकेंगी।

सीएम योगी ने परियोजना को तेजी से पूरा करने के दिए निर्देश

दो हजार करोड़ से यूपी में स्थापित होगा बायो प्लास्टिक पार्क

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। बायो प्लास्टिक के निर्माण के जरिए पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में जुटी योगी सरकार प्रदेश में दो हजार करोड़ से बायो प्लास्टिक पार्क की स्थापना करने जा रही है।

प्रदेश के लखीमपुर खीरी जनपद के गोला गोकर्णनाथ तहसील के कुम्भी गांव में 1000 हेक्टेयर में स्थापित होने वाले इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिये हैं।

इस पार्क को बलरामपुर चीनी मिल फर्म द्वारा बनाया जाएगा, जिससे यहां ने केवल बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा बल्कि बायो प्लास्टिक पार्क बनने से क्षेत्र में कई अन्य सहायक उद्योग भी स्थापित हो सकेंगे। पार्क के विकास के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को नोडल बनाया जाएगा।

बायो प्लास्टिक एक प्रकार का प्ला-स्टिक होता है जो प्राकृतिक सामग्रियों, जैसे

कि मक्का, सूरजमुखी या शक्कर के कणों से बनाया जाता है। इसे प्राकृतिक प्लास्टिक भी कहा जाता है।

यह तेजी से विघटित हो जाता है, जिससे इसका पर्यावरण में प्रदूषण प्रभाव कम होता है। इसका उपयोग न केवल पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देता है, बल्कि इसका उपयोग अलग-अलग उद्योगों में भी किया जा सकता है, जैसे कि पैकेजिंग, रेडिमेड वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक उत्पाद।

इसके विकास और उपयोग से प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे को कम करने में मदद मिलती है और पर्यावरणीय स्थिति में सुधार करने में यह बहुत ही ज्यादा सहायक साबित हो सकता है।

बायो प्लास्टिक पार्क के विकास से नए वैज्ञानिक व तकनीकी क्षेत्र में नौकरी के अवसर भी उत्पन्न होंगे ही साथ ही ये पार्क वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा, जहां वे नवीनतम प्रौद्योगिकियों और अनुसंधानों के माध्यम से प्लास्टिक निर्माण की क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं। इस पार्क में प्ला-स्टिक से जुड़ी विभिन्न प्रौद्योगिकियों का विकास और अध्ययन भी किया जाएगा। पार्क में वैज्ञानिक अनुसंधान होंगे, जिससे प्लास्टिक के प्रभावी उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए नवीनतम तकनीकी उत्पाद विकसित किए जा सकेंगे।

इसके जरिए प्लास्टिक से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान निकाला जा सकेगा। साथ ही प्लास्टिक के प्रदूषण को कम करने और प्रदूषित प्ला-स्टिक के पुनर्चक्रण के लिए नवीनतम तकनीक का अध्ययन किया जाएगा।

रिश्वत लेते पकड़ा गया बाबू निलंबित

हाथरस, 28 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) आगरा द्वारा 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किए बेसिक शिक्षा विभाग के बाबू देवेंद्र सिंह को 28 जून में जेडी माध्यमिक शिक्षा परिषद अलीगढ़ ने निलंबित कर दिया। दूसरी ओर बाबू के पकड़े जाने के बाद बीएसए कार्यालय के कर्मचारियों में खलबली मची रही और सन्नाटा पसरा रहा। विजिलेंस की कार्रवाई को लेकर हर कोई चर्चा करता नजर आया।

बता दें कि माध्यमिक शिक्षा परिषद के शहर के रमनपुर स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में देवेंद्र सिंह लिपिक पद पर तैनात हैं। कुछ समय से वह अटैचमेंट पर बीएसए कार्यालय में काम कर रहे थे। एक शिक्षक द्वारा लिपिक देवेंद्र सिंह पर 30 हजार रुपये की घूस मांगे जाने की शिकायत उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) आगरा से शिकायत की गई थी।

संपादकीय

गेहूं जमाखोरी पर नियंत्रण

एक खबर आई थी कि सरकारी गोदामों में गेहूं का भंडारण कम हो गया है। संभव है कि गेहूं का आयात करना पड़े! दूसरी तरफ, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के डाटा पर यकीन करें, तो उसका कहना है कि किसानों ने 112.93 मिलियन टन गेहूं का उत्पादन किया है। फसल की यह सबसे अधिक पैदावार है। बीते साल भी गेहूं 110.55 एमटी पैदा किया गया था। यानी उस उत्पादन को भी पार करके इस बार रिकॉर्ड गेहूं की फसल हुई है। यह अजीब विरोधाभास है। यदि गेहूं का उत्पादन सबसे अधिक हुआ है, तो सरकारी गोदामों में भंडारण कम क्यों है? क्या सरकार ने कम गेहूं खरीदा है? भारत सरकार ने गेहूं के भंडारण की अधिकतम सीमा क्यों तय की है? क्या इससे जमाखोरी पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा? अथवा कीमतों में स्थिरता आएगी? या खाद्य सुरक्षा के सकल प्रबंधन के मद्देनजर ऐसा किया गया है? भंडारण सीमा का यह निर्णय अकथनीय और दुरुह लगता है। सरकार ने फैसला किया है कि थोक के व्यापारी और खुदरा की बड़ी श्रृंखला वाले 3000 टन से अधिक का भंडारण नहीं कर सकेंगे। एकल खुदरा विक्रेता के लिए यह सीमा 10 टन तय की गई है। प्रोसेसर पिसाई की अपनी क्षमता का 70 फीसदी गेहूं या अनाज जमा रख सकते हैं। इन सभी व्यापारियों और कंपनियों को गेहूं भंडारण की अपडेट जानकारी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर नियमित रूप से देनी होगी। सवाल यह है कि नियंत्रण सिर्फ गेहूं के लिए है अथवा सभी अनाजों पर यह लागू होगा? भंडारण की यह अधिकतम सीमा 24 जून, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक जारी रहेगी। गेहूं और अनाज की भंडारण सीमा, अंततः, क्यों तय करनी पड़ी? इसके बुनियादी कारण हैं कि खुदरा अनाज की मुद्रास्फीति मई में, साल-दर-साल, 8.69 फीसदी रही है। दूसरे, सरकारी गोदामों में गेहूं का भंडारण एक जून को 29.91 मिलियन टन था। यह बीते 16 सालों में सबसे कम था। सर्वाधिक उत्पादन होने के बावजूद भंडारण इतना कम क्यों हुआ? तीसरे, अभी तक बहुत अच्छा मानसून नहीं हुआ है। यह चावल के उत्पादन को भी प्रभावित कर सकता है। हालांकि चावल के सरकारी भंडार पर्याप्त हैं। क्या खाद्य सुरक्षा पर किसी संकट के आसार हैं? गेहूं उत्पादन में तो भारत विश्व में नंबर दो का देश है। हम कई देशों को गेहूं निर्यात करते हैं। फिर गेहूं भंडारण की कमी और भंडारण सीमा का नियंत्रण समझ के परे है। गेहूं की भंडारण सीमा बीते साल जून में ही पहली बार लागू की गई थी। तब थोक विक्रेताओं और बड़े खुदरा व्यापारियों के लिए अधिकतम भंडारण की सीमा 2000 टन थी। निजी, एकल स्टोर के लिए 10 टन ही थी और प्रोसेसर के लिए पिसाई क्षमता का 75 फीसदी जमा की अनुमति थी। ये सीमा बाद में घटा कर 500 टन, 5 टन और 60 फीसदी कर दी गई। कारण आज तक अज्ञात हैं, क्योंकि बीते साल भी गेहूं का उत्पादन अच्छा हुआ था। जो सीमा घटाई गई, वह फरवरी, 2024 तक थी, लेकिन एक अप्रैल को नई फसल, नई पैदावार आने से भंडारण सीमा फिर बढ़ा दी गई। निजी व्यापारियों को बता दिया गया कि वे किसानों द्वारा लाया गया गेहूं न खरीदें। कमोबेश एक महीने तक खरीददारी न करें। यह इसलिए किया गया, ताकि सरकार अपने भंडारण को मजबूत कर सके। बहरहाल अब फसल की मार्केटिंग का मौसम गुजर चुका है और सरकार ने भंडारण की अधिकतम सीमाएं भी तय कर दी हैं, लिहाजा सवाल है कि भंडारण के नियंत्रण कैसे तय किए जाएंगे? गैर-बासमती चावल और गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदियां हैं, रोक हैं, उन पर कैसे निगाह रखी जा सकेगी? यह भी तथ्य है कि अनाज की पैदावार रिकॉर्ड हो रही है। मोदी सरकार एक नियंत्रण को कृषि मंत्रालय के जरिए और दूसरे को उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण के मंत्रालयों के माध्यम से क्रियान्वित नहीं कर सकती।

सरकारी गोदामों में गेहूं का भंडारण कम हो गया है। संभव है कि गेहूं का आयात करना पड़े! दूसरी तरफ, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के डाटा पर यकीन करें, तो उसका कहना है कि किसानों ने 112.93 मिलियन टन गेहूं का उत्पादन किया है। फसल की यह सबसे अधिक पैदावार है। बीते साल भी गेहूं 110.55 एमटी पैदा किया गया था। यानी उस उत्पादन को भी पार करके इस बार रिकॉर्ड गेहूं की फसल हुई है। यह अजीब विरोधाभास है। यदि गेहूं का उत्पादन सबसे अधिक हुआ है, तो सरकारी गोदामों में भंडारण कम क्यों है? क्या सरकार ने कम गेहूं खरीदा है? भारत सरकार ने गेहूं के भंडारण की अधिकतम सीमा क्यों तय की है? क्या इससे जमाखोरी पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा? अथवा कीमतों में स्थिरता आएगी? या खाद्य सुरक्षा के सकल प्रबंधन के मद्देनजर ऐसा किया गया है? भंडारण सीमा का यह निर्णय अकथनीय और दुरुह लगता है। सरकार ने फैसला किया है कि थोक के व्यापारी और खुदरा की बड़ी श्रृंखला वाले 3000 टन से अधिक का भंडारण नहीं कर सकेंगे। एकल खुदरा विक्रेता के लिए यह सीमा 10 टन तय की गई है। प्रोसेसर पिसाई की अपनी क्षमता का 70 फीसदी गेहूं या अनाज जमा रख सकते हैं। इन सभी व्यापारियों और कंपनियों को गेहूं भंडारण की अपडेट जानकारी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर नियमित रूप से देनी होगी।

लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे

अब भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करना चाहिए

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गलत दर्शाया गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है। इसी प्रकार, भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही

पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है।

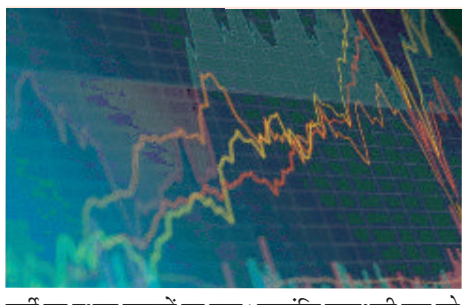

गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में यह बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, एथीयोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है। अर्थात, सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था। जबकि पूरा विश्व जानता है कि व श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है जिसके चलते इन देशों के नागरिकों के लिए दो जून की रोटी जुटाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। जबकि, भारत कई देशों को आज खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। फिर किस प्रकार उक्त सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में इस प्रकार के सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध की विभीषिका झेल रहे एथीयोपिया में नागरिक अपनी भूख मिटाने के लिए घास जैसे भारी पदार्थों को खाकर अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले नागरिकों को भुखमरी के मामले में भारत के नागरिकों से बेहतर स्थिति में बताया गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को केंद्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि इन लोगों को खाने पीने सम्बंधी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। फिर भी भारत के नागरिकों को भुखमरी सूचकांक में ईथीयोपिया के नागरिकों की तुलना में इतना नीचे बताया गया है। अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा। यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से केवल 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया है।

दृष्टि कोण

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में दिक्कतें

तीन नये आपराधिक कानून, अर्थात् भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) 1 जुलाई, 2024 से लागू होने जा रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने आपराधिक प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नए कानूनों की सराहना की है और उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि कानूनी बिरादरी के एक वर्ग ने इन कानूनों के कुछ प्रावधानों की अनिश्चितता, अस्पष्टता और संवैधानिकता के बारे में गम्भीर चिंता जताई है। ममता बनर्जी सहित विपक्षी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि नये अधिनियमों को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए जब तक कि लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य उनकी संस्तुति नहीं कर देते। उनका तर्क है कि ये कानून संसद में बिना किसी सार्थक बहस के जल्दबाजी में पारित कर दिए गए थे, क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलम्बित थे। नए आपराधिक कानूनों की वैधता के बारे में इतनी देरी से चिन्ता व्यक्त करना अवसरों को गंवाने के अलावा और कुछ नहीं है, ये कानून तीन साल की लम्बी परामर्श प्रक्रिया और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बनाए गए थे। इसके बाद गृह मंत्रालय की संसदीय समिति द्वारा इन कानूनों की गहन जांच की गई थी। यहां तक कि दो अलग-अलग अवसरों पर सार्वजनिक नोटिस के जरिए जनता से सुझाव भी मांगे गए थे। सरकार इनमें से किसी भी मांग के आगे नहीं झुक रही है और कानूनों को लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रही है। इसके अतिरिक्त, नए प्रावधानों की असंवैधानिकता के बारे में चिंताएं इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं हैं कि बीएनएस में बदलाव मुख्य रूप से नवतेज जौहर (2018), जोसेफ शाइन (2018) और पी. रथिनम (1994) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का प्रतिबिम्ब है। भारतीय न्याय संहिता से राजद्रोह की धारा हटाना राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में केन्द्र सरकार के हलफनामे पर क्रियान्वयन दर्शाता है, साथ ही इसमें लम्बे समय से लम्बित राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्बोधित किया गया है। बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होती क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है। विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बावजूद, नये कानूनों का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण, हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, नियम और संचालन प्रक्रियाएं निर्धारित करना, मानक प्रपत्रों में संशोधन करना और परिचालन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्तर-एजेंसी समन्वय करना शामिल है। साथ ही एक बात जो विश्वास दिलाती है कि ये कानून समय पर लागू होंगे यह है कि एक अनुभवी और समय-परीक्षणित आपराधिक न्याय प्रणाली अस्तित्व में है जिसमें किसी भी बदलाव को अपनाने और सीमित संसाधनों के साथ किसी भी समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजने की कुव्वत है। नये कानून तय समय पर लागू होंगे, इसका एक और आश्वासन इस हकीकत से भी मिलता है कि पुलिस, अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को बड़े पैमाने पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण दिया गया है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। हालांकि, कानून लागू करने की व्यवस्था से जुड़े कुछ अधिकारी अभी भी आशंकित हैं, उनका तर्क है कि नए कानूनों के सफल प्रवर्तन से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अभी भी सम्बोधित किया जाना बाकी है, ताकि अधिनियमों का निर्बाध प्रवर्तन सुनिश्चित किया जा सके। बीएनएसएस में कई अनिवार्य प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तलाशियों, जब्तियों और अपराध के दृश्य की वीडियोग्राफी और केस प्रॉपर्टी आदि की फोटोग्राफी शामिल है, जिनके लिए शुरुआत से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग करना आवश्यक होगा। हालात यह है कि सभी जांचकर्ताओं और निर्णायकों को अभी भी उपयुक्त उपकरण और तकनीकी प्रदान करके उनका उपयोग करना सिखाना अभी तक सम्भव नहीं हो पाया है, ताकि आवश्यक डिजिटल आउटपुट समान रूप से और स्वीकार्य रूप में उत्पन्न, सुरक्षित और संगृहीत किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, ई-कोर्ट कार्यवाही का संचालन और इलेक्ट्रॉनिक संचार आदि के माध्यम से समन और वारंट भेजने सहित कई अन्य प्रक्रियाएं हैं, जिनके लिए अदालतों, पुलिस स्टेशनों और जेलों का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, नियमों का मानकीकरण, तकनीकी और सहायक कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधन और अंतर-एजेंसी समन्वय अति आवश्यक होंगे। जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक अधिकांश राज्यों में इस दिशा में कुछ भी ठोस नहीं किया गया है।

कुछ अलग

भ्रष्टाचार के पुल

बरसात आने से पहले ही बिहार में एक सप्ताह के भीतर एक के बाद एक तीन पुलों का गिरना सार्वजनिक निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार व धांधलियों को बेनकाब करता है। लगातार धड़ाधड़ गिरते पुल न केवल ठेकेदारों बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाले राजनेताओं पर भी सवालिया निशान लगाते हैं। एक सप्ताह के भीतर बिहार के मोतिहारी में रविवार को एक पुल गिरने की तीसरी घटना हुई। इससे पहले अररिया और सिवान में भ्रष्टाचार के पुल गिरे थे। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाला जो पुल गिरा, उसकी एक दिन पहले ही ढलाई हुई थी। रात में पुल भरभरा कर गिर गया। यदि यह पुल यातायात खुलने के बाद गिरता तो न जाने कितनी जानें चली जातीं। आरोप है कि घटिया सामग्री के कारण पुल बनने से पहले गिर गया। शनिवार को सिवान में गंडक नहर पर बना तीस फीट लंबा पुल गिर गया, जो चार दशक पहले बना था। इसी तरह मंगलवार को अररिया में बारह करोड़ की लागत से बना पुल गिर गया था। पुल के तीन पाये ध्वस्त हो गए थे। बिहार में निर्माण कार्यों में धांधलियों का आलम यह है कि पिछले पांच सालों के दौरान दस पुल निर्माण के दौरान या निर्माण कार्य पूरा होते ही ध्वस्त हो गए। उल्लेखनीय है कि बीते साल जून में भागलपुर में गंगा नदी पर करीब पौने दो हजार करोड़ की लागत से बन रहे पुल के गिरने पर भारी शोर मचा था। लेकिन उसके बाद भी हालात नहीं बदले। पुलों के गिरने का सिलसिला यूं ही जारी है। जो बताता है कि नियम-कानून ताक पर रखकर बेखौफ घटिया सामग्री वाले सार्वजनिक निर्माण कार्य जारी हैं। जाहिर है ऊपर से नीचे तक की कमीशनखोरी और जनता की कीमत पर मोटा मुनाफा कमाने वाले ठेकेदारों की मनमानी जारी है। तभी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग बेखौफ किया जा रहा है। यदि शासन-प्रशासन का भय होता तो पुल यूं धड़ाधड़ न गिर रहे होते। सवाल ये उठता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश की विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाला तंत्र क्यों विकसित नहीं कर पाए? यह जरूरी है कि सार्वजनिक निर्माण गुणवत्ता का हो और उसका निर्माण कार्य समय पर पूरा हो। इन योजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाए, जिससे कई पीढ़ियों को उसका लाभ मिल सके। साथ ही वह दुर्घटनामुक्त और जनता की सुविधा बढ़ाने वाला हो। मगर विडंबना देखिए कि बिहार के पुल उद्घाटन से पहले ही धराशायी हो रहे हैं। स्पष्ट है कि मोटे मुनाफे के लिए घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। वहीं दूसरा निष्कर्ष यह है कि जिन लोगों का काम निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निगरानी करना होता है, वे आंखें मूंदे बैठे हैं। जो समाज में मूल्यों के पराभव व आपराधिक तत्वों की निर्माण कार्यों में गहरी दखल को ही दर्शाता है। यही वजह है कि भारी यातायात के दबाव वाले दौर में पुल अपना ही बोझ नहीं संभाल पा रहे हैं। यूं तो कभी किसी हादसे की वजह से भी पुल गिर सकते हैं, मगर निरंतर कई पुलों का कुछ ही दिनों में गिरना साफ बताता है कि दाल में काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। जिसमें भ्रष्टाचार की बड़ी भूमिका है। दरअसल, सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता की यदि समय-समय पर जांच होती रहे तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता था। इन हादसों की वजह यह भी है कि राजनेताओं व दबंगों के गठजोड़ से ऐसे लोगों को ठेके मिल जाते हैं, जिनको न तो बड़े निर्माण कार्यों का अनुभव होता है और न ही गुणवत्ता को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता होती है।

देश दुनिया से

अविरल यमुना दूर करेगी दिल्ली की प्यास

दिल्ली में यमुना नदी को नया जीवन देने के लिए नौ साल पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अर्थात् एनजीटी ने एक आदेश दिया था कि नदी का जहां तक बहाव है, उसका सीमांकन किया जाए। हालांकि, यमुना द्वारा गर्मी में छोड़ी गई जमीन पर कब्जा करने में न सरकारी महकमे पीछे रहे और न ही भूमाफिया। इसके बाबत एक कमेटी भी बनी थी जिसे मौके पर जाकर उस स्थान तक चिन्हित करना था, जहां अपने सम्पूर्ण यौवन पर आने के दौरान नदी का अधिकतम विस्तार होता है। कभी किसी ने नहीं जाना कि सावन-भादों में जब नदी उफान पर होती है तो उसे तसल्ली से बहने के लिए कितनी भूमि चाहिए। न ही कभी परवाह की गई कि नदी की गहराई कम होने से किस तरह समूचा जल-तंत्र गड़बड़ा रहा है। यह बात सरकारी दस्तावेजों में जरूर दर्ज है कि यमुना नदी के दिल्ली प्रवेश वजीराबाद बैराज से लेकर ओखला बैराज तक के 22 किलोमीटर में 9700 हेक्टेयर की कछार भूमि पर अब पक्के निर्माण हो चुके हैं। इसमें से 3638 हेक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित बना चुका है। इसके अलावा वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं। समझना होगा कि अरावली से चलकर नजफ़गढ़ झील में मिलने वाली सहाबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सारे कालेखान के पास बारा पुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सात पुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह कर दिया गया। अब न बरसात का पानी तालाब में जाता है और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है। एनजीटी हर साल आदेश देता है लेकिन सरकारी महकमे भी कागज की नाव चलाकर उन आदेशों को पानी में डुबो देते हैं। दिल्ली में अधिकांश जगह पक्की सड़क या गलियां हैं, यहां से बरसात के पानी को झील-तालाबों तक कम से कम हानि के ले जाना सरल है। दुर्भाग्य है कि इस शहर में बरसने वाले पानी का अस्सी फीसदी गंदे नालों के जरिए नदी तक पहुंचने में ही बर्बाद हो जाता है। नदी भी अपनी क्षमता से पचास फीसदी कम चौड़ी और गहरी रह गई है। इसमें बरसात के पानी से अधिक तो गंदा मल-जल और औद्योगिक कचरा आता है। यमुना की गहराई घटने का क्या दुष्परिणाम होता है उसके लिए वजीराबाद जल संयत्र का उदाहरण काफी है। यह संयंत्र वजीराबाद बैराज के पास बने जलाशय से पानी लेता है। जलाशय की गहराई 4.26 मीटर हुआ करती थी। लेकिन इसकी गाद को किसी ने साफ करने की सोची नहीं और अब इसमें महज एक मीटर से भी कम 0.42 मीटर जल-भराव क्षमता रह गई। तभी 134 एमजीडी क्षमता वाला संयंत्र आधा पानी भी नहीं निकाल पा रहा। आज दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है लेकिन यह कोई तकनीकी और दूरगामी हल नहीं है। दिल्ली शहर के पास यमुना जैसे सदानीर नदी का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। इसके अलावा छह सौ से ज्यादा तालाब हैं जो कि बरसात की कम से कम मात्रा होने पर भी सारे साल महानगर का गला तर रखने में सक्षम हैं। यदि दिल्ली की सीमा में यमुना की सफाई के साथ-साथ गाद निकाल कर पूरी गहराई मिल जाए। इसके साथ ही सभी नाले गंदा पानी छोड़ना बंद कर दें तो महज 30 किलोमीटर नदी, जिसकी गहराई दो मीटर हो तो इसमें निर्मल जल साल भर रह सकता है। दिल्ली के हर घर को पर्याप्त जल मिल सकता है। विदित हो नदी का प्रवाह गर्मी में कम रहता है लेकिन यदि गहराई होगी तो पानी का स्थाई डेरा रहेगा। हरियाणा सरकार इस्राइल के साथ मिलकर यमुना के कायाकल्प की योजना बना रही है। इस दिशा में सिंचाई विभाग ने अपने सर्वे में पाया है कि यमुना में गंदगी के चलते दिल्ली में सात माह पानी की किल्लत रहती है। दिल्ली में यमुना, गंगा और भूजल से 1900 क्यूसेक पानी प्रतिदिन प्रयोग में लाया जाता है। सन् 2019 में यमुना नदी के किनारों पर एक प्रयोग किया गया था। वहां गहरे गड्ढे बनाए गए थे ताकि जब पानी एकत्र हो तो इनके जरिए जमीन में समा जाये। इसके अच्छे परिणाम भी आए लेकिन फिर उस परियोजना में जमीन से अधिक कागज पर खतियां खोदी जाने लगीं। वैसे एनजीटी वर्ष 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर हर तरह के निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है।

नौ साल पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अर्थात् एनजीटी ने एक आदेश दिया था कि नदी का जहां तक बहाव है, उसका सीमांकन किया जाए। हालांकि, यमुना द्वारा गर्मी में छोड़ी गई जमीन पर कब्जा करने में न सरकारी महकमे पीछे रहे और न ही भूमाफिया। इसके बाबत एक कमेटी भी बनी थी जिसे मौके पर जाकर उस स्थान तक चिन्हित करना था, जहां अपने सम्पूर्ण यौवन पर आने के दौरान नदी का अधिकतम विस्तार होता है। कभी किसी ने नहीं जाना कि सावन-भादों में जब नदी उफान पर होती है तो उसे तसल्ली से बहने के लिए कितनी भूमि चाहिए।

आप का नजरिया

अब पक्ष-विपक्ष मिलकर चलाएं सरकार

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी हैं। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में दिखाना चाहेगा। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे। उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो।

आम चुनाव की आलोचना वाले यूएस के प्रस्ताव के खिलाफ मसौदा प्रस्ताव लाया जाएगा, इशाक डार ने किया ऐलान

इस्लामाबाद, 28 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने नेशनल असेंबली में मसौदा प्रस्ताव लेकर आने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी के आम चुनावों की आलोचना करने वाले अमेरिकी कांग्रेस के प्रस्ताव और धांधली के आरोपों का मुकाबला अपनी संसद में प्रस्ताव लाकर करेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक प्रस्ताव के माध्यम से पाकिस्तान में चुनावों की गहन और स्वतंत्र जांच की मांग की। पाकिस्तान विदेश मंत्री इशाक डार ने नेशनल असेंबली में कहा कि सरकार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अनुमति से अमेरिकी प्रस्ताव का मुकाबला करने के लिए एक प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने कहा, हमें अपनी संप्रभुता दिखानी चाहिए, हमें अपनी एकता दिखानी चाहिए, हमें यह दिखाना चाहिए कि हम गंभीर हैं। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता ने कहा कि सरकार ने अमेरिकी प्रस्ताव पर ध्यान दिया है और एक मसौदा प्रस्ताव तैयार है। इसे प्रस्ताव को विपक्ष के साथ भी साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रस्ताव के खिलाफ स्पष्ट प्रस्ताव के साथ एकता का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2024-25 के बजट पर बहस समाप्त होने के बाद प्रस्ताव पारित किया जाएगा। विदेश कार्यालय ने अमेरिकी प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि इसमें देश की राजनीतिक स्थिति और चुनावी प्रक्रिया की समझ की कमी है। विदेश कार्यालय ने कहा, हमारा मानना है कि इस विशेष प्रस्ताव का समय और संदर्भ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक गतिशीलता के साथ अच्छी तरह से मेल नहीं खाता है। बता दें कि अमेरिकी कांग्रेस द्वारा 368-7 मतों से पारित प्रस्ताव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने में पाकिस्तान के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया। इसने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के महत्व पर जोर दिया, जिसमें पाकिस्तान के 2024 के चुनावों में हस्तक्षेप या अनियमितताओं के किसी भी दावे की गहन और स्वतंत्र जांच का आह्वान किया गया। आम चुनावों में धांधली के रूप में लड़े जाने के महीनों बाद, प्रस्ताव ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पाकिस्तानी जनता की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व पीएम राजपक्षे बीजिंग के लिए रवाना ऋण पुनर्गठन समझौते पर चीन के शीर्ष नेताओं से करेंगे मुलाकात

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे बीजिंग के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए। राजपक्षे चीन के साथ द्वीप राष्ट्र के ऋण पुनर्गठन समझौते पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री ली कियांग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात करेंगे। चीन श्रीलंका के लिए सबसे बड़ा द्विपक्षीय ऋणदाता है। साल 2022 में द्वीप राष्ट्र ने जब डिफॉल्ट होने की घोषणा की थी। बीजिंग उसके कुल बाहरी कर्ज का 52 फीसदी (40 अरब अमेरिकी डॉलर) हिस्सा है। द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने घोषणा की कि भारत और चीन समेत द्विपक्षीय ऋणदाताओं के साथ ऋण पुनर्गठन समझौतों को पेरिस में अंतिम रूप दे दिया गया है। उन्होंने इसे देश के विकास में मील का पत्थर बताते हुए कहा था कि यह नकदी संकट से जूझ रहे श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय भरोसे मजबूत करेगा। ऋण पुनर्गठन समझौते में 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर के चीनी ऋण को चुकाने के लिए 2043 तक का समय दिया जाएगा। इस ऋण का अधिकांश हिस्सा राजपक्षे के राष्ट्रपति रहने के दौरान (2014-15) लिया गया था। उधर, डेली मिरर अखबार ने सूत्रों के हवाले से खबर में बताया कि राजपक्षे की चीन यात्रा विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है। वह बीजिंग में शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के पांच सिद्धांतों की 70वीं वर्षगांठ के मौके पर कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के अन्य प्रमुख सदस्य शामिल होंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि चीन शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के पांच सिद्धांतों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर पेइचिंग में सम्मेलन का आयोजन करेगा। खबर के मुताबिक, इन कार्यक्रमों के इतर राजपक्षे प्रधानमंत्री ली कियांग और मंत्री वांग यी के साथ परस्पर हित के क्षेत्रों और श्रीलंका को लाभ पहुंचाने वाली विकास परियोजनाओं पर चर्चा करेंगे। राजपक्षे श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन समझौते पर भी चर्चा करेंगे और चीन के एग्जिम बैंक द्वारा दी गई मदद के लिए आभार जताएंगे।

कनाडा के जंगल की आग ने बढ़ाई दुनिया में गर्मी, भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी

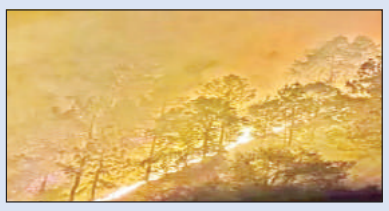

ओटावा। कनाडा के जंगलों में साल 2023 में गर्मी की वजह से लगी भयावह आग ने भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी। गर्मी पैदा करने वाली इस गैस ने भारत में जलाए गए जीवाश्म ईंधन के मुकाबले दुनिया में अधिक प्रदूषण फैलाने के साथ ही तापमान में भी इजाफा किया। यह खुलासा विश्व संसाधन संस्थान और मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ग्लोबल चेंज बायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में किया गया। शोध में देखा गया कि कनाडा के जंगल की इस आग की छोड़ी कार्बन डाइऑक्साइड से पश्चिमी वर्जीनिया से भी बड़ा जंगल जल उठा था। वैज्ञानिकों ने 2023 में कनाडा में महीनों तक जलने वाली आग के विनाशकारी प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक, इसने हवा में 3.28 बिलियन टन गर्मी पैदा करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी थी। 647 मिलियन कारों के जितना हवा में छोड़ी गई कार्बन डाइऑक्साइड यूएस पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, यह कार्बन डाइऑक्साइड की लगभग उतनी ही मात्रा है जितनी 647 मिलियन कारें एक वर्ष में हवा में छोड़ती हैं।

इडाहो राज्य में महिलाओं को आपात स्थिति में होगी गर्भपात की इजाजत अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

इडाहो (अमेरिका) । अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने एक चौंकाने वाले फैसले में इडाहो के कड़े गर्भपात प्रतिबंध से जुड़ी अपील को खारिज किया। गर्भपात अधिकार समर्थकों के लिए इस फैसले को एक जीत माना जा रहा है। यह फैसला भविष्य में महिलाओं को आपात स्थिति में गर्भपात की अनुमति देगा। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। शीर्ष अदालत ने आज एक निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें चिकित्सा आपात स्थिति में इडाहो में गर्भपात को जारी रखने की अनुमति दी गई थी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले गलती से शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर एक विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें कहा गया था कि चिकित्सा आपात स्थिति में राज्य में गर्भपात की अनुमति दी जाएगी। हालांकि बाद में इस बयान को हटा दिया गया। इडाहो अमेरिका का एक ऐसा राज्य है, जिसे गर्भपात पर सख्त पाबंदियों के लिए जाना जाता है।

राष्ट्रपति चुनाव की पहली बहस में भिड़े बाइडन-ट्रंप, जमकर हुई गाली-गलौज

वॉशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां) ।

बहस के दौरान जो बाइडन ने कैपिटल हिल दंगे के लिए ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह व्यक्ति (ट्रंप) दोषी है। कैपिटल हिल हिंसा को रोकने के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया। जिन लोगों ने कैपिटल हिल पर हमला किया, क्या ये उनकी निंदा करेंगे इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि आपका बेटा एक दोषी है।

आगामी 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के बीच पहली डिबेट (बहस) हो रही है। इस बहस पर अमेरिका के साथ ही पूरी दुनिया की नजर है। इस बहस में बाइडन मतदाताओं को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि 81 साल की उम्र में वे फिर से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने और देश को चुनौतियों से उबारने में सक्षम हैं, वहीं 78 वर्षीय ट्रम्प इस अवसर का उपयोग लोगों को यह समझाने के लिए कर रहे हैं कि वे आपराधिक मामले में उनकी सजा से परे देखें और देश के लिए उनकी योजनाओं को देखें,जिसमें अर्थव्यवस्था भी शामिल है।

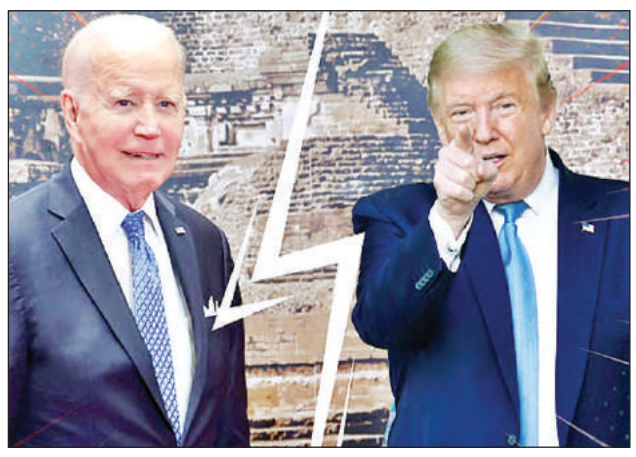

पहले आधे घंटे में बाइडन पर भारी पड़े ट्रंप

दोनों नेताओं के बीच यह बहस अटलांटा में एक मीडिया चैनल के मुख्यालय में हो रही है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, ट्रम्प और बाइडन ने अपनी शुरुआती बातचीत में अर्थव्यवस्था पर बहस की, जिसमें दोनों नेताओं ने मुद्रास्फीति, नौकरियों और कर नीति को लेकर एक दूसरे पर हमला बोला। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बहस के पहले आधे घंटे में बाइडन थोड़े नर्वस दिखाई दिए, वहीं ट्रंप ऊर्जा से भरे हुए थे, लेकिन उन्होंने अपने जवाबों में झूठ का भी सहारा लिया। ट्रंप ने कैपिटल में हुए हंगामे को लेकर अपनी भूमिका से इनकार किया और दंगे में दोषी ठहराए गए लोगों के आचरण को भी खतरनाक मानने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने बाइडन को बेटे को लेकर घेरा

बहस के दौरान जो बाइडन ने कैपिटल हिल दंगे के लिए ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह व्यक्ति (ट्रंप) दोषी है। कैपिटल हिल हिंसा को रोकने के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया। जिन लोगों ने कैपिटल हिल पर हमला किया, क्या ये उनकी निंदा करेंगे इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि आपका बेटा एक दोषी है। जो बाइडन ने बतौर राष्ट्रपति जो भी काम किए हैं, उनके लिए इन्हें भी दोषी ठहराया जा सकता है। यह व्यक्ति एक अपराधी है। मैंने कुछ गलत नहीं किया। ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर बाइडन पर निशाना साधा और कहा कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता।

महंगाई और अफगानिस्तान मुद्दे पर हुई बहस

दोनों नेताओं ने बहस शुरू होने के दौरान मंच पर एक दूसरे से हाथ भी नहीं मिलाया। इसी से दोनों नेताओं के बीच की तल्खी का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके बाद ही ट्रंप ने महंगाई के मुद्दे पर बाइडन सरकार को घेर लिया और कहा कि महंगाई अमेरिका को मार रही है। अफगानिस्तान से सेना को वापस बुलाने के फैसले पर भी ट्रंप ने हमला बोला और कहा कि जिस दिन अफगानिस्तान से सेना को वापस बुलाया गया, वह हमारे इतिहास का सबसे शर्मनाक दिन था। ट्रंप ने कहा कि अगर मैं सेना को वापस बुलाता तो पूरे सम्मान, ताकत और शुचिता के साथ ही वहां से सैनिकों की वापसी होती। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह गर्भपात के लिए दवाई लेने पर रोक नहीं लगाएंगे। वहीं बाइडन ने ट्रंप के फैसले की आलोचना की।

बाइडन ने ट्रंप की अप्रवासी नीतियों की आलोचना की और कहा कि ट्रंप की सरकार में बच्चों को उनकी मां से अलग कर दिया गया और परिवारों को बांट दिया। यह सही तरीका नहीं है। बाइडन ने ट्रंप के एडल्ट स्टार के साथ रिश्तों को लेकर भी तंज कसा, लेकिन ट्रंप ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि डेमोक्रेटिक अभियोजकों ने इस मामले में उनकी छवि को खराब करने की कोशिश की।

मुद्दों से ज्यादा दोनों के चरित्र पर सभी का ध्यान

बहस शुरू होने से पहले अल अरबिया न्यूज चैनल की पत्रकार नादिया बिलबासी-चार्टर्स ने कहा कि यह बहस असाधारण और अलग होने जा रही है क्योंकि पूरा ध्यान दोनों राष्ट्रपतियों के चरित्र पर होगा न कि वास्तविक मुद्दों पर। यह पहली बार हो रहा है जब (अगस्त में होने वाला डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन) और (जुलाई में होने वाला रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन) दोनों सम्मेलनों से पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच बहस ही रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो उम्मीदवार हैं जिन्हें 70 प्रतिशत अमेरिकी लोग नहीं चाहते हैं। साथ ही ये उम्मीदवार 2020 में भी आमने-सामने थे, इसलिए यह अमेरिका के लिए भी एक असाधारण समय है। राष्ट्रपति बाइडन पर सभी की निगाहें होंगी और हर कोई यह देखने के लिए इंतज़ार कर रहा है कि क्या वह 90 मिनट तक खड़े रहेंगे, क्या वह बोलने में गलतियाँ करेंगे, क्या वह एकाग्रता खो देंगे, क्या वह नेताओं के नाम फिर से गलत लेंगे

राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू करने की साजिश! मालदीव की पर्यावरण मंत्री को किया गया गिरफ्तार

माले, 28 जून । (एजेंसियां) ।

मालदीव की राजधानी माले में पुलिस ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में पर्यावरण मंत्री के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक पर्यावरण मंत्री फातिमाथ राष्ट्रपति मुइज्जू पर काला जादू कर उन्हें अपने वश में करना चाहती थी। फिलहाल मामले में जांच पूरी होने तक सभी आरोपियों को एक हफ्ते की हिरासत में रखा गया है।

मंत्री के घर से काला जादू का मिला सामान

स्थानीय मीडिया के अनुसार ऐसी खबर आई हैं कि मंत्री शमनाज को राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू पर काला जादू करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, हालांकि इस मामले में पुलिस ने न तो इस रिपोर्ट की पुष्टि की और न ही इसका खंडन किया है। जबकि उनके घर से काले जादू से जुड़ा हुआ काफी सामान भी मिला है।

कौन हैं पर्यावरण मंत्री फातिमाथ

पर्यावरण मंत्री फातिमाथ शमनाज अली सलीम राष्ट्रपति कार्यालय में काम करने वाले मंत्री एडम रामीज की पत्नी हैं। वो इससे पहले राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ राजधानी माले की नगर परिषद की सदस्य रह चुकी हैं। तब मोहम्मद मुइज्जू राजधानी माले के मेयर थे। वहीं पिछले साल मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद फातिमाथ ने भी परिषद से इस्तीफा दिया। इसके बाद वो राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास मुलिआज की राज्य मंत्री बन गई। इसके बाद में उनका तबादला पर्यावरण मंत्रालय में किया गया था।

काले जादू पर मालदीव में क्या है सजा

मुस्लिम बहुल देश मालदीव में काला जादू एक आपराधिक मामला नहीं है, हालांकि इस्लामिक कानून के अनुसार मामले में छह महीने की सजा हो सकती है। वहीं पूरे द्वीपसमूह में लोग पारंपरिक रीति-रिवाजों का बड़े स्तर पर पालन करते हैं। बता दें कि 2023 में राज्य के मनाधू में अप्रैल के महीने में कुछ पड़ोसियों ने एक बुजुर्ग महिला की हत्या इसलिए कर दी थी, क्योंकि उस पर काला जादू करने का आरोप लगा था। इस मामले में पुलिस की तरफ से कहा गया था कि उनको इस बात का कोई सबूत नहीं मिला था कि मृतक महिला जादू-टोना करने वाली थी।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने किया दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को निष्कासित, भ्रष्टाचार का लगा आरोप

बीजिंग,28 जून (एजेंसियां) ।

अल जजीरा ने जानकारी दी कि देश में सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई की है। इसके तहत दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को निष्कासित कर दिया है। चीन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि इन दिनों चीन और अमेरिका के बीच ताइवान को लेकर तनाव भी बढ़ गया है। बृहस्पतिवार को दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को निष्कासित कर दिया गया। दोनों पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और पूर्ववर्ती वेई फेंगहे हैं। इन दोनों को पार्टी अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए निष्कासित किया गया है। लगभग दो महीने तक सार्वजनिक रूप से गायब के बाद ली शांगफू को अक्तूबर 2023 में हटा दिया गया था। चीन प्रशासन के अनुसार इस मामले को सैन्य अभियोजन को भेजा गया है, जिस पर मुकदमा शुरू हो सकता ह, जिसमें उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने समीक्षा बैठक की। चीनी सरकार के अनुसार फैसला सुनाया गया कि ली

अपने मूल मिशन के साथ विश्वासघात किया है, तथा अपनी पार्टी भावना और सिद्धांतों को खो दिया। ली पर आरोप चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू पर आरोप है कि उन्होंने सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में राजनीतिक वातावरण और औद्योगिक लोकाचार को दूषित किया है। यही नहीं उन पर पार्टी के उद्देश्य, राष्ट्रीय रक्षा और सशस्त्र बलों के निर्माण को नुकसा पहुंचाने का आरोप है। वेई का मामला सैन्य अभियोजन में भेजा गया उन पर रिश्वत लेने का भी आरोप लगा है। अपने पद का लाभ उठाने और दूसरों के लिए लाभा प्राप्त करने के लिए रकम लेने और अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए दूसरों को पैसे देने का संदेह भी है। वेई का मामला सैन्य अभियोजन में भेजा गया है।

अंतरिक्ष में टूटा रूसी उपग्रह, मौजूद यात्रियों को अंतरिक्ष यान में एक घंटे तक लेनी पड़ी शरण

वॉशिंगटन,28 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसियों ने जानकारी दी कि निष्क्रिय रूसी उपग्रह कक्षा में 100 से अधिक टुकड़ों में टूट गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग एक घंटे तक आश्रय लेना पड़ा। रूसी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आरईएसयूआरएस पी1 के टूटने के कारण के बारे में तत्काल कोई विवरण नहीं था, इसे रूस ने 2022 में मृत घोषित कर दिया है। मलबे के झुंड पर नजर रख रखे अमेरिकी अंतरिक्ष कमांड ने कहा कि अन्य उपग्रहों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। स्पेस कमांड ने जानकारी दी कि यह घटना माउंटेन टाइम अनुसार सुबह लगभग 10 बजे हुई। नासा के स्पेस स्टेशन कार्यालय ने बताया कि यह घटना स्पेस स्टेशन के पास की कक्षा में हुई। इस कारण से इसमें सवार अमेरिकी अंतरक्ष यात्रियों को करीब एक घंटे तक अंतरिक्ष यान में शरण लेनी पड़ी। उपग्रह का संचालन करने वाली रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिकी अंतरिक्ष कमान ने बताया कि उपग्रह ने तुरंत ट्रैक करने योग्य मलबे के 100 से अधिक

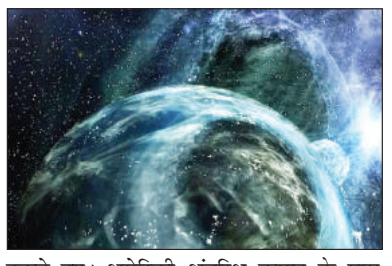

टुकड़े हुए। अमेरिकी अंतरिक्ष कमान के पास अंतरिक्ष ट्रैकिंग रडारों का एक वैश्विक नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष ट्रैकिंग फर्म लियोलैब्स के रडारों ने कम से कम 180 टुकड़ों का पता लगा लिया था।

उपग्रह का विखंडन पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 355 किमी की ऊंचाई पर हुआ। इस क्षेत्र में हजारों छोटे से लेकर बड़े उपग्रह संचालित होते हैं। जिनमें स्पेसएक्स का विशाल स्टारलिंक नेटवर्क और चीन का उपग्रह भी शामिल है, जिसमें उसके तीन अंतरिक्ष यात्री रहते हैं। लियोलैब्स ने रॉयटर्स को दिए एक बयान में कहा, इस मलबे के बादल की निचली कक्षा के कारण हमारा अनुमान है कि खतरा टलने में कई सप्ताह या महीने लग जाएंगे। उपग्रह विस्फोटों या टकरावों के कारण अंतरिक्ष में चार इंच से बड़े लगभग 25,000 मलबे के टुकड़ों ने केसलर प्रभाव की संभावना के बारे में चिंताएं उत्पन्न कर दी हैं। यह एक ऐसी घटना जिसमें उपग्रह के मलबे से टकराव के कारण अधिक खतरनाक कचरे का एक प्रपातीय क्षेत्र निर्मित हो सकता है, तथा दुर्घटना का जोखिम तेजी से बढ़ सकता है। अंतरिक्ष स्टेशन पर वर्तमान में मौजूद छह अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को ह्यूस्टन स्थित नासा के मिशन नियंत्रण कक्ष द्वारा सुरक्षित आश्रय प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए सचेत किया गया, जिसके तहत प्रत्येक चालक दल का सदस्य आपातकालीन प्रस्थान की आवश्यकता पड़ने पर अपने अंतरिक्ष यान में सवार हो जाएगा। नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनी विलियम्स अपने स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में सवार हुए, जो बोइंग द्वारा निर्मित कैप्सूल है और जो स्टेशन पर अपने पहले चालक दल परीक्षण मिशन के तहत 6 जून से खड़ा है।

इमरान खान और उनकी पत्नी को राहत नहीं इस्लामाबाद कोर्ट ने बरकरार रखी सजा

इस्लामाबाद, 28 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के एक प्रमुख समाचार पत्र के अनुसार इस्लामाबाद में एक जिला और सत्र न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और साथ ही उनकी पत्नी बुशरा बीबी की इद्दत केस में दायर याचिका को खारिज कर दी है। बता दें कि दोनों ने इद्दत केस में उनकी सात साल की सजा को रद्द करने के मामले में याचिका दायर की थी, जिसे इस्लामाबाद जिला और सत्र न्यायालय ने खारिज करते हुए उनकी सजा को बरकरार रखा है। एडीएसजे अफजाल मजोका ने सुनाया फैसला इस्लामाबाद कोर्ट में इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा गया था, जिस पर आज अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) अफजाल मजोका ने सुनाया। वहीं वकीलों, महिला कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों ने इद्दत केस में सजा की कड़ी निंदा करते हुए इसे महिलाओं के सम्मान और निजता के अधिकार पर प्रहार बताया है।

जबकि इस फैसले का इस्लामाबाद में कार्यकर्ताओं ने विरोध किया गया था और कराची में प्रदर्शनकारियों की तरफ से आलोचना की गई थी, जो लोगों के निजी जीवन में राज्य के हस्तक्षेप के खिलाफ थे। इद्दत केस में दोनों को मिली है सात साल की सजा पाकिस्तान में आम चुनाव से पहले 3 फरवरी को इस्लामाबाद की एक अदालत ने इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की इद्दत अवधि के दौरान शादी करने के लिए इमरान खान और बुशरा बीबी को सात साल की जेल की सजा सुनाई और उन पर 500 हजार पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया था। वहीं दोनों पति-पत्नी को तोशाखाना मामले में 14 सला की सजा मिली है, जबकि इमरान खान और उनके विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को साइफर केस में 10 साल जेल की सजा हुई है। बता दें कि ये सभी सजाएं फरवरी के एक हफ्ते में सुनाई गई थी। तोशाखाना और साइफर केस की सजा हुई रद्द हालांकि इस महीने इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी साइफर मामले में दोषी नहीं पाए गए हैं और वहीं अप्रैल महीने में तोशाखाना केस की सजा रद्द कर दी गई थी। बता दें कि इद्दत के की सुनवाई पहले जिला और सत्र न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद कर रहे थे, जिन्होंने इस मामले में मई महीने में फैसला सुरक्षित रख लिया था। क्या होती है इद्दत, क्या है आरोप इद्दत एक इस्लामी कानून है, जिस एक महिला को अपने शौहर के इंतकाल या तलाक के बाद करना होता है। इद्दत की अवधि आमतौर पर चार महीने और 10 दिन की होती है (तकरीबन 128 दिन या 130 दिन), इसमें इद्दत के दौरान वो महिला किसी अन्य पुरुष से निकाह नहीं कर सकती है।

पाकिस्तान में लू और गर्मी ने ली लोगों की जान, भरे पड़े हैं मुर्दाघर

कराची। भारत के साथ पाकिस्तान भी भीषण गर्मी की चपेट में है। पाकिस्तान में भी भीषण गर्मी के कारण कई लोगों मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में भीषण गर्मी के कारण पिछले चार दिनों में कम से कम 450 लोगों की मौत हुई है। हालात यह है शवों को रखने के लिए जगह नहीं है। मुर्दाघर भरे पड़े हैं। पाकिस्तान के एनजीओ का दावा है। पाकिस्तान सरकार ने अभी इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा पेश नहीं किया है। बताया जा रहा है कि मरने वालों में से 141 लोगों ने 25 जून को जान गंवाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी सेवाओं के कर्मचारियों को कराची की सड़कों पर अब तक 30 लोगों के शव मिले हैं। उसका कहना है कि उसे छोड़कर पिछले चार दिनों में कम से कम 427 शव मिले हैं। ज्यादातर शव बेघर लोगों और सड़कों पर नशा करने वालों के हैं। तेज गर्मी की लहर ने उनकी जान ले ली। ये लोग अपना पूरा दिन इलाज की तलाश में खुले में बिताते हैं। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची भयंकर गर्मी की चपेट में है। लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। तटीय इलाकों के हिसाब से यह बेहद खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, हवा में ज्यादा नमी की वजह से उमस है। इसकी वजह से 40 डिग्री तापमान भी 49 डिग्री जैसा महसूस हो रहा है। पिछले चार दिन में कराची के सिविल अस्पताल में हीटस्ट्रोक की वजह से 267 लोग भर्ती किए गए हैं।

मीराबाई का लक्ष्य अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाने का

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है। तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (टोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं। मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिंग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है। मीराबाई ने कहा, मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान चोट से बचने पर है। उन्होंने हॉर्शिंग की तारीफ करते हुए कहा, उनकी मौजूदगी से काफी मदद मिली है। मैं 2020 से उनके साथ काम कर रही हूं और वह अच्छे से समझते है कि मेरे शरीर में कहां परेशानी है। वह जानते है कि चोट से कैसे जल्दी उबरना है और किस तरह से अभ्यास को आगे बढ़ाना है। मीराबाई ने कहा, मैंने चोटिल होने के बाद काफी कुछ सीखा है।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया में छाया दिल्ली का लालः कर दिखाया कुछ ऐसा, गर्व से पिता का सीना हुआ चौड़ा, आप भी करेंगे रितेश के जज्बे को सलाम

नई दिल्ली। राजधानी में मजनू के टीले इलाके को ड्रग्स हब के रूप में जाना जाता है। यहां के अधिकतर युवा नशे की लत में लिप्त रहते हैं। लेकिन यहां एक ऐसा भी लड़का रहता है, जो अपने जज्बे, जुनून और कामयाबी की जिद के दम पर विश्वभर में भारत का नाम रोशन कर रहा है। रितेश ने अपने नाम किया श्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब बता दें कि हाल ही में जर्मनी के श्वेट्जिंगन में आयोजित आईपीएल यूरोपियन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रितेश डोगरा ने स्वर्णिम प्रदर्शन कर श्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब अपने नाम किया। 87 किलो भार वर्ग फुल पावरलिफ्टिंग में रितेश ने कुल 760 किलो भार उठाते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी स्पर्धा में अमेरिका के जस्टिन 740 किलो और जर्मनी के रवाड 737.5 किलो भार उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बता दें कि चैंपियनशिप में भारत, जर्मनी, फ्रांस, इटली, अमेरिका, इंग्लैंड, आयरलैंड, व ग्रीस से 121 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। रितेश के पिता चलाते हैं किराने की दुकान रितेश अपने पिता हेमराज डोगरा और मां संतोष डोगरा के साथ मजनू का टीला कॉलोनी के एच-ब्लाक में रहते हैं। उनके पिता किराने की दुकान चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। इसी क्रम में गांव ताजपुर निवासी सुरेंद्र सिंह ने फुल पावरलिफ्टिंग रा मास्टर में कुल तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। सुरेंद्र ने 665 किलो भार उठाया। जर्मनी के मिशेल 650 किलो दूसरे और जर्मनी के ही ल्यूकास 645 किलो भार उठाकर तीसरे स्थान पर रहे। द्रोणाचार्य अवार्डी भूपेंद्र धवन के शिष्य हैं तीनों वहीं मुखर्जी नगर निवासी फुल पावरलिफ्टिंग ओपन रा में प्रभजीत बख्शी ने दो स्वर्ण और एक रजत जीता। प्रभजीत ने कुल 690 किलो भार उठाया। दूसरे स्थान पर सुरेंद्र सिंह ने 665 किलो भार उठाया और तीसरे स्थान पर ग्रीस के चारिडिमास ने कुल 655 किलो भार उठाया। बता दें कि यह तीनों ही द्रोणाचार्य अवार्डी भूपेंद्र धवन के शिष्य हैं। रितेश की उपलब्धियां - वर्ष 2023 में फ्लोरिडा स्थित आरलैंडो में प्रो ओलिंपिया पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण और एक रजत - वर्ष 2014 में आगरा में जूनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक - वर्ष 2015 में सीनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण - साल 2015 के अंत में ओपन अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण के रूप में पहला अंतरराष्ट्रीय पदक - साल 2017 में विश्व पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक।

लंदन में होगा वैश्विक शतरंज लीग का आयोजन, एफआईडीई के अध्यक्ष ने की पुष्टि

नई दिल्ली । यह लीग टीम आधारित प्रारूप में खेली जाएगी जिसमें मौजूदा विश्व चैंपियन सहित कई युवा खिलाड़ी भी भाग लेंगे। प्रत्येक टीम में 6 खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो शीर्ष महिला खिलाड़ी और एक उभरता हुआ खिलाड़ी शामिल हैं। दूसरी वैश्विक शतरंज लीग का आयोजन तीन से 12 अक्टूबर तक लंदन में किया जाएगा। आयोजकों ने यह जानकारी दी। वैश्विक शतरंज लीग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (एफआईडीई) और टेक महिंद्रा की संयुक्त पहल है। दस दिन तक चलने वाली इस लीग का आयोजन सेंट्रल लंदन के फ्रेंड्स हाउस में किया जाएगा जिसमें दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भाग लेंगे। एफआईडीई के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोर्कोविच ने बयान में कहा, इस प्रतियोगिता के पहले सत्र को मिली अपार सफलता के बाद हम शतरंज का दुनिया भर में विस्तार करने और शतरंज प्रेमियों को नया अनुभव दिलाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाने को लेकर उत्साहित हैं।

जर्मनी की महिलाओं ने हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली । एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2023/24 सीज़न की शुरुआत में, इस आयोजन में एक नया प्रोत्साहन जोड़ा गया, जिसमें खिताब विजेता आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधे योग्यता अर्जित करेंगे। नियमों के अनुसार, बेल्जियम या नीदरलैंड पुरुष या महिला दोनों में से किसी एक का खिताब जीतते हैं, तो उनके पीछे सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली टीम विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग में अपना स्थान ले लेगी। नीदरलैंड की महिलाएं एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पूरे सीजन में शानदार फॉर्म में रही हैं और 22 जून को जर्मनी के खिलाफ 4-0 से जीत के साथ अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना लगातार दूसरा, कुल मिलाकर चौथा खिताब जीता। मेजबान के रूप में, नीदरलैंड ने पहले ही आगामी विश्व कप के लिए योग्यता हासिल कर ली थी, इसलिए प्रो लीग में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को हॉकी के शोपीस चतुष्कोणीय आयोजन में सीधे योग्यता स्थान प्राप्त होगा।

रोहित 49 जीत के साथ टी-20 के सबसे सफल कप्तान : इस फॉर्मेट में उनके नाम सबसे ज्यादा चौके, कोहली सबसे ज्यादा सिंगल डिजिट पर आउट

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इंडिया ने दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 68 रनों से हराया। इसी के साथ रोहित शर्मा 49 मैच जीतकर दुनिया के सबसे सफल टी-20 कप्तान बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम (48 जीत) को पीछे छोड़ा।

गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन का स्कोर बनाया, फिर इंग्लिश टीम को 16.4 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट कर दिया।

इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 39 बॉल पर 57 रनों की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के जमाए। रोहित ने 146.15 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इतना ही नहीं, वे आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच के टॉप सिक्स हिटर भी बन गए हैं। वहीं, विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप के किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट होने वाले भारतीय बैटर बनने का अनचाहा रिकॉर्ड बनाया है।

कुछ अहम रिकॉर्ड...

1. टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाए - भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी में 4 चौके लगाए। वे टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के नाम 113 चौके हो गए हैं। उन्होंने पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ा। जयवर्धने के नाम इस टूर्नामेंट में 111 चौके हैं। इस सूची में तीसरा नाम विराट कोहली का है। कोहली टी-20 वर्ल्ड कप में 105 चौके लगा चुके हैं।

2. आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाए - रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 2 छक्के लगाए। वे आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने 13वां ओवर डाल रहे सैम करन की तीसरी बॉल पर सिक्स लगाया। रोहित के नाम अब 22 सिक्स हो चुके हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 21 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

3. 5 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले 5वें भारतीय कप्तान - रोहित शर्मा 5 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले 5वें भारतीय कप्तान बने हैं। रोहित से पहले विराट कोहली, एमएस धोनी, मोहम्मद अजहर, सौरव गांगुली अपनी कप्तानी में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं। रोहित आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के टॉप-2 स्कोरर बने हैं। रोहित के नाम 771 रन हो गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग (731 रन) को पीछे छोड़ा।

4. टी-20 वर्ल्ड कप में कोहली के बाद टॉप स्कोरर - रोहित शर्मा टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। विराट कोहली इस टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। कोहली 1216 रन बना चुके हैं, जबकि रोहित ने 1211 रन बनाए हैं। रोहित ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ा है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर भी एक हजार रन पूरे कर चुके हैं।

5. एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट कोहली - विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट होने वाले भारतीय बैटर बने हैं। वे मौजूदा वर्ल्ड कप में 5 बार सिंगल डिजिट पर आउट हो चुके हैं। कोहली से पहले केएल राहुल 2022 के सीजन में 4 बार सिंगल डिजिट पर आउट हुए थे।

6. टी-20 वर्ल्डकप सेमीफाइनल में पहली बार सिंगल डिजिट पर आउट - विराट कोहली टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहली बार सिंगल डिजिट पर आउट हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 9 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले कोहली ने 2014 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 72, 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 89 और 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 50 रन बनाए थे।

7. रॉड टकर ने सबसे ज्यादा टी-20 वर्ल्डकप मैच में अंपायरिंग की - ऑस्ट्रेलिया के रॉड टकर सबसे ज्यादा टी-20 वर्ल्ड कप मैचों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर बने हैं। उन्होंने 46 मैचों में अंपायरिंग की है। उन्होंने पाकिस्तान के अलीम डाल के 45 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा।

8. 13वीं बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भारत, ऑस्ट्रेलिया की बराबरी की - भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीम के रिकॉर्ड की बराबरी की है। टीम इंडिया 13 आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के रिकॉर्ड की बराबरी की है।

9. भारत तीसरी बार टी-20 के फाइनल में; इंग्लैंड, श्रीलंका और इंग्लैंड के बराबर - टीम इंडिया तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में पहुंची है। टीम ने श्रीलंका, पाकिस्तान और इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इन सभी टीमों ने 3-3 दफा इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश की क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत, इस खिलाड़ी को दी मात

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में जीत हासिल कर विजयी शुरुआत की। गुकेश ने रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराया। इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

बोगडान-डैनियल ने निम्जो इंडियन डिफेंस चाल से शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया। रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था, लेकिन उन्होंने प्यादा के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी)' को गंवा दिया। गुकेश इसके बाद मजबूत वापसी करने में सफल रहे। उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं देते हुए जीत दर्ज की। गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

प्रज्ञानंद को अब्दुसात्तोरोव से मिली चुनौती

इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञानंद ने कड़ी मेहनत की, लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। काले मोहरों से खेल रहे प्रज्ञानंद को अब्दुसात्तोरोव से कड़ी चुनौती मिली। दोनों खिलाड़ी 60 चालों के बाद बराबरी पर सहमत हो गए। अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। 10 खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए।

इस टूर्नामेंट से हमें काफी कुछ सीखने को मिला : राशिद

तारोबा, 28 जून (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान ने कहा है कि उनकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में हारी जरुर है पर उनका हौंसला नहीं टूटा है। राशिद ने कहा कि यह उनकी टीम के लिए शुरूआत है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ी को काफी अनुभव मिला है। इसके अलावा उन्हें ये भी भरोसा हुआ है कि वे किसी भी टीम को हरा सकते हैं। इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों को हराकर उलटफेर करने वाली अफगानिस्तान टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में करारी हार का सामना करना पड़ा है।

राशिद ने इसी को लेकर कहा, 'एक टीम के रूप में हमारे लिए इस प्रकार का प्रदर्शन स्वीकार करना कठिन था। हम इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करते पर हालात ने हमारा साथ नहीं दिया। टी20 क्रिकेट यही है जिसमें आपको हर प्रकार के हालात के अनुरूप ढलना होता है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने इस टूर्नामेंट से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह शुरूआत भर है। हमारे अंदर किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास आ रहा है। हमें प्रक्रिया पर ध्यान देना है। हमने यहां से बहुत कुछ सीखा है।

राशिद ने कहा, 'इस टूर्नामेंट से हम आत्मविश्वास लेकर जा रहे हैं। हमें पता है कि हमारे पास कौशल है हमने यहां हमने कठिन और दबाव भरे हालात में खेलना सीखा। एक टीम के रूप में किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, यह पूछने पर राशिद ने कहा, 'कुछ सुधार तो करना होगा। खासकर मध्यक्रम की बल्लेबाजी में ये जरुरी है। अभी तक परिणाम अच्छे रहे हैं पर हमें बल्लेबाजी में और मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। हमें अपने गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में अधिक मिली हालांकि बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा।

पंजाब हॉकी लीग का उद्घाटन सत्र आज से

मोहाली, 28 जून (एजेंसियां) ।

पंजाब हॉकी लीग (पीएचएल) का उद्घाटन सत्र जूनियर आयु वर्ग कार्यक्रम के साथ शुरू होगा। राज्य की विभिन्न टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें लीग के इस संस्करण में भाग लेंगी, जो होम-एंड-अवे मैच प्रारूप का अनुसरण करती है। हॉकी पंजाब के सहयोग से राउंडग्लास द्वारा आयोजित इस लीग का उद्देश्य जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को मूल्यवान मैच अनुभव प्रदान करना, उनके पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना है।

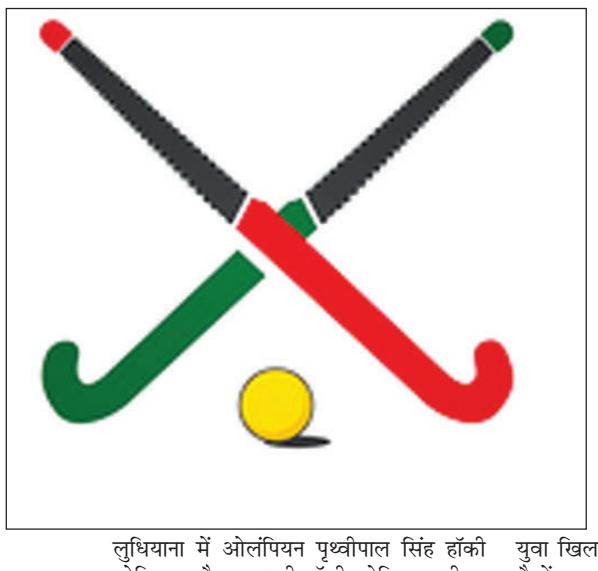

मैच प्रमुख स्थानों जैसे जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम, मोहाली में बलबीर सिंह सीनियर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, लुधियाना में ओलंपियन पृथ्वीपाल सिंह हॉकी स्टेडियम और नामधारी हॉकी स्टेडियम, जीवन नगर में होने वाले हैं। प्रत्येक मैच की मेजबानी भाग लेने वाली टीमों में से एक द्वारा की जाएगी।

लीग का उद्घाटन मैच जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में सुरजीत हॉकी अकादमी पीआईएस, जालंधर और नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला जाएगा, जिसके बाद एस.जी.पी.सी हॉकी अकादमी, अमृतसर का मुकाबला पीआईएस मोहाली से होगा। पीआईएस लुधियाना और राउंडग्लास हॉकी अकादमी लीग में भाग लेने वाली अन्य दो टीमें हैं।

मैच सप्ताहांत के दौरान खेले जाएंगे और 25 अगस्त तक चलेंगे, जिसमें राउंडग्लास हॉकी अकादमी और सुरजीत हॉकी अकादमी पीआईएस जालंधर के बीच अंतिम लीग मैच होगा। प्रत्येक टीम में 25 खिलाड़ियों का पूल होगा।

लीग में 5.5 लाख रुपये का पुरस्कार पूल होगा जो जूनियर हॉकी लीग के लिए सबसे अधिक में से एक है।

पंजाब हॉकी लीग पर अपने विचार साझा करते हुए, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और राउंडग्लास हॉकी अकादमी के तकनीकी प्रमुख, राजिंदर सिंह ने कहा, युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिस्पर्धी मैचों का अनुभव बहुत महत्वपूर्ण है और जूनियर पंजाब हॉकी लीग का उद्देश्य यही है। लीग प्रारूप कोचों को विभिन्न रणनीतियों के साथ प्रयोग करने में मदद करेगा क्योंकि प्रत्येक टीम को 10 मैच खेलने का आश्वासन दिया गया है। हमें उम्मीद है कि यह लीग पंजाब में जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों में एक ऐतिहासिक आयोजन होगा।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास 28 जून (एजेंसियां)।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई।

गुरुवार को अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्जु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया। भारतीय जोड़ी को 16 ऑफ राउंड के मुकाबले में अपने विरोधियों को हराने में 54 मिनट लगे। क्वार्टरफाइनल में त्रिशा-गायत्री का मुकाबला रुई हिरोकामी और जापान की युना काटो से होगा।

वहीं प्रियांश राजावत भी चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। प्रियांश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 35 मिनट में 21-18, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु का मुकाबला चीन के लेई लान शी से होगा।

इस बीच, भारत की मालविका बंसोड़ ने दूसरे दौर में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया। 58 मिनट तक चले मैच में मालविका ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में टेरेजा को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता स्कॉटलैंड की किर्स्टी गिल्मर से होगा।

पुरुष युगल स्पर्धा में, कृष्णा प्रसाद गर्गा और के साई प्रतीक की जोड़ी को दूसरे राउंड में 70 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका के चेन झी यी और प्रेस्ली स्मिथ से 17-21, 21-19, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

टाटा फिर बना देश का सबसे मूल्यवान ब्रांड; इंफोसिस नंबर दो तो एचडीएफसी समूह तीसरे नंबर पर

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां) ।

28.6 अरब डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ टाटा समूह एक बार फिर से भारत का सबसे मूल्यवान ब्रांड बन गया है। ब्रांड फाइनेंस ने 2024 की अपनी रिपोर्ट में देश के प्रतिष्ठित टाटा समूह को नंबर एक, सूचना तकनीक क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस को नंबर दो और बैंकिंग व फाइनेंस क्षेत्र की एचडीएफसी समूह को तीसरे नंबर पर रखा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा समूह की ब्रांड वैल्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार 9 फीसदी बढ़ी है। पहली बार भारत की किसी कंपनी का ब्रांड मूल्य 30 अरब डॉलर के करीब पहुंचा है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में लोगों की उम्मीद को दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार इन्फोसिस की ब्रांड वैल्यू में भी 9 फीसदी की वृद्धि हुई है।

खासबात यह है कि पूरी दुनिया में आईटी क्षेत्र में गिरावट के बावजूद इन्फोसिस ने यह उछाल दर्ज की है। उसका ब्रांड मूल्य 14.2 अरब डॉलर है। एचडीएफसी समूह को अपने बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियों के एकीकरण का फायदा हुआ है और ब्रांड मूल्यांकन के मामले में 10.4 अरब डॉलर मूल्य के साथ यह तीसरे स्थान पर है। वैसे देश में अन्य बैंकों के ब्रांड मूल्य में भी जोरदार उछाल आया है। इस सेक्टर ने कुल मिलाकर 26 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है और इसमें भी इंडियन बैंक, इंडसइंड बैंक व यूनियन बैंक का प्रदर्शन जोरदार रहा है।

61 प्रतिशत की दर से टेलीकॉम क्षेत्र की ब्रांड वृद्धि रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक 61 फीसदी की वृद्धि टेलीकॉम सेक्टर की कंपनियों ने दर्ज की है और 26 फीसदी के साथ बैंकिंग दूसरे जबकि खनन, लोहा व इस्पात क्षेत्र ने 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

टेलीकॉम क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों जियो, एयरटेल व वीआई ने उपभोक्ताओं के उपभोग पैटर्न को ध्यान में रखकर अपने ग्रोथ को गति दी है। इसी प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में नियामकीय सुधार ने ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मदद की है।

न्यूज ब्रीफ

हेल्थ केयर, फार्मा, इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत इन सेक्टर्स में 6 प्रतिशत बढ़ सकता है रोजगार

नई दिल्ली। भारत के हेल्थ केयर, फार्मा, ऑटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में रोजगार में बढ़त देखने को मिल सकती है। यह जानकारी जारी एक रिपोर्ट में दी गई। स्टाफिंग कंपनी टीमलीज सर्विसेज की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि देश की 23 इंडस्ट्रीज में रोजगार चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में 6 प्रतिशत से अधिक दर के साथ बढ़ सकता है। वर्कफोर्स के आकार की वृद्धि के मामले में निर्माण, रियल एस्टेट, ट्रेवल, हॉस्पिटैलिटी, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर शीर्ष पर हो सकते हैं। टीमलीज सर्विसेज के सीईओ कार्तिक नारायण ने बताया कि 2024 में जी-20 में भारत सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है। मजबूत मांग, निवेश और महंगाई कम होने के कारण जॉब मार्केट में लचीलापन रह सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हर पांच में से दो संस्थाएं स्किल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट्स को प्राथमिकता दे रही है। रोजगार अवसरों के मामले में दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद शीर्ष पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जनरेटिव एआई के कारण लोगों को नौकरी पर रखने की स्ट्रेटेजी में बदलाव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया कि सर्वे में 56 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि आने वाले दिनों में वे अपनी वर्कफोर्स बढ़ाएंगे, जो दिखाता है कि भारत में नौकरियों को लेकर सकारात्मक रुझान बना हुआ है। नियोक्ताओं की ओर से अच्छे कम्युनिकेशन स्किल, डिटेल पर निगाह रखने वाले और तकनीक स्किल में सक्षम युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने चीन के कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईटीसी) ने चीन तथा कुछ अन्य देशों के कई उत्पादों पर डंपिग रोधी शुल्क लगा दिया. बोर्ड के जारी नोटिफिकेशन में इन शुल्कों की घोषणा की गई है। चीन में बने या चीन से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 554 डॉलर प्रति टन तक का और यूरोपीय संघ में बने या वहां से निर्यात सोडियम सायनाइड पर 230 डॉलर प्रति टन, जापान में बने या वहां से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 447 डॉलर और दक्षिण कोरिया में बने या वहां से निर्यात किये गये सोडियम सायनाइड पर 413 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इसी तरह चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले चिजेल टूल और रॉक ब्रेकर्स पर 162.5 प्रतिशत तक और दक्षिण कोरिया में बने या वहां से निर्यात होने वाले चिजेल टूल और रॉक ब्रेकर्स पर 52.77 प्रतिशत तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है. चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले टिन प्लेट पर 741 डॉलर प्रति एक लाख पीस का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इस तीनों मामलों में ये शुल्क पांच-पांच साल के लिए लगाये गये हैं. चीन में बने या वहां से निर्यात होने वाले टेलीस्कोपिक चैनल ड्रॉअर स्लाइडर पर 614 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है. यह छह महीने तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि जब किसी देश को लगता है कि कोई दूसरा देश हमारे उद्योग को नुकसान पहुंचाने के लिए लागत से भी कम कीमत पर किसी वस्तु का हमें निर्यात कर रहा है, तो उस पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया जाता है।

जयपुर रग्स ने लंदन में स्टोर खोला

नई दिल्ली । हाथ से कालीन बनाने वाली कंपनी जयपुर रग्स ने लंदन में अपना एक शोरूम खोला है तथा चालू वित्त वर्ष में दो और अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोलने की योजना है। जयपुर रग्स ने दिसंबर 2021 में दुनिया की फैशन राजधानी इटली के मिलान में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोला था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि हम मिलान और दुबई में अपनी सफलता के बाद वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति का विस्तार करने को लेकर उत्साहित हैं। हम लंदन में अपने नए शोरूम के जरिए वैश्विक ग्राहकों तक भारतीय डिजाइन और शिल्प पहुंचा रहे हैं। यह हमारी कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चालू वित्त वर्ष के अंत तक हमारा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो या उससे अधिक स्टोर खोलना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओवैसी की सांसदी ..

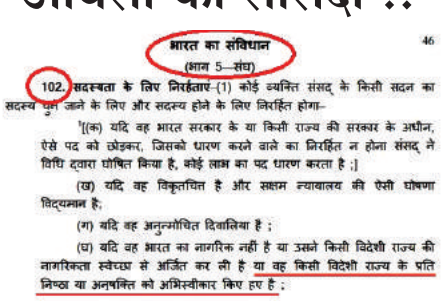

भारत का संविधान
(भाग 5—संघ) 46

102. सदस्यता के लिए निरर्हताएं-(1) कोई व्यक्ति संसद् के किसी सदन का सदस्य चुने जाने के लिए और सदस्य होने के लिए निरर्हित होगा-

[(क) यदि वह भारत सरकार के या किसी राज्य की सरकार के अधीन, ऐसे पद को छोड़कर, जिसको धारण करने वाले का निरर्हित न होना संसद् ने विधि द्वारा घोषित किया है, कोई लाभ का पद धारण करता है ;]

(ख) यदि वह विकृतचित्त है और सक्षम न्यायालय की ऐसी घोषणा विद्यमान है;

(ग) यदि वह अनुन्मोचित दिवालिया है ;

(घ) यदि वह भारत का नागरिक नहीं है या उसने किसी विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छया से अर्जित कर ली है या वह किसी विदेशी राज्य के प्रति निष्ठा या अनुषक्ति को अभिस्वीकार किए हुए है ;

लगाया। इस दौरान पूर्वी चम्पारण से भाजपा के सांसद राधामोहन सिंह पीठासीन अधिकारी के रूप में लोकसभा अध्यक्ष के आसन पर बैठे थे और नव-निर्वाचित सांसदों को शपथ दिला रहे थे। जब असदुद्दीन ओवैसी से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये संविधान के खिलाफ कैसे हुआ, ये संविधान के कौन से प्रावधान के हिसाब से गलत है? भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी द्वारा विरोध करने पर ओवैसी ने कहा, उनका काम है विरोध करना, हम उन्हें खुश करने के लिए क्यों बोलेंगे।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन ने असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ इस मामले में राष्ट्रपति से संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के तहत शिकायत की थी। हरिशंकर जैन ने भी ओवैसी की संसद सदस्यता खत्म करने की मांग की है। ऐसी ही एक शिकायत एक और वकील विभोर आनंद ने भी लोकसभा सचिवालय से कर रखी है।

उल्लेखनीय है कि नवनीत राणा इससे पहले भी असदुद्दीन ओवैसी को चुनौती देने के क्रम में सुर्खियों में आ चुकी हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हैदराबाद में कहा था, एक छोटा भाई है, एक बड़ा भाई है। छोटा भाई अकबरुद्दीन ओवैसी बोलता है कि पुलिस को 15 मिनट हटा दो तो हम दिखाएंगे की क्या कर सकते हैं। छोटे को मेरा कहना है कि तेरे को 15 मिनट लगेंगे और हमको सिर्फ 15 सेकेंड लगेंगे। 15 सेकेंड पुलिस को हटाया तो छोटे और बड़े दोनों को पता नहीं लगेगा कि कहां से आया और कहां से गया। सिर्फ 15 सेकेंड लगेंगे।

पेपर लीक ...

लोकसभा में चर्चा के पहले ही विपक्ष ने नीट को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद निचले सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ही सबसे पहले नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया और

विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर इस मामले पर चर्चा की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आग्रह किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर पहले चर्चा की जाए। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आप इन मुद्दों को उठा सकते हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनकी एक नहीं सुनी। इसके बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा बोलने लगे। हुड्डा ने कहा, नीट परीक्षा में पेपर लीक हुआ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। हम इस पर चर्चा लेकर आए थे और जब सदन में यह मुद्दा उठाया गया तो माइक बंद कर दिया गया। इसके साथ ही विपक्षी सदस्यों ने पीठ की एक नहीं सुनी और सदन में नुक्कड़ छाप दृश्य पैदा करने लगे। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित हो गई। जब दोबारा सदन शुरू हुआ तब भी विपक्ष शोर-शराबे पर आमादा था। इसे देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी।माइक बंद किए जाने के राहुल गांधी के आरोप पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, अध्यक्ष के आसन में कोई बटन नहीं लगा है, जहां से माइक बंद किया जाता और खोला जाता हो। लोकसभा अध्यक्ष का काम यह नहीं होता है। लोकसभा अध्यक्ष के कामकाज के बारे में पढ़ लिख कर आएं। मैं पहले भी कई बार यह बता चुका हूं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान स्थगन प्रस्ताव और शून्यकाल नहीं चलेंगे।उधर, राज्यसभा की कार्यवाही भी हंगामे के कारण स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी सांसदों के साथ पेपर लीक का मुद्दा उठाया और इस मामले पर चर्चा की मांग की।

विपक्ष मांग कम, हंगामा अधिक कर रहा था। कई सांसद वेल में पहुंच गए और राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ के आसन के आगे हंगामा करने लगे। इस पर धनखड़ बुरी तरह नाराज हो गए। उन्होंने टीएमसी सांसद सागरिका घोष और डेरेक ओ ब्रायन को उनकी अभद्रता पर फटकार लगाई और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। सांसदों के व्यवहार को देखते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कुर्सी छोड़कर खड़े हो गए। उन्होंने कहा, जो लोग वेल में खड़े हैं, हम उनका नाम ले रहे हैं। इसके बाद उन्होंने खड़े होकर उन सांसदों का नाम लेना शुरू किया जो हंगामा कर रहे थे। सबसे पहले टीएमसी सांसद सागरिका घोष का नाम लेते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, आप यहां सदन में क्या हंगामे के मकसद से आई हैं? सभापति जगदीप धनखड़ ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन का नाम लेकर कहा, मिस्टर डेरेक ओ ब्रायन, आप इस हंगामे के डायरेक्टर बन रहे हैं। टीएमसी सांसद साकेत गोखले का नाम लेते हुए सभपति ने कहा, आप ऐसा करके अपने लिए ही परेशानी बन रहे हैं।

उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, आज भारतीय संसद के इतिहास में ऐसा कलंकित दिन है कि विपक्ष के नेता खड़गे खुद वेल में आ गए। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। मैं दुखी और स्तब्ध हूं। भारतीय संसदीय परंपरा इस हद तक बिगड़ जाएगी कि विपक्ष के नेता वेल में आ जाएंगे, उपनेता वेल में आ जाएंगे, तो सदन की गरिमा कहां जाएगी। इसके कुछ देर बाद ही उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सदन की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के लिए 21 घंटे का समय निर्धारित किया है। सांसद इस समय को चर्चा के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत के नए...

डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री की विदेश सचिव के पद पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी गई है। विक्रम मिस्री वर्ष 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी हैं।इसके अलावा मनिका जैन को रोमानिया में भारत की राजदूत नियुक्त किया गया है। मनिका जैन वर्तमान में विदेश मंत्रालय में अपर सचिव हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि मनिका जैन जल्द ही अपना नया पदभार संभालेंगी।

उपलब्धियों में ....

राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई तो चेयर पर बैठे उपसभापति हरिवंश ने सुधांशु त्रिवेदी को अभिभाषण पर बोलने को कहा। अभिभाषण पर बोलते हुए

सुधांशु त्रिवेदी ने पहले तो वर्तमान की मोदी सरकार के तीसरी बार सरकार में वापसी पर बात करने की शुरुआत की। उन्होंने कहा, मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बन कर नेहरू की बराबरी की। लेकिन मैं कह रहा हूं कि मोदी उनसे भी आगे है। क्योंकि पिछले 40 साल में कांग्रेस को 240 सीटें नहीं आई हैं। जबकि भाजपा लगातार तीसरी बार एनडीए के नेतृत्व में सरकार बना रही है। तो सोचिए नेहरू जी तब प्रधानमंत्री बने थे जब विपक्ष था ही नहीं। इन 40 वर्षों में 1984 के चुनावों के बाद सबसे ज्यादा सीट 1991 के चुनाव में आई थी। उस समय कांग्रेस के खाते में 232 सीट आई थी।पीएम मोदी से नेहरू की तुलना पर सुधांशु ने कहा कि आजादी के बाद जब अंतरिम सरकार के गठन को लेकर वोटिंग हुई थी तो पट्टाभि सीतारमैया को कुछ वोट मिले जबकि सरदार पटेल को सबसे अधिक मत मिले थे। वहीं नेहरू को एक भी वोट नहीं मिला। पीएम मोदी सर्वसम्मति से तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। इसलिए दोनों के बीच कोई तुलना नहीं है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया, तब संविधान खतरे में नहीं था। जब राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए पलट दिया गया था तब संविधान खतरे में नहीं था। मनमोहन सिंह के समय जब सरकार के आदेश को राहुल गांधी द्वारा खुलेआम फाड़ दिया जाता था, तब संविधान खतरे में नहीं था। केंद्र से जुड़े सीएए के मामले में इंडी गठबंधन शासित राज्य ने विरोध किया तब संविधान खतरे में नहीं था।

पाकिस्तान में बैठे....

अशांति फैलाने की साजिश करते रहते हैं। इनकी जब्त की गई सम्पत्ति में 9 कनाल जमीन भी शामिल है। यह कार्रवाई क्रीरी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर की गई है।

बारामुला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ जारी अपने अभियान में कड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात नशा तस्कर हिलाल अहमद वानी का बरजुल्ला कुंजर इलाके में स्थित एक मकान जब्त कर लिया है। इसकी कीमत करीब 22 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि यह सम्पत्ति नशे की तस्करी से अर्जित धन से जुटाई गई है।

डोडा में आधा...

एडीजीपी आनंद जैन ने पत्रकारों को बताया था कि इस इलाके में छह से सात आतंकी सक्रिय हैं। जो काफी समय से घटनाओं को अंजाम देने में शामिल हैं। इनमें से तीन का सफाया किया जा चुका है। जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।इन सभी दहशतगर्दों के पाकिस्तानी होने की आशंका है। इस मामले में पुख्ता शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। 11 व 12 जून को छत्रगल्लां व भलेस में हुए दोहरे आतंकी हमलों के बाद पुलिस ने चार आतंकियों के स्केच जारी किए थे। सभी पर 5-5 लाख का इनाम भी घोषित किया गया था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकी इलाके में सक्रिय 6 से 7 दहशतगर्दों के समूह का हिस्सा हैं अथवा कोई नया ग्रुप घुसपैठ करके आया है। इस बारे में अभी जांच चल रही है।

बुधवार को हुई मुठभेड़ में घायल हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। उसका इलाज जीएमसी डोडा में चल रहा है। एडीजीपी आनंद जैन और डीसी डोडा हरविंदर सिंह ने जीएमसी पहुंच कर घायल से बातचीत की। डोडा के एसपी जावेद इकबाल ने कहा, डोडा के सिनू व आसपास के पूरे भलेसा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी है। एनकाउंटर साइट पर क्लीयरेंस ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है।

शादनगर में ग्लास....

किलोमीटर दूर शादनगर स्थित फैक्टरी में शाम करीब साढ़े चार बजे हुई।

अधिकारियों ने बताया कि फैक्टरी की भट्टी में विस्फोट हुआ और माना जा रहा है कि यह विस्फोट अत्यधिक गर्मी के कारण हुआ। विस्फोट जिस वक्त हुआ उस वक्त फैक्टरी में करीब 200 लोग मौजूद थे। घटनास्थल पर शवों के टुकड़े दूर तक बिखरे हुए दिखाई दिए। ट्रेड यूनियन के एक नेता ने दावा किया कि मृतकों में से अधिकतर उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों के थे। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से घायलों को अस्पताल पहुंचाने और उन्हें आवश्यक उपचार मुहैया कराने को कहा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि सीएम रेड्डी ने राजस्व, पुलिस, अग्निशमन, श्रम, उद्योग और स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों को घटनास्थल पर रहने और राहत उपायों का समन्वय करने का निर्देश दिया। विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने विस्फोट में श्रमिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया और राज्य सरकार से तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराने तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी औद्योगिक क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा करने की अपील की। प्रारंभिक सूचना के आधार पर पुलिस ने पूर्व में कहा था कि घटना में 15 लोग घायल हुए।

पुलिस के अनुसार, घटना शाम को हुई जब कंपनी में लगभग 200 कर्मचारी मौजूद थे, जो टफन्ड, लेमिनेटेड और सोलर कंट्रोल ऑटोमोबाइल ग्लास के निर्माण और गुणवत्ता परीक्षण में शामिल है। एक दिनचर्या के रूप में कर्मचारी ग्लासों को गैस चैंबर में भेजकर उनकी मजबूती और टिकाऊपन का परीक्षण कर रहे थे।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वहां एक उचित तंत्र है जिसमें गैस का दबाव एक आवश्यक बिंदु तक पहुंचने के बाद बंद हो जाता है। हालांकि, गैस का दबाव वहां बन गया और विस्फोट हो गया। हादसे के वक्त सेक्शन में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। आग और धुएं पर काबू पाने के लिए पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दुर्घटनास्थल से लगभग पांच शव निकाले गए और 15 लोग जो आग में घायल हो गए और धुएं के कारण बीमार पड़ गए, उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि समाचार लिखी जाने तक आग पर काबू पा लिया गया था। लेकिन परिसर के अंदर कोई और व्यक्ति फंसा है या नहीं इसकी जांच के लिए टीमों द्वारा घटनास्थल पर तलाशी अभियान जारी रखा गया। शादनगर पुलिस जांच कर रही है।

सीबीआई के ...

आरोपी हैं। इस बार हुए फर्जीवाड़े के संबंध में इन 33 आरोपियों से पूछताछ कर सीबीआई सॉल्वर गिरोह की तह तक पहुंचने का प्रयास करेगी।आईएमएस बीएचयू के दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय की बीडीएस की छात्रा रही पटना की जूली कुमारी को 12 सितंबर 2021 को नीट परीक्षा के दौरान सारनाथ के एक केंद्र से गिरफ्तार किया गया था। वह त्रिपुरा की रहने वाली हिना विश्वास की जगह परीक्षा देते पकड़ी गई थी। इसके बाद 48 आरोपियों का नाम आया था। अहम सूत्रधार मिर्जापुर के चुनार थाना के कैलहट के डॉ. शरद सिंह पटेल को 22 अप्रैल 2024 को एसटीएफ ने आरओ/एआरओ (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 का पेपर लीक कराने के आरोप में गिरफ्तार किया था।डॉ. शरद और साथी हरियाणा का रवि अत्री इससे पहले भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में धांधली के मामले में आरोपी रहे हैं। अफसरों का कहना है कि सीबीआई जल्द ही डॉ. शरद और रवि से अदालत की अनुमति से पूछताछ कर सकती है। इसके बाद 2021 वाले 31 आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। नीट में फर्जीवाड़े के प्रयास के आरोप में सारनाथ थाने में दर्ज मुकदमे में 12 अभ्यर्थी भी आरोपी हैं। इनमें से सिर्फ त्रिपुरा की हिना विश्वास गिरफ्तार की जा सकी और अन्य अभ्यर्थी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सके थे।

सारनाथ थाने में दर्ज मुकदमे की विवेचना में 48 आरोपियों में 21 ही गिरफ्तार किए जा सके। नौ के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा शेष अन्य आरोपियों में कुछ की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर हो गई तो कुछ का आज तक पुलिस को पता ही नहीं है कि वह कहां हैं। सॉल्वर गैंग के डॉ. शरद सिंह पटेल का नाम नीट परीक्षा में फर्जीवाड़े के प्रयास में वर्ष 2022 में सामने आया था। मुकदमे के तत्कालीन विवेचक के प्रार्थना पत्र पर अदालत ने डॉ. शरद के खिलाफ एनबीडल्यू जारी किया था। उसी दौरान एक व्यक्ति ने विवेचक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कमिश्नरेट के अफसरों को प्रार्थना पत्र दिया और विवेचना रोहनिया थानाध्यक्ष को स्थानांतरित कर दी गई। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया और डॉ. शरद लगभग 14 माह तक खुले में घूमता रहा। बताया जा रहा है कि पूछताछ की जद में डॉ. शरद का वह करीबी भी आएगा।

नीट खत्म...

जरूरत है। इन घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ऐसी घटनाएं न सिर्फ देश में मेडिकल परीक्षा की गुणवत्ता से समझौता हैं बल्कि इसका देश में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। ममता बनर्जी ने मांग की कि नीट की पुरानी व्यवस्था लागू की जाए, जिसके तहत राज्य सरकार परीक्षा कराएं। उन्होंने लिखा कि साल 2017 से पहले राज्यों को मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए अपनी प्रवेश परीक्षाएं कराने की मंजूरी थी और केंद्र सरकार भी प्रवेश परीक्षा कराती थी। यह व्यवस्था आराम से काम कर रही थी और इसमें ज्यादा परेशानी भी नहीं थी। राज्य सरकार आमतौर पर हर डॉक्टर पर करीब 50 लाख रुपए खर्च करती है, ऐसे में राज्य सरकार को ही मेडिकल छात्रों को चुनने की आजादी मिलनी चाहिए।ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पूरी नीट परीक्षा को केंद्रीकृत कर दिया है और बिना राज्य सरकारों की संलिप्तता के मेडिकल कोर्सों में होने वाले एडमिशन पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य और संघीय ढांचे का उल्लंघन है। बंगाल सीएम ने ये भी आरोप लगाया कि मौजूदा सिस्टम की वजह से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है और इससे सिर्फ अमीरों को फायदा मिला है और गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।गौरतलब है कि एनटीए द्वारा आयोजित कराई गई नीट परीक्षा को लेकर धांधली के आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि नीट का पेपर लीक हुआ है और इस मामले में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। सीबीआई नीट पेपर लीक की जांच कर रही है। नीट के कथित पेपर लीक के तार बिहार, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से जुड़ रहे हैं। मामले पर सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई कर रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक परीक्षा की काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाई है। यही वजह है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बावजूद लाखों छात्र संशय में फंसे हुए हैं।

सरकार ने स्पष्ट ...

नेता पिछले कई महीनों से संविधान बचाओ, संविधान बचाओ का फर्जी नारा रट रहे थे। सदन में जब लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की निंदा के प्रस्ताव पर अपना विचार व्यक्त कर रहे थे तब कांग्रेसी सांसद तो विरोध में नारेबाजी कर रहे थे, लेकिन समाजवादी पार्टी, राजद, डीएमके जैसे दलों के सांसद चुप थे। यह रेखांकित करने वाली बात है।संविधान को लेकर सरकार और अध्यक्ष के इन तेवरों ने विपक्ष और खास कर कांग्रेस को नंगा भी किया और असहज भी कर दिया। अगले दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण में भी आपातकाल का जिक्र आने पर कांग्रेस और जलभुन गई। कांग्रेस ने एतराज जताया और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपना विरोध प्रकट किया। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ शिष्टाचार भेंट में उनसे कहा कि सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बेहतर तालमेल और संवाद बनाने के लिए आपातकाल जैसे मुद्दे पर प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए था, क्योंकि इसे लेकर पहले ही कांग्रेस अपनी गलती मान चुकी है।बहरहाल, लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद संवाद और सहयोगी की जो संभावना जताई जा रही थी, उसको विपक्ष ने शुरुआत में ही नष्ट कर दिया। यह आशंका मजबूत हो गई है कि 18वीं लोकसभा में सहयोग और संवाद नहीं बल्कि एक दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ ज्यादा रहने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि भले ही भाजपा के अपने दम पर बहुमत नहीं मिला और एनडीए गठबंधन की सरकार बनी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और सरकार की कार्यशैली और तेवरों में कोई कमजोरी या बदलाव नहीं है। सरकार किसी दबाव में नहीं झुकेगी। सरकार बिना किसी दबाव के अपने फैसले लेगी और अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जारी रखेगी। सरकार का साफ संदेश है कि वह अब भी उतनी ही मजबूत और दृढ़ है जितनी पहले थी।

आज से वक्री होंगे शनि देव इन राशि के जातकों को खूब मिलेगा पैसा

सूर्य पुत्र शनि देव दंडाधिकारी कहा गया है। वे लोगों को उनके कर्मों के अनुसार दंड देते हैं। शनिदेव की कृपा से भक्तों को कई संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही आर्थिक समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। जिस प्रकार शनिदेव की कुंडली में स्थिति बहुत मायने रखती है उसी प्रकार शनि देव के मार्गी अथवा वक्री होने से भी कई राशि के जातकों के जीवन में काफी उतार चढ़ाव आते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित जगदीश शर्मा ने बताया कि वर्तमान में शनिदेव कुंभ राशि में हैं और वे इस राशि में 29 जून को देर रात 12:40 बजे वक्री होंगे। 15 नवंबर तक शनिदेव इसी अवस्था में रहेंगे। शनि देव की इस वक्री चाल से कई राशि के जातकों की न सिर्फ आर्थिक समस्याएं दूर होगी, बल्कि सम्मान में भी वृद्धि होगी।

इन राशि वालों को होगा लाभ

मेष – इस राशि के जातकों के पारिवारिक सुख के साथ वैभव में वृद्धि होगी।

वृषभ– वृषभ राशि के जातकों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों का भी साथ मिलेगा।

मिथुन– इस राशि के जातकों के आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। उन्हें आर्थिक परियोजनाओं में विशेष लाभ होगा।

कर्क– शनि की वक्री चाल का कर्क राशि के जातकों पर सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। उनका मनोबल ऊंचा होने से अधूरे कार्य पूरे होंगे।

मकर– मकर राशि के जातकों को भी शनिदेव की कृपा प्राप्त होगी। इससे गृहस्थ जीवन सुखमय बना रहेगा।

गर्भ से नहीं, घी से भरे मटकों से हुआ था 100 कौरवों का जन्म, जानें क्या है पौराणिक कथा

महाभारत में 100 कौरवों का वर्णन मिलता है। इन सभी की माता गांधारी और पिता धृतराष्ट्र थे। महाभारत के अनुसार कौरव अधर्म और गलत नीतियों के पक्षधर थे, इसी के चलते पांडवों और कौरवों में राज्य को लेकर विवाद हुआ था और अंत में महाभारत युद्ध होता है, जिसमें पांडवों को विजय मिलती है। पौराणिक कथा के अनुसार कौरवों का जन्म महर्षि व्यास द्वारा दिए गए आशीर्वाद के चलते हुए था। कौरवों के जन्म से जुड़ी पौराणिक कथा क्या है यहां आपको बताते हैं।

महाभारत कथा के अनुसार, एक समय महर्षि व्यास भूख और परिश्रम से खिन्न होकर धृतराष्ट्र के महल पहुंचे थे, यहां गांधारी ने महर्षि को भोजन करवाया और उनके विश्राम की व्यवस्था की। जब महर्षि व्यास जी ने गांधारी से वर मांगने के लिए कहा तो, गांधारी ने अपने पति के समान ही सौ पुत्र मांगे। इसके बाद व्यास गांधारी को वरदान देकर वहां से चले गए।

निराश हो गई थी गांधारी

कथा के अनुसार, कुछ समय बीतने के बाद गांधारी गर्भवती हुई, लेकिन गर्भधारण के दो साल बीतने के बाद भी प्रसव नहीं हुआ। इसी बीच गांधारी को समाचार मिला कि कुंती ने सूर्य के समान एक पुत्र को जन्म दिया है, तो वे निराश हो गई और पेट पर आघात कर दिया, जिससे उनके गर्भ से मांस का एक पिंड निकला जो लोहे के समान कठोर था। यह स्थिति देख गांधारी ने मांसपिंड को फेंकने का मन बना लिया।

महर्षि व्यास ने गांधारी को रोका

महाभारत के अनुसार जब महर्षि व्यास को इस घटना की जानकारी हुई तो, वे गांधारी के पास पहुंचे और उन्हें ऐसा करने से रोका। महर्षि व्यास ने गांधारी से कहा कि वे सौ मटके तैयार कर उसे घी से भर दें और उन सभी को गुप्त स्थान पर रखवाकर उसकी रक्षा की व्यवस्था करें, साथ ही मांसपिंड को ठंडे जल से सींचे।

दो साल बाद हुआ जन्म

जब गांधारी ने मांसपिंड को सींचा तो उसके सौ टुकड़े हो गए और इन टुकड़ों को गांधारी ने सभी 100 मटकों में रखवा दिया। जिस क्रम के साथ गांधारी से मांसपिंड के टुकड़ों को रखा था, उसी क्रम से दो साल बाद इन मटकों से सौ कौरवों का जन्म हुआ। इनमें सबसे पहले जन्म लेने वाला पुत्र दुर्योधन कहलाया और इस तरह गांधारी के सौ पुत्रों का जन्म हुआ था।

कौन से महीने कहलाते हैं चातुर्मास, जानिए महत्व, क्या करें और क्या न करें

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान विष्णु क्षीर सागर में शयन के लिए चले जाते हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी का पर्व मनाया जाता है। इस समय को चातुर्मास कहा जाता है।

कब से शुरू होंगे चातुर्मास

इस बार चातुर्मास 17 जुलाई से शुरू होकर चार महीने तक चलेगा और 12 नवंबर को समाप्त होगा। पंडित विनोद गौतम ने बताया कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 16 जुलाई को रात 8:33 पर शुरू होगी और अगले दिन 17 जुलाई बुधवार को रात 9:33 पर समाप्त होगी।

क्या है चातुर्मास

हिंदू धर्म में सावन, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह का विशेष महत्व बताया गया है। इन चारों महीनों को मिलाकर चातुर्मास बनता है। माना जाता है कि देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु सृष्टि का संचालन भगवान शिव को सौंपकर शयन के लिए चले जाते हैं। भगवान विष्णु के शयन काल की यह अवधि चार महीने की होती है। इसी वजह से यह अवधि चातुर्मास कहलाती है।

चातुर्मास में इन बातों का रखें ध्यान

- चातुर्मास के दौरान सात्विक भोजन का सेवन करें
- चातुर्मास के दौरान फर्श पर सोना बेहतर रहेगा
- दान-पुण्य और धर्मग्रंथों का पाठ करना चाहिए
- भगवान शिव और विष्णु की पूजा करनी चाहिए
- पवित्र स्थानों की यात्रा करना बहुत शुभ माना जाता है

जुलाई में सिर्फ 6 दिन किए जा सकेंगे विवाह कार्य

पढ़ें इस महीने के शुभ मुहूर्त

अंग्रेजी कैलेंडर का सातवां महीना जुलाई जल्द ही शुरू होने वाला है। जून महीने में शुक्र अस्त होने के कारण शादी-विवाह जैसे कार्य के लिए कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं थे। वहीं, अब जुलाई में भी विवाह के लिए काफी कम मुहूर्त हैं। 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से लेकर अगले चार महीने तक किसी भी प्रकार के शुभ कार्य नहीं किए जा सकेंगे। ऐसे में जुलाई माह के सिर्फ कुछ ही दिन हैं, जब आप विवाह, मुंडन, नामकरण जैसे कार्य कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि जुलाई माह में शुभ मुहूर्त कब है।

जुलाई माह 2024 में आने वाले शुभ मुहूर्त की उक्त तिथि देखते हुए धार्मिक आयोजन कर सकते है। मई-जून के विराम के बाद जुलाई में कुछ चुनिंदा मुहूर्त ही मिल रहे हैं।

❊ सर्वार्थ सिद्धि योग
दिनांक: 02, 03, 05, 07, 08, 09, 17, 21, 22, 26, 28, 30, 31

❊ अमृत सिद्धि योग
दिनांक: 17, 26

❊ विवाह मुहूर्त
दिनांक: 09, 11, 12, 13, 14, 15

❊ मुंडन मुहूर्त
दिनांक: 15

❊ नामकरण मुहूर्त
दिनांक: 03, 07, 11, 12, 14, 15, 17, 21, 22, 25, 26, 28, 31

❊ विद्यारम्भ मुहूर्त
दिनांक: 03, 07, 10, 11

❊ उपनयन या जनेऊ मुहूर्त
दिनांक: 07, 08, 10, 11, 17, 21, 22, 25

❊ वाहन क्रय हेतु मुहूर्त
दिनांक: 03, 14, 15, 17, 21, 22, 26, 31

❊ प्रॉपर्टी क्रय हेतु मुहूर्त
दिनांक: 06, 10, 11, 16, 17, 20, 25, 26, 31

❊ अन्नप्राशन मुहूर्त
दिनांक: 03, 12, 15, 22, 25

❊ कर्णवेध मुहूर्त
दिनांक: 06, 07, 12, 13, 14, 17, 22, 27, 28, 31

जुलाई माह में गृह प्रवेश मुहूर्त नहीं हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू, इन दस्तावेजों की होगी जरूरत

अमरनाथ यात्रा की शुरुआत 29 जून से होने वाली है। यह यात्रा 19 अगस्त तक चलेगी। इसके लिए 28 जून को पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर घाटी के लिए रवाना होगा। प्रशासन की तरफ सभी इंतजाम किए जा चुके हैं। वहीं, आज से अमरनाथ यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। आज टोकन जारी कर दिए जाएंगे और गुरुवार से तत्काल रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। जम्मू में विभिन्न निर्धारित केंद्रों पर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध की गई है।

ये दस्तावेज होना जरूरी

अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले यात्रियों के लिए ठहरने, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इस यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करते समय कुछ आवश्यक दस्तावेजों की जरूरत होती है। साथ ही रजिस्ट्रेशन के दौरान निर्धारित शुल्क का भुगतान करना आवश्यक होता है। इस शुल्क का उपयोग यात्रा के प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है।

अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर आईडी कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट फोटो आदि की दस्तावेजों की जरूरत होगी। साथ ही किसी मान्यता प्राप्त डॉक्टर द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र अनिवार्य है।

फिलहाल, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों की पहली प्राथमिकता कठिन इलाके से होकर गुजरने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस ने अमरनाथ बेस कैंप के आसपास तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है।

ड्रोन कैमरों से होगी निगरानी

अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए देशभर से अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाएगा। साथ ही जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सभी इलाकों पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरे का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

यह सुनिश्चित किया जाएगा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। भोजन और पेय सहित विभिन्न सेवाएं दी जाएंगी। बेस कैंप में श्रद्धालुओं को बिस्तर उपलब्ध कराया जाएगा। बता दें कि 22 जून को बाबा बर्फानी की प्रथम पूजा के साथ अमरनाथ तीर्थ यात्रा (-ारीपरींह धरींर) की औपचारिक शुरुआत कर दी गई थी।

रथ यात्रा के बाद रथ की लकड़ी का क्या होता है?

कहां जाते हैं 42 पहिए, पढ़िए रोचक बातें

जगन्नाथ रथ यात्रा भारत में सबसे प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। यह त्योहार 10वीं सदी से मनाया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को जगन्नाथ पुरी में शुरू होती है और दशमी तिथि को समाप्त होती है।

जिन रथों पर भगवान यात्रा करते हैं, वे पवित्र और परिपक्व नीम की लकड़ी से बने होते हैं। इन रथों के निर्माण में किसी भी कील, कांटे या किसी अन्य धातु का उपयोग नहीं किया जाता है। आइए, जानते हैं कि इन रथों का किस तरह निर्माण किया जाता है। साथ ही रथ यात्रा के बाद रथ की लकड़ियों का क्या उपयोग होता है।

7 तरह के कारीगर करते हैं निर्माण

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा मां सुभद्रा के लिए तीन रथ बनाए जाते हैं। इन्हें बनाने के लिए हर साल नयागढ़ के दसपल्ला के जंगलों से लकड़ियां आती हैं। यह निर्माण कार्य अक्षय तृतीया से लेकर रथ यात्रा तक दो महीने तक चलता है। इसमें 7 तरह के कारीगर होते हैं।

निर्माण में कम से कम 200 लोग शामिल होते हैं। हर काम परंपरागत रूप से हाथ से किया जाता है। कोई आधुनिक उपकरण या मशीनरी का उपयोग नहीं किया जाता है। माप भी प्राचीन पद्धति से लिया जाता है।

भक्तों को बेच दिए जाते हैं पहिए

जगन्नाथ जी के रथ में 16 पहिए, बलभद्र के रथ में 14 पहिए और सुभद्रा के रथ में 12 पहिए होते हैं। यात्रा के बाद, रथों की लकड़ी का उपयोग जगन्नाथ मंदिर में प्रतिदिन प्रसाद तैयार करने के लिए जलाऊ लकड़ी के रूप में किया जाता है। वहीं, तीनों रथों के 42 पहिए भक्तों को बेचे जाते हैं। जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा से पहले रथ का निर्माण कार्य जारी है। रथ बनाने वाले कारीगर केवल एक ही समय भोजन करते हैं।

अहंतासुर का वध करने के लिए भगवान गणेश ने लिया था धूम्रवर्ण अवतार, पढ़िए पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में कोई भी शुभ कार्य शुरू करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता की उपाधि प्राप्त है। हर महीने भगवान गणेश को समर्पित चतुर्थी पर्व मनाया जाता है। इस दिन बप्पा की सच्चे मन से पूजा की जाए, तो तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं।

असुरों का नाश करने के लिए भगवान गणेश ने अलग-अलग अवतार धारण किए हैं। गणेश जी के अंतिम और आठवें अवतार धूम्रवर्ण है। इस अवतार का जन्म देवताओं सहित संपूर्ण ब्रह्मांड को अहंतासुर नामक राक्षस से मुक्त कराने के लिए हुआ था। आइए, जानते हैं कि इससे जुड़ी पौराणिक कथा कौन-सी है।

अहंतासुर के वध के लिए धूम्रवर्ण अवतार

पौराणिक कथा के अनुसार, ब्रह्मा जी ने एक बार सूर्यदेव को कर्माध्यक्ष का पद दिया था। इससे उसमें अहंकार आ गया। यह भाव आने के कारण सूर्यदेव को अचानक छींक आ गई। इस छींक से एक राक्षस प्रकट हुआ। यह राक्षस बहुत शक्तिशाली था। वह एक राक्षस था, इसलिए गुरु शुक्राचार्य का शिष्य बन गया। उसका नाम अहंतासुर था। यह राक्षस संपूर्ण ब्रह्मांड पर राज करना चाहता था। अहंतासुर ने अपनी यह इच्छा शुक्राचार्य से व्यक्त की। उन्होंने अहंतासुर को श्री गणेश मंत्र की दीक्षा दी। दीक्षा लेने के बाद वो वन में चला गया और पूरी श्रद्धा से गणेश जी की कठोर तपस्या करने लगे।

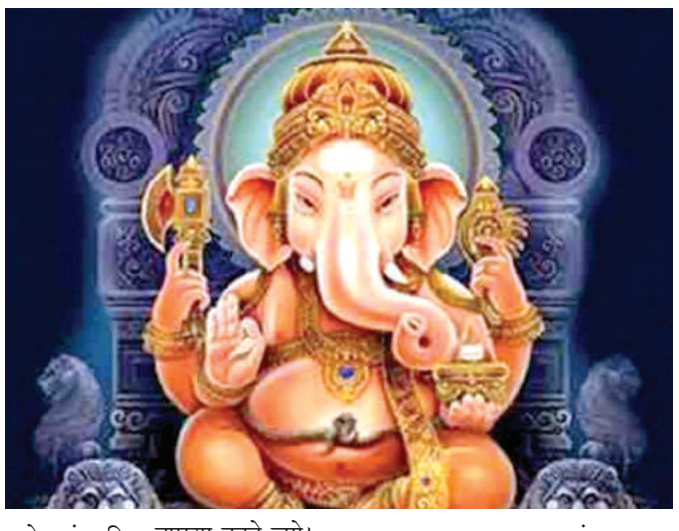

अहंतासुर ने मचा दिया था हाहाकार

अहंतासुर ने कई वर्षों तक श्री गणेश की तपस्या की। भगवान श्रीगणेश उसकी भक्ति देखकर प्रकट हुए। उन्होंने अहंतासुर से वरदान मांगने को कहा, तब अहंतासुर ने उनसे ब्रह्मांड के साम्राज्य के साथ अमरता और अजेयता का वरदान भी मांगा। गणेश जी ने उसे मुंह मांगा वरदान दे दिया।

अहंतासुर को यह वरदान प्राप्त हुआ देखकर शुक्राचार्य बहुत प्रसन्न हुए। इसके बाद अहंतासुर को राक्षसों का राजा बना दिया गया। अहंतासुर का विवाह हुआ और उसके दो पुत्र भी हुए। अहंतासुर ने अपने ससुर और गुरु के साथ विश्व विजय की योजना बनाई। अपनी इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया। उसने एक ऐसा युद्ध शुरू कर दिया, जिससे हर जगह अराजकता फैल गई।

भगवान शिव ने बताया था उपाय

अहंतासुर ने धरती पर अधिकार कर लिया। फिर उसने स्वर्ग पर आक्रमण कर दिया। देवता भी उसका विरोध नहीं कर सके। उसने स्वर्ग पर भी कब्जा कर लिया। फिर उसने पाताल लोक और फिर नागलोक पर भी कब्जा किया। सभी देवता भगवान शिव से इस समस्या से मुक्ति का उपाय जानना चाहते थे। शिव जी ने देवताओं से भगवान गणेश की पूजा करने को कहा। देवताओं ने भगवान गणेश की पूजा शुरू कर दी और भगवान गणेश धूम्रवर्ण के रूप में उनके सामने प्रकट हुए। भगवान गणेश ने देवताओं को आश्वासन दिया कि वह उन्हें अहंतासुर के अत्याचारों से मुक्त कराएंगे।

श्री गणेश ने दिया जीवनदान

देवर्षि नारद, धूम्रवर्ण का दूत बनकर अहंतासुर के पास गए। उन्होंने कहा कि अगर उसने अत्याचार नहीं रोके और गणेश जी की शरण में नहीं गया, तो उसका अंत निश्चित है। लेकिन अहंतासुर नहीं माना।

जब यह समाचार श्री धूम्रवर्ण को मिला, तो उन्होंने राक्षस सेना पर अंकुश लगा दिया। यह देखकर अहंतासुर भयभीत हो गया और शुक्राचार्य से उपाय पूछने लगा। दैत्य गुरु ने उसे श्री धूम्रवर्ण की शरण में जाने को कहा। यह सुनकर अहंतासुर श्री धूम्रवर्ण की शरण में गया और उनसे क्षमा मांगने लगा।

इसके बाद ही श्रीगणेश ने उसे जीवनदान दिया। उन्होंने उससे सभी बुरे कर्मों को त्यागने के लिए भी कहा।

अल्लारी नरेश की फिल्म बच्चला मल्ली का पहला लुक सामने आया

हीरो अल्लारी नरेश अपनी आगामी फिल्म बच्चला मल्ली में एक गंभीर भूमिका में रोमांचित करने के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन सोलो ब्रैथुके सो बेटर फेम सुब्बू मंगादेवी कर रहे हैं। रज़ेश डांडा और बालाजी गुट्टा इस फिल्म का निर्माण हास्य मूवीज़ के बैनर तले कर रहे हैं, जिसने ब्लॉकबस्टर समाजवरगमना और ऊरु पेरू भैरवकोना जैसी फ़िल्में दी हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया।अल्लारी नरेश अस्त-व्यस्त बालों और असमान दाढ़ी के साथ पहले कभी न देखे गए सामूहिक अवतार में दिखाई दे रहे हैं। रिक्शा पर बैठे और सिगरेट पीते हुए, नरेश अपनी आँखों में तीव्रता के साथ एक गंभीर नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने गले और हाथ में पवित्र धागे पहने हुए हैं। पृष्ठभूमि में, हम आतिशबाजी के साथ एक कार्निवल देख सकते हैं और लोग क्रूर देवताओं की वेशभूषा में हैं। हाई-वोल्टेज फाइट सीक्वेंस का यह आकर्षक पहला पोस्टर दर्शाता है कि बच्चला मल्ली एक गहन और अपनी तरह की पहली एक्शन एंटरटेनर होगी।फिल्म में अमृता अय्यर मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं, जबकि उनके अपोजिट अल्लारी नरेश हैं। रोहिणी, राव रमेश, अच्युत कुमार, बालगाम जयराम, हरि तेजा, प्रवीण, विवा हर्ष आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।बड़े पैमाने पर बनने वाली बच्चला मल्ली में कुछ मशहूर तकनीशियन अलग-अलग विभागों को संभालेंगे। सीता रामम से मशहूर हुए विशाल चंद्रशेखर संगीत देंगे, जबकि रिचर्ड एम नाथन जिन्होंने मनाडु, रंगम और मट्टी कुश्ती जैसी फिल्मों में काम किया है, कैमरा संभालेंगे। छोटा के प्रसाद संपादक हैं और ब्रह्मा कदली प्रोडक्शन डिजाइनर हैं।जबकि कहानी और संवाद सुब्बू ने खुद लिखे हैं, विपार्थी मधु ने पटकथा लिखी है और अतिरिक्त पटकथा विश्वनेत्र ने लिखी है।कहानी नायक की भावनात्मक यात्रा है और यह 1990 की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग आरएफसी, हैदराबाद में हो रही है। प्रोडक्शन का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है।

बॉक्स ऑफिस पर चंदू चैंपियन की कमाई में गिरावट जारी

कबीर खान के निर्देशन में बनी फिल्म चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन की उम्दा अदाकारी की हो रही तारीफ के बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई नहीं कर सकी है।यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।चंदू चैंपियन 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दूसरे सप्ताह में इस फिल्म की दैनिक कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने अपनी रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 54.75 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है। साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म के प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है।बता दें कि चंदू चैंपियन की एक टिकट पर दूसरी बिल्कुल मुफ्त मिल रही है।बॉक्स ऑफिस पर चंदू चैंपियन का सामना मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ की फिल्म मुंज्या से हो रहा है।इसके अलावा इश्क विश्क रिबाउंड भी दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लगी हुई है।बॉक्स ऑफिस पर लगी सभी फिल्मों को टक्कर देने के लिए प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।फिल्म में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं।

स्टेबिन बेन और नीति मोहन का नया रोमांटिक सॉन्ग चाहूं हुआ रिलीज

सिंगर स्टेबिन बेन और नीति मोहन का नया रोमांटिक सॉन्ग चाहूं रिलीज हो चुका है। यह गाना दिल को छू जाएगा। गाना 3 मिनट 21 सेकंड का है, जो लव फीलिंग को बाहर लाता है। यह आपको फिर से प्यार में पडने पर मजबूर कर देगा।म्यूजिक वीडियो की शूटिंग बर्फीले पहाडिय़ों की वादियों में की गई है। इसमें स्टेबिन के साथ एक्ट्रेस सरगुन कौर लूथरा नजर आ रही हैं।बता दें कि सरगुन ने 2017 में टीवी के थ्रिलर शो काल भैरव रहस्य से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह कलर्स के हॉरर शो तंत्र, स्टार प्लस के शो ये हैं चाहतें में दिखाई दी।चाहूं सॉन्ग को हर्ष करगेती ने कंपोज किया है। वहीं स्टेबिन और नीति ने गाने में अपनी आवाज दी है।गाने के बारे में बात करते हुए, स्टेबिन ने कहा, चाहूं के लिए नीति और हर्ष के साथ काम करना मजेदार एक्सपीरियंस रहा। यह हमारा पहला कोलैबोरेशन है। यह इस सीजन के लिए परफेक्ट लव सॉन्ग बन गया है। मुझे वाकई उम्मीद है कि सभी को यह ट्रैक पसंद आएगा और वे इस पर कुछ दिलचस्प रील बनाएंगे।वहीं नीति ने कहा, मैं चाहूं गाने को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। यह एक खूबसूरत गाना है। साथ ही, स्टेबिन के साथ पहली बार गाना और उनके साथ मिलकर काम करना शानदार अनुभव है। कंपोजर हर्ष और राइटर समय ने भी बेहतरीन काम किया है। यह वीवाईआरएल ऑरिजिनल्स के साथ मेरा पहला सॉन्ग है। इस गाने को रील्स पर पहले ही शानदार रिस्पांस मिल रहा है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई इस गाने को उतना ही एन्जॉय करेगा जितना हमने इसे रिकॉर्ड करते समय किया है।यह गाना वीवाईआरएल ऑरिजिनल्स के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।बात करें स्टेबिन बेन के मशहूर गानों की तो, रुला के गया इश्क, बारिश बन जाना, मेरे महबूब, दुआ करो, दिल लाया दिमाग लाया, एक तू ही तो है, दीवाना, समझ न पाओगे, थोड़ा थोड़ा प्यार, जिए तो जिए कैसे 2.0 जैसे सुपरहिट सॉन्स शामिल हैं।वहीं नीति मोहन के बारे में बात करें तो उन्होंने कई हिट गाने दिए हैं, जिसमें मेरी जिंदगी है तू, चल तेरे इश्क में, नैनोवाले ने, फर्स्ट क्लास, कश्मीर मैं तू कन्याकुमारी, दर्द दिलों के, खींच मेरी फोटो, बैंग बैंग आदि शामिल है।

रितेश देशमुख ने की पिल के साथ अपनी ओटीटी सीरीज की शुरुआत

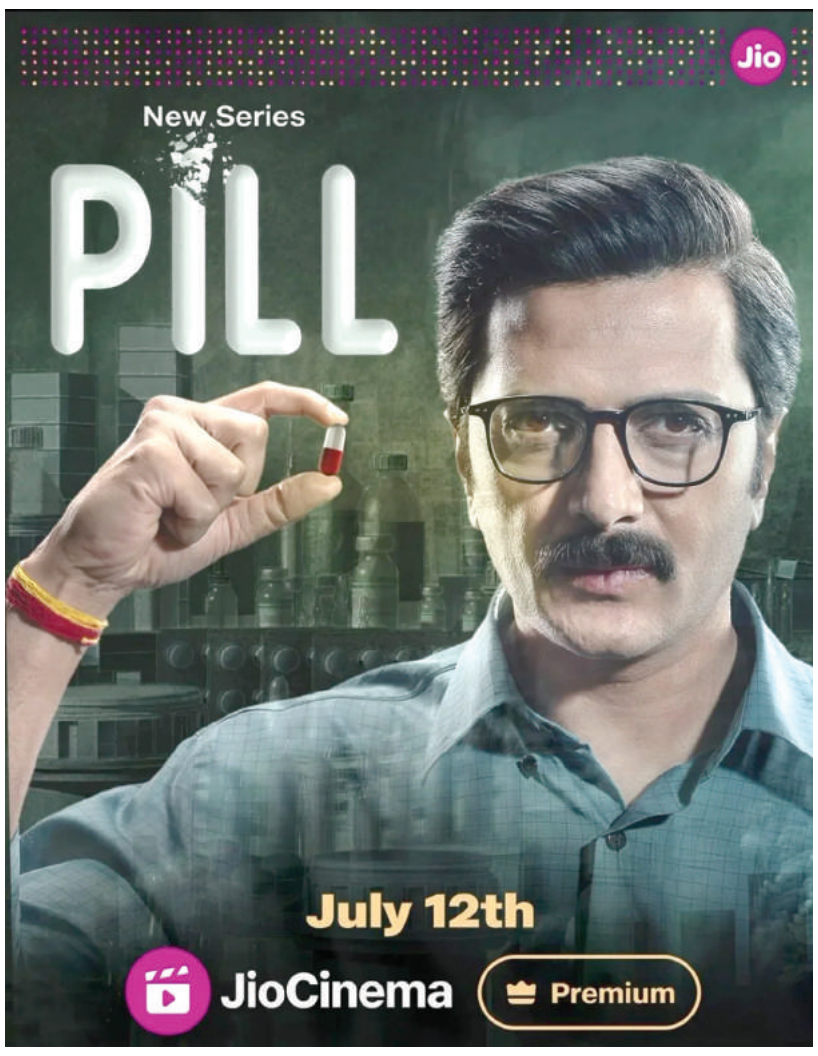

एक्टर-फिल्म मेकर रितेश देशमुख पिल के साथ अपनी ओटीटी सीरीज की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। आने वाली वेब सीरीज के मेकर्स ने एक मोशन पोस्टर जारी किया। इसमें फार्मास्यूटिकल्स की अंधेरी और भ्रष्ट दुनिया की झलक दिखाई गई है।मोशन पोस्टर में रितेश कह रहे हैं कि इस देश में किस बीमारी से कितने लोग मरते हैं, उसका डेटा हमारे पास है। लेकिन खराब दवाई की वजह से कितने लोगों की जान जा रही है, उसका कोई डेटा नहीं है।मोशन पोस्टर के साथ जियो सिनेमा के इंस्टाग्राम हैंडल पर कैप्शन लिखा था, आपकी दवा (मेडिसिन) वास्तव में किस चीज से बनी है? पिल विशेष रूप से 12 जुलाई से जियो सिनेमा प्रीमियम पर स्ट्रीमिंग।रितेश हॉरर कॉमेडी फिल्म काकुड़ा में भी दिखाई देंगे। इसमें उनके साथ सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम भी होंगे। यह शो 12 जुलाई को प्रसारित होगा।काकुड़ा की कहानी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के शापग्रस्त रतोडी गांव पर आधारित है। फिल्म में जिले के हर घर में दो दरवाजे हैं, जो एक सामान्य आकार का और दूसरा छोटा है।कहानी एक अजीबोगरीब रस्म के इर्द-गिर्द घूमती है, इसके तहत हर मंगलवार शाम 7.15 बजे हर घर का छोटा दरवाजा खोलना जरूरी होता है। अगर कोई इसका पालन नहीं करता है, तो उसे काकुड़ा का गुस्सा झेलना पड़ता है, जो घर के मुखिया को सजा देता है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।

इंडस्ट्री ने शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से कराया परिचित: आशा नेगी

हाल ही में रिलीज हुए शो इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस आशा नेगी ने कहा कि यह सीरीज लोगों को शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराती है।हिंदी फिल्म उद्योग के अंदरूनी लोगों की झलक दिखाने वाली इस सीरीज के बारे में बात करते हुए आशा ने कहा, शो इंडस्ट्री को बहुत अच्छी समीक्षाएं मिल रही हैं और खास तौर पर इंडस्ट्री के लोगों से इसे काफी सराहना मिल रही है, क्योंकि यह हर किसी से मेल खाती है।अपने किरदार को लेकर आशा ने कहा कि लोग उनके महत्वाकांक्षी किरदार सान्या सेन से जुड़ रहे हैं। अब तक फीडबैक बहुत बढिय़ा रहा है। बहुत से लोग, खास तौर पर इंडस्ट्री के लोग मेरे किरदार से जुड़ रहे हैं।

टीवी शो पवित्र रिश्ता से चर्चा में आईं एक्?ट्रेस ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री पर्दे के पीछे के संघर्षों को उजागर करती है।उन्होंने कहा, उद्योग से बाहर के लोगों को यह शो दिखाता है कि बाहर से ग्लैमरस दिखने वाली इस इंडस्ट्री के पीछे कड़ी मेहनत और संघर्ष होता है।

इस ग्लैमर में बहुत धैर्य, कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष छिपा है।बारिश, लूडो, अभय और कॉलर बम जैसी हिट ओटीटी परियोजनाओं में काम करने वाली आशा ने कहा, उद्योग से बाहर के लोग असली चुनौतियों को जान रहे हैं, जबकि उद्योग में लोग हर संवाद, एपिसोड और चरित्र से जुड़ सकते हैं।टीवीएफ से अरुणाभ द्वारा निर्मित और नवजोत गुलाटी और श्रेयश पांडे द्वारा निर्देशित, इंडस्ट्री हाल ही में अमेजन मिनी टीवी पर आई है।चंकी पांडे और गगन अरोड़ा की प्रमुख भूमिकाओं वाली इंडस्ट्री एक महत्वाकांक्षी पटकथा लेखक आयुष वर्मा (गगन अरोड़ा) की कहानी बताती है, जो बॉलीवुड के जटिल रास्तों से होकर उनके सफर को दर्शाती है।

अभिनेत्री मालविका के कातिल अंदाज ने ढाया कहर

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस उनसे काफी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका फैशन स्टेटमेंट अक्सर फैंस के बीच ट्रेंड करता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देते हुए सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक लोगों के बीच वायरल होने लगता है। चाहें इंडियन हो या वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं.

धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा

मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता–पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा ।

घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा

आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 29 जून 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 02:22 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 08:50 तक
योग : शोभन सायं 06:53 तक
करण : कौलव दोपहर 02:22 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 08:51 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकारी अस्पतालों के पास नहीं है बिजली का बिल जमा कराने का बजट

कनेक्शन काटने के नोटिस जारी

जयपुर,28 जून (एजेंसियां)। वित्त विभाग के अफसरों ने राजस्थान को किस गर्त में ढकेला है इसके रुझान तो समय–समय पर सामने आते ही हैं। ताजा मामला सरकारी अस्पतालों को मिले बिजली विभाग के नोटिस का है। इसमें बिल नहीं जमा करवाए जाने की स्थिति में कनेक्शन काटने की चेतावनी जारी की गई है।

राजस्थान के लगभग हर सरकारी महकमे की एक समस्या कॉमन है कि बजट के अभाव में छोटे–बड़े काम अटके हुए हैं। हालत इतनी पतली है कि बिजली के बिल जमा करवाने के लिए भी बजट नहीं है। इसी के चलते राजधानी जयपुर के सीएमएचओ को बिजली कनेक्शन काटने का नोटिस जारी हुआ है। गुरुवार को जारी इस नोटिस में बिजली बिल जमा नहीं कराने की स्थिति में कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई है। इधर कर्मचारियों का कहना है कि उनके पास छोटे–मोटे काम के लिए भी बजट नहीं है। इसके लिए सरकार को कई बार चिट्ठियां भी लिख चुके हैं। बिजली विभाग ने 2 लाख 50 हजार रुपये का बिल थमाया है। यह बिल कई महीनों से इकट्ठा हो रहा था। आखिरकार अब कनेक्शन काटने के नोटिस जारी करने पड़े हैं। इधर सीएमएचओ ऑफिस की स्थिति यह है कि बिजली का एक फेज पहले से ही उड़ा हुआ है।

यह स्थिति सिर्फ एक ऑफिस की नहीं है, प्रदेश में नई सरकार के गठन से पहले से ही अफसरों ने महकमों की ऐसी हालत कर दी थी। दिसंबर 2023 में जब नई भजनलाल सरकार ने सत्ता संभाली ही थी, तब सरकारी महकमों में 300 करोड़ रुपए के बिल बकाया थे। तब से अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है।

प्रेम विवाह से नाराज युवती के परिजनों ने प्रेमी के घर में लगाई आग

बीकानेर,28 जून (एजेंसियां)। बीकानेर जिले में बेटी के प्रेम विवाह करने से गुस्साए परिजनों ने युवक के घर में आग लगा दी। आगजनी में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। गंगा शहर थाना इलाके के चौपड़ा बाड़ी के रहने वाले राजाराम सोनी के पुत्र रमन सोनी ने अपने घर के पास रहने वाली निशा चौधरी पुत्री भंवर लाल चौधरी के साथ 19 मई को कोर्ट मैरिज कर ली। युवती के परिजन इस प्रेम विवाह के विरोध में थे।

रमन सोनी की मां निर्मला देवी ने बताया कि रमन और निशा ने 19 मई को कोर्ट में प्रेम विवाह किया था। जब निशा के परिजनों को इसका पता चला तभी से वे जान से मारने की धमकियां देने लगे। इसी के चलते बुधवार देर रात निशा के परिजनों और रिश्तेदारों ने उनके घर में आग लगा दी, जिससे उनका कीमती सामान जलकर राख हो गया। निर्मला ने कोर्ट मैरिज से संबंधित दस्तावेज दिखाते हुए जिला पुलिस अधीक्षक से अपने परिजनों की जान माल की सुरक्षा की मांग की। युवक के परिजनों के खिलाफ गंगा शहर थाने में केस दर्ज कराया है।

सचिवालय की चौथी मंजिल पर निकला सांप, इधर–उधर भागने लगे कर्मचारी

चंडीगढ़,28 जून (एजेंसियां)। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय के कर्मचारियों के बीच उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां एक सांप निकल आया। सांप सचिवालय की चौथी मंजिल पर स्थित मुख्य सचिव कार्यालय के नजदीक निकला था। वहां मौजूद कर्मचारियों की नजर जैसे सांप पर पड़ी तो वे इधर–उधर भागने लगे। इसकी सूचना तुरंत फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को दी गई। सूचना मिलते ही विभाग के कर्मचारी सचिवालय पहुंचे। उन्होंने सांप को पकड़कर वापस जंगल मे छोड़ा दिया है।

मोबाइल एसेसरीज खरीदने पहुंचे युवक की चीन में हत्या

जालौर,28 जून (एजेंसियां)। जालौर जिले के भीनमाल निवासी एक मोबाइल कारोबारी की चीन में अपहरण के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने युवक को छोड़ने के एवज में फोन करके उसके पिता से एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की थी। पिता ने मोबाइल पर व्हाट्सएप चैट करके 50 लाख रुपये की व्यवस्था होने और रुपये देने का ऑफर किया था। इसी बीच 24 जून को युवक की हत्या कर दी गई।

मुंबई में व्यवसायरत युवक भीनमाल का निवासी था, जिसकी चीन में सात दिन पूर्व अपहरण के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। युवक के परिजन दिल्ली स्थित क्षेत्रीय सांसद लुंबाराम चौधरी के साथ विदेश मंत्रालय के माध्यम से मृतक का शव भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में जुटे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार नरसाराम का लड़का सतीश कुमार दो साल से मुंबई में मोबाइल का कारोबार कर रहा था। वह चीन से माल खरीदकर मुंबई में होलसेल में दुकानदारों को बेचता था इसलिए हर एक–दो महीने में उसका चीन आना–जाना लगा रहता था। इसी महीने वह चीन गया था, जहां गत 21 जून को अज्ञात लोगों ने उसका अपहरण कर रुपयों की मांग की थी। 24 जून तक सतीश का मोबाइल चालू था और घरवालों को उसके अपहरण के बाद फिरौती का मांग के फोन भी आए थे।

मुंबई में कर रहा था कारोबार

इसके बाद 24 जून को उसके भाई के मोबाइल पर सूचना मिली कि सतीश कुमार नाम के युवा की चीन के गुआगंजो सिटी में बॉडी मिली है।

सूचना पर सतीश के तीन रिश्तेदार चीन जाने के दिल्ली पहुंच गए, जहां सांसद लुंबाराम चौधरी से उनके निवास पर मुलाकात कर घटना के संबंध मे अवगत करवाया। सांसद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों रिश्तेदारों को चीन का वीजा आवेदन करवाकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मेल भेजकर चीन जाने का वीजा और शव को भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग की अपील की।

शुद्ध आहार–मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने की कार्रवाई

ब्यावर,28 जून (एजेंसियां)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत शुक्रवार को फूड सेफ्टी टीम ने ब्यावर में कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने 50 किलो मसाले और 20 किलो घी सीज करते हुए चार नमूने लिए। मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संजय गहलोत ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार फूड सेफ्टी टीम ने शहर में दुकानों का सघन निरीक्षण कर तीन दुकानों पर कार्रवाई की।

फूड सेफ्टी टीम ने अग्रसेन बाजार स्थित मैसर्स भंडारी एंड कंपनी पर कार्यवाही करते हुए मिलावट का अंदेशा होने पर नमूने लेकर 50 किलो मसाले सीज किए। मौके पर हल्दी, मिर्च और धनिया पाऊडर बिना पैकिंग लाइसेंस के बेचे जा रहे थे, जिन पर किसी प्रकार की पैकिंग

50 किलो मसाले, 20 किलो घी सीज

दिनांक, एक्सपायरी और बैच नंबर आदि अंकित नहीं थे। जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमानुसार पैकिंग फूड आइटमों के लिए अनिवार्य है। इसी दुकान पर स्वास्थ्य के लिए खतरनाक केमिकल हाइड्रो भी बेचा जा रहा था, जिसे संचालक प्रवीण भंडारी ने हलवाइयों को बेचना जाहिर किया। यह केमिकल टेक्सटाइल इंडस्ट्री में उपयोग में लिया जाता है। इसके दस पैकेट मौके से जब्त किए गए।

दूसरी कार्रवाई मैसर्स विनीत कुमार एंड कंपनी पर की गई, जहां से धनिया पावडर का नमूना लिया गया। इसी दुकान पर घटिया क्वालिटी का घी मदर चॉइस बेचा जा रहा था। दुकानदार से पूछताछ में बताया कि यह अंतिम संस्कार के सामान के साथ बेचते हैं। 450 प्रतिकिलो खरीद है जबकि एमआरपी 640 पाई गई।

जानकारी करने पर बताया कि तेजा चौक स्थित पंडित दूधवाले सप्लाई करता है। टीम मौके पर पहुंची दुकानदार ने बताया कि उसके भाई ने गजानंद ट्रेडिंग कंपनी नाम से फर्म बना रखी है, जिसमें मदर चॉइस घी का काम करते हैं। दुकान पर 10 किलो घी बरामद हुआ जिसका नमूना लेकर सीज किया गया। दुकानदारों से ऑर्डर लेकर सीधे कंपनी से माल मंगवाकर सप्लाई करते हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त नहीं होने तक इस ब्रांड के घी का कारोबार नहीं करने के लिए पाबंद किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, अजय मोयल, केसरीनंदन शर्मा एवम सहायक राजकुमार इंदौरिया शामिल रहे।

रेत से भरे डंपर ने बाइक सवार दंपत्ति को कुचला

यमुनानगर,28 जून (एजेंसियां)। यमुनानगर के बीकेडी रोड पर देवधर के पास रेत से भरे डंपर ने दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। हादसे में दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे। शवों को कुचला देख ग्रामीण भड़क उठे। गुस्साए ग्रामीण शवों को सड़क पर रख जाम लगा दिया। उनकी मांग थी कि आरोपी डंपर चालक पर केस दर्ज कर तुरंत गिरफ्तार किया जाए और मार्ग से खनन सामग्री से भरे ओवरलोड वाहनों की आवाजाही बंद की जाए। सूचना मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस, एसडीएम छछरौली, आरटीए व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि मामले में आरोपी डंपर चालक पर केस दर्ज कर लिया गया है। ओवरलोड वाहनों को रोकने के लिए नियमित चेकिंग चल रही है। ओवरलोड वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।देवधर निवासी ग्रामीण चंद्रपाल ने बताया कि शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे के करीब देवधर निवासी 45 वर्षीय सुभाष अपनी पत्नी 40 वर्षीय सुमन को साथ लेकर पास के गांव से दवाई लेने गया था। दवा लेकर वह वापस देवधर लौट रहा था।जैसे ही वह गुर्जर कन्या गुरुकुल महाविद्यालय देवधर के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार रेत से भरे डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दंपती बाइक समेत सड़क पर गिर गया। डंपर ने उन्हें कुचलता हुआ आगे निकल गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई ।

ट्रैक्टर और ट्राले के बीच हुई भिड़ंत में ट्रैक्टर चालक की मौत

अजमेर,28 जून (एजेंसियां)। अजमेर के पुष्कर के निकट तिलोरा तिराहे पर ट्रैक्टर और ट्राले के बीच हुई आमने–सामने की भिड़ंत में ट्रैक्टर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुष्कर थाना पुलिस ने शव को पुष्कर के राजकीय अस्पताल में रखवाकर ट्रैक्टर और ट्राले को जब्त कर लिया, जबकि ट्राला चालक मौके से फरार हो गया।

पुष्कर थानाधिकारी राकेश यादव ने बताया कि नागौर जिले के थांवला थाने के डेर की ढाणी में रहने वाला 45 वर्षीय उगमाराम गुर्जर अपने ट्रैक्टर से थांवला से बायपास की तरफ जा रहा था, तभी तिलोरा तिराहे पर सामने से आ रहे ट्राले ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी खतरनाक थी कि ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुष्कर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पुष्कर के राजकीय अस्पताल भिजवाकर ट्राले और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया, जबकि ट्राला चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई नवेली दुल्हन समेत पांच पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रोहतक,28 जून (एजेंसियां)। रोहतक के लाखन माजरा थाने में एक युवक ने अपनी नई नवेली दुल्हन और उसके सहयोगियों के खिलाफ ठगी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उक्त लोगों का एक गिरोह है और फर्जी संस्था बनाकर लोगों को ठगने और लूटने का काम करते हैं। पुलिस ने दुल्हन और उसके दो सहयोगियों को नामजद करते हुए पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव इंद्रगढ़ निवासी एक अशोक कुमार ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि वह विवाहित था और उनके परिवार से घरोठी निवासी रामनिवास और रोहतक निवासी पूनम ने अपने आप को एक सामाजिक संस्था का सदस्य बताते हुए गरीब लड़कियों की शादी कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब के बठिंडा कल्जा रानी अतर सिंह वाला

लड़की ने सुहागरात पर कर दी जेवरात व नकदी की मांग

निवासी गगनदीप कौर को गरीब परिवार की है। ऐसे में उसकी शादी का प्रस्ताव रखा उनके साथ गया। इसी बीच रामनिवास और पूनम ने संस्था के नाम पर पौने दो लाख रुपये की मांग की।

उन्होंने कहा कि संस्था इस तरह की गरीब लड़कियों के जीवन संवारने पर यह पैसा खर्च करती है। परिवार के लोगों ने उनकी बात मानते हुए पौने दो लाख रुपये दे दिए। 20 मई 2024 को रोहतक में कोर्ट मेरिज करा दी गई और जब शादी करने के बाद घर पहुंचे तो सुहागरात पर गगनदीप कौर ने उसके खाते में एक लाख रुपये डाले जाए, उसके पर्स में रखने के लिए 15 हजार रुपये दिए जाए और करीब एक लाख रुपये के जेवरात खरीदवाने की मांग की। उसके बाद ही सुहागरात मनाई जाएगी। इस पर उसने कहा कि वह जल्द ही दिला देगा तो दुल्हन ने कहा कि वह शादीशुदा है और उनका पति गुरजीत सिंह है। उनका एक गिरोह है जो अविवाहित लोगों को शादी के बहाने से ठगी और धोखाधड़ी करता है। यदि उन्होंने यह मांग पूरी न की तो उसे और उसके परिवार के लोगों को दहेज की मांग करने समेत अन्य तरह के आरोप लगाकर जेल भिजवा देंगे। इस पर पीड़ित ने बिचौलियों से संपर्क कर उनको बुलाया तो वह भी घर आ गए। उन्होंने भी दुल्हन की बात को सही बताया और कहा कि चुपचाप यह जो मांग रही उनको दे दो। अगर ऐसा नहीं किया तो उसे जान से मार देंगे और परिवार के लोगों को फंसा देंगे। इस पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की तो उसी आधार पर लाखना माजरा कोतवाली में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मास्टरमाइंड संजीव मुखिया ने ही कराया था सिपाही भर्ती का पेपर लीक

ईओयू ने चार को पकड़ा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने सिपाही भर्ती पेपर लीक में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक का मास्टरमाइंड भी नालंदा के नगरनौसा निवासी संजीव मुखिया उर्फ लूटन की है। एक अक्टूबर, 2023 को कांस्टेबल भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र लीक हुआ था। दो दिन पहले ईओयू को इस केस में बड़ी लीड मिली थी। इसके बाद टीम ने छापेमारी कर पश्चिम बंगाल के तीन लोगों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना निवासी कौशिक कुमार कर, संजय दास, कोलकाता निवासी सुमन विश्वास और उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी सौरभ बंधोपाध्याय शामिल हैं। इससे पहले, 5 जून को, ईओयू ने बिहार के सभी निवासियों और अंतरराज्यीय संजीव मुखिया गिरोह के कथित सदस्यों अश्विनी रंजन, विक्की कुमार और अनिकेत को गिरफ्तार किया था, जो वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

नीट यूजी, बीपीएससी टीआरई 3 पेपर लीक मामले में मुखिया गिरोह के कई सदस्यों को बिहार पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ईओयू ने अब तक विभिन्न जिलों में कुल 74 एफआईआर दर्ज की हैं और विभिन्न प्रश्न पत्र लीक मामलों में 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। ईओयू के एक बयान के अनुसार, कौशिक कुमार कर की कोलकाता स्थित फर्म, कैल्टेक्स मल्टीवेंचर प्राइवेट लिमिटेड को बिहार कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र मुद्रित करने और आपूर्ति करने का ठेका दिया गया था। कैल्टेक्स मल्टीवेंचर प्राइवेट लिमिटेड एक कमरे वाली शेल फर्म थी जिसमें कोई कर्मचारी नहीं था, और प्रश्न पत्रों की छपाई और आपूर्ति ब्लेसिंग सिक्योर्ड प्रेस प्राइवेट लिमिटेड को आउटसोर्स की गई थी। इसमें कौशिक कुमार कर की पत्नी निदेशक थीं।

ईओयू ने यह भी खुलासा कि पहले कथित तौर पर 2019 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और 2022 में अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक मामलों में शामिल थे, जिससे उन्हें ब्लेसिंग सिक्योर्ड की स्थापना करने के लिए प्रेरित किया गया।

कौशिक और उसके सहयोगियों द्वारा प्रश्न पत्रों के परिवहन, भंडारण और सौंपने के संबंध में मानक संचालन प्रक्रियाओं से गंभीर विचलन पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रश्नपत्रों को राज्य सरकार के पास भेजने के बजाय, कौशिक की संबद्ध कंपनियों ने उन्हें पटना में डीपी वर्ल्ड एक्सप्रेस लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाले गोदाम में भेज दिया, जहां वे अधिकारियों को सूचित किए बिना छह दिनों तक रहे। इस दौरान, संजीव मुखिया गिरोह के सदस्यों से कर द्वारा संपर्क किया गया था, और प्रश्नपत्र खोले गए थे और उम्मीदवारों को आगे वितरण के लिए गिरोह के सदस्यों के बीच वितरित किए गए थे, जिन्होंने अग्रिम ज्ञान के लिए पर्याप्त रकम का भुगतान किया था।

ईओयू ने खुलासा कि एक अक्टूबर को परीक्षा के दौरान, कई उम्मीदवारों को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य फर्जी तरीकों का उपयोग करके नकल करते हुए पकड़ा गया, जिसके कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई। इसके बाद अनियमितताओं की शिकायतों के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई और 7 अक्टूबर और 15 अक्टूबर को होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। बता दें कि बिहार पुलिस कांस्टेबल 2023 में 21,391 पदों पर वैकेंसी निकली थी। परीक्षा एक अक्टूबर को बिहार के 37 जिलों के 529 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 18 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

शिक्षक पर शराब पीकर विद्यार्थियों से मारपीट करने का आरोप

नाराज अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर किया हंगामा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक शिक्षक द्वारा छात्राओं की पिटाई किए जाने से नाराज अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर जमकर बवाल काटा। अभिभावकों का आरोप है कि आरोपी प्रधानाध्यापक संजय कुमार शराब पीकर स्कूल आते हैं। फिर मामूली बात को लेकर बच्चों की पिटाई करते हैं, जिससे कई बच्चे घायल भी हो गए हैं। पूरा मामला सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय महमदपुर का है। मामला सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस द्वारा समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया गया। लेकिन लंबे समय तक लोग आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई की मांग करते रहे।

छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार शराब का सेवन करते हैं और जात-पात की भावनाओं से भी ग्रसित हैं। वह चुन-चुन कर दूसरी जाति के छात्राओं की पिटाई करते हैं। हालांकि इसमें कितनी सच्चाई है यह तो जांच के बाद पता चल पाएगा।

फिलहाल छात्रों का आरोप है कि विद्यालय की ही एक शिक्षिका अभिलाषा कुमारी ने कई छात्राओं को कहा था कि वे अपनी पासबुक अपडेट कर लें। इसलिए छात्र-छात्राओं को विद्यालय से कुछ घंटे की छुट्टी दी गई थी।

लेकिन जब छात्र-छात्रा विद्यालय पहुंचे तो प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने उन्हें रोका और पूछा किससे पूछ कर बाहर गए थी। उसके बाद उन्होंने छात्र-छात्राओं की पिटाई शुरू कर दी।

छात्राओं का आरोप है कि शिक्षक संजय कुमार द्वारा उनके सिर पर भी हमला किया गया, जिससे कई छात्र-छात्राएं घायल हो गए। जब विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों से इसकी शिकायत की तो वे आक्रोशित हो गए और विद्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया। हालांकि अब स्थानीय प्रशासन द्वारा स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है।

वहीं, आरोपी शिक्षक का कहना है कि एनएच के बगल में यह विद्यालय है और वह नहीं चाहते कि विद्यार्थियों के साथ किसी प्रकार का हादसा हो। इसलिए वह विद्यार्थियों से थोड़ी कड़ाई से जरूर पेश आते हैं। लेकिन उन पर लगाए गए तमाम आरोप बेबुनियाद हैं।

दो ट्रकों की भीषण टक्कर से लगी आग, धू-धू कर जल गए दोनों वाहन

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों वाहन धू-धू कर जलते रहे। इस घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। यह घटना जिले के दरौंदा थाना क्षेत्र के धनौती गांव के पास छक-531 सीवान-छपरा मुख्य मार्ग की है।

जानकारी के मुताबिक, सीवान-छपरा मुख्य मार्ग पर एक खराब ट्रक सड़क के किनारे खड़ा था। तभी अहले सुबह छपरा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने अपना नियंत्रण खो दिया और खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों में तुरंत आग लग गई। इंजन में आग लगते ही ट्रक ड्राइवर और खलासी दोनों ने कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद दोनों ट्रक धू-धू कर जलते रहे।

बताया जा रहा है कि सड़क किनारे अपने दरवाजे पर सोए लोगों ने टक्कर की आवाज सुनकर शोर मचाना शुरू किया। उसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी। फिर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक का 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा जल चुका था।

अकसर देखने आता है कि सड़क किनारे ट्रक खराब अवस्था में छोड़कर चालक वहां से गायब हो जाते हैं। इसकी वजह से या तो जाम की स्थिति बन जाती है या वहां से गुजरने वाली कोई गाड़ी उससे टकरा जाती है। लेकिन न तो ट्रैफिक पुलिस इस ओर ध्यान देती है और न ही ट्रक चालक। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस सिर्फ इन ट्रक वालों से पैसे वसूलती ही नजर आती है, जिसके वीडियो भी कई बार सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। इस पूरे मामले को लेकर दरौंदा थाना अध्यक्ष ने बताया कि सड़क किनारे खराब ट्रक खड़ा था। इसलिए ऐसी दुर्घटना घटित हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

प्राइवेट टीचर पिता कर रहे दारोगा की तैयारी, कैंसर पीड़ित नौ साल का बेटा बना एक दिन का एडीजी

पटना (एजेंसियां)।

वाराणसी जोन के एडीजी कार्यालय में मंगलवार यानी 25 जून को महज 9 साल के एक बच्चे ने सशस्त्र एडीजी का चार्ज संभाला। बच्चा कैंसर पीड़ित है और वह आईपीएस अफसर बनने की चाहत रखता है। बच्चे के इस सपने को पूरा करने के लिए वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने उसे एक दिन के लिए कार्यभार सौंपा। जिसकी खबर सामने आते ही बिहार के सुपौल जिले में भी खुशियां मनाने लगे। दरअसल, बिहार के सुपौल जिला अंतर्गत प्रतापगंज प्रखंड क्षेत्र के तेकुना वार्ड 6 निवासी रंजीत कुमार दास का 9 वर्षीय पुत्र प्रभात कुमार भारती ब्रेन ट्यूमर का मरीज है। पिता रंजीत गांव में ही संचालित कोचिंग सेंटर में पढ़ाते हैं। साथ ही वह बिहार दारोगा की तैयारी में भी जुटे हैं।

रंजीत बताते हैं कि प्रभात गांव के ही विद्या निकेतन स्कूल में पढ़ाई करता है। बीते फरवरी माह में अचानक स्कूल में ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद स्थानीय स्तर पर कई डॉक्टरों की सलाह ली।

लेकिन जब बात नहीं बनी तो ब्रेन ट्यूमर की जानकारी मिलने के बाद प्रभात को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज के कैंसर वार्ड ले जाया गया। हालांकि वहां भी कम उम्र के बच्चों के लिए बेहतर व्यवस्था नहीं थी।

ऐसे में डॉक्टरों की सलाह पर प्रभात को वाराणसी स्थित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। 20 मार्च को प्रभात के ट्यूमर का ऑपरेशन किया गया। वही 7 मई से 22 जून तक उसका रेडिएशन किया गया। इसी बीच प्रभात के विषय में जब सामाजिक संस्था मेक ए विश फाउंडेशन ऑफ इंडिया को मिली तो उसने परिजनों से संपर्क साधा। संस्था से बातचीत में प्रभात ने बताया कि वह आईपीएस अफसर बनना चाहता है। जिसके बाद संस्था के प्रयास और एडीजी पीयूष मोर्डिया की सहमति से प्रभात का सपना साकार हो सका।

प्रभात कुमार भारती की इच्छा पर उसे एक दिन का एडीजी बनाया गया। मंगलवार को प्रभात ने एडीजी का चार्ज लिया। इस दौरान प्रभात के पिता रंजीत और मां संजू भी मौजूद थे। पूरी प्रक्रिया के बीच कार्यालय में पुलिस कर्मियों ने उसे सलामी दी। जिसके बाद एक दिन के एडीजी प्रभात ने कार्यालय और परेड का निरीक्षण किया।

इससे पूर्व प्रभात का एडीजी पीयूष मोर्डिया ने गुलदस्ता से स्वागत किया। वही पुलिस टीम की मौजूदगी में ससम्मान अपनी कुर्सी पर बैठाया। कार्यालय के सभी पुलिसकर्मी प्रभात से मिले और सलामी दी। इसके बाद जिप्सी में बैठकर प्रभात को भ्रमण कराया गया।

एक दिन के लिए एडीजी बनने के बाद प्रभात काफी उत्साहित है। हालांकि नियमित अंतराल पर डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी करेगी। एडीजी की कुर्सी पर बैठने के बाद प्रभात ने बताया कि उस वक्त वह हिंदी टेलीविजन धारावाहिक सीआईडी के एसीपी प्रद्युमन जैसा महसूस कर रहा है। वहीं कोचिंग में अध्यापन कर मासिक महज पांच से सात हजार रुपए कमाने वाले पिता रंजीत भी बेटे को एडीजी की कुर्सी पर बैठे देख कर गदगद हैं। रंजीत कहते हैं कि वह दारोगा कब बनेंगे, यह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन बेटे को एडीजी की कुर्सी पर देख उसके ईलाज में अब तक हुई थकान दूर हो गई। बोलने को कुछ और शब्द नहीं हैं।

नवादा में दबंगों ने मारपीट कर आठ लोगों को किया घायल

पीड़ित बोले- तो ब्राह्मण विहीन हो जाएगा यह गांव

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा जिले के कौआकोल थानाक्षेत्र के नक्सल प्रभावित माधोपुर गांव से दबंगों की दबंगई का मामला सामने आया है। कहा जा रहा है कि पुलिस के ढीले रवैये के कारण गांव ब्राह्मण विहीन हो जाएगा। यहां एक ओर दबंगों द्वारा एक ब्राह्मण परिवार पर काफी जुल्म और सितम बढ़ गया है तो दूसरी ओर पुलिस पर बेरुखी दिखाने का आरोप लग रहा है। कहा जा रहा है कि ऐसे में ब्राह्मण परिवार के सभी सदस्यों का घर के अंदर कैद रहना मजबूरी हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, माधोपुर गांव में एक टोला ब्राह्मण परिवारों का है। जहां पांच-छह परिवारों के कुल 20-25 सदस्यों का निवास है। आरोप है कि आसपास रहने वाले दूसरी बिरादरी के लोग इन परिवारों पर जुल्म ढाते हैं। बताया जा रहा है कि बीते रविवार की रात छत पर पानी की टंकी ओवर फ्लो हो गई, जिससे पानी के छींटे पड़ोसी के घर की ओर भी गए। इसी बात को लेकर विवाद खड़ा किया गया। इस दौरान पड़ोसियों ने दबंगई की पराकाष्ठा पार करते हुए महिला-पुरुषों की बेरहमी से पिटाई कर दी। लाठी-डंडे से की गई पिटाई में कुल आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में भारद्वाज उर्फ राजेश पांडेय, आशुतोष कुमार पांडेय, प्रियदर्शन पांडेय, छोटू पांडेय, मंगल पांडेय, चंदन पांडेय, पिंकी देवी और रौशन पांडेय शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए कौआकोल के पीएचसी में भर्ती होना पड़ा। प्राथमिक उपचार के बाद चार लोगों को सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया। कुछ महिलाएं तो इलाज कराने ही नहीं पहुंच सकीं। अधिकांश लोगों के सिर में चोटें थीं। जिन लोगों की अस्पताल से छट्टी हुई भोर में घर को लौट गए। उसके बाद सुबह को फिर तमाशा हुआ और भारद्वाज पांडेय के घर पर चढ़कर जमकर पत्थरबाजी की गई।

पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद डायल 112 से मदद मांगी तो पुलिस गांव में पहुंची। पुलिस अभिरक्षा में इलाज कराने पीएचसी कौआकोल पहुंचे। अस्पताल पहुंचाने के बाद पुलिस चली गई। कुछ लोगों को इलाज के बाद जब अस्पताल से छुट्टी दी गई तो गांव पहुंचने के लिए पुलिस से फिर मदद मांगी। लेकिन, पुलिस वालों ने मदद नहीं की। गांव से सूचना आ रही थी कि रास्ते में दबंग लोग घात लगाए बैठे हैं। किसी प्रकार रास्ता बदलकर भोर में घर तक पहुंचे। सुबह होने पर फिर विवाद खड़ा किया गया और घर पर पथराव किया गया। थाने को फोन लगाया तो दारोगा जी ने उल्टे डांट-फटकार लगा दी और थाने आने को कहा।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस कहती है कि तुम लोग कमजोर लोग हो। उसी के बीच में रहना है। केस मुकदमे से क्या होगा। फिर मारेगा सहन करो। ऐसे में गांव के ब्राह्मण परिवार पूरी तरह से डरे-सहमे हैं। पीड़ित लोगों ने कहा कि पानी गिरना तो बहाना है। दरअसल, मामला राजनीतिक है। हम ब्राह्मण परिवार भाजपा के समर्थक हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट किया भी और गांव में कराया भी। दूसरे पक्ष के लोग राजद के समर्थक हैं। उन लोगों की रंजिश इसी बात को लेकर है कि भाजपा को समर्थन और वोट क्यों देते और दिलाते हैं। साल 2015 में भी इसी प्रकार से मारपीट की गई थी।

घटना का किंग-पिन सकिंद्र उर्फ शाको यादव को बताया जा रहा है। इसके अलावा अनिल यादव, नंदू यादव, सोहर यादव, सिंकदर यादव, कैलाश यादव, कमलेश यादव सहित करीब 20 लोगों पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया जा रहा है। इस घटनाक्रम में पुलिस की भूमिका पर पीड़ित परिवार द्वारा कई सवाल उठाए जा रहे हैं। पीड़ित परिवार के भारद्वाज पांडेय का कहना है कि पुलिस कोई एक्शन नहीं ले रही है। कई लोगों को जख्म है। सीएचसी कौआकोल से लेकर सदर अस्पताल नवादा तक इलाज हुआ, लेकिन पुलिस आंख मूंदें बैठी है।

पीड़ित पक्ष के लोगों का कहना है कि दबंगों ने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। पुलिस की बेरुखी से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में गांव-घर में रहना मुश्किल हो गया है। जान पर आफत है। ऐसे में अब घर छोड़ना ही आखिरी विकल्प है। ऐसा हुआ तो यह गांव ब्राह्मण विहीन हो जाएगा।

पीड़ित परिवार ने अपनी व्यथा भाजपा नेताओं तक पहुंचाई है।

सीएम नीतीश कुमार दिल्ली रवाना, भाजपा से विधानसभा चुनाव पर भी करेंगे बात

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली रवाना हो चुके हैं। पटना एयरपोर्ट से उन्होंने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। सीएम तीन दिन वहां रहेंगे। इस दौरान अपनी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होंगे।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम नीतीश कुमार अपने पार्टी के नेताओं से बातचीत करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर सीएम नीतीश कुमार अपनी पार्टी की बैठक में शामिल हो रहे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार करेंगे। इस दौरान वह कई बड़े फैसले ले सकते हैं। शनिवार को बैठक के बाद कुछ बदलाव का भी एलान भी हो सकता है।

तीन दिवसीय दौरे लिए दिल्ली गए सीएम नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव पर सीट बंटवारे को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से भी मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो जदयू इस बाद भाजपा के बराबर सीटों पर विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवाद उतरना चाहती है।

लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बैठक होगी। इससे पहले दिसंबर 2023 में हुई जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। इस बैठक में ललन सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद छोड़ा था। इसके बाद पार्टी के नेताओं ने नीतीश कुमार की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर दुबारा बैठाया था।

सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। 12 लोकसभा सीटें जीतकर जदयू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में तीसरा सबसे बड़ा दल बन गया। जदयू की ओर से इनके दो सांसद इस बार मोदी कैबिनेट के सदस्य हैं। ललन सिंह को केंद्रीय मंत्री और रामनाथ ठाकुर को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के बाद यह पहली बार हुआ जब सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के दो नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। इससे पहले 2021 में आरसीपी सिंह अकेले ही मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। अभी ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर मंत्री बनाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com